HVS/Lib/11 15.11.99

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 फरवरी, 1999

खण्ड 1, अंक 7

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 5 फरवरी, 1999

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(7)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्न का लिखित उत्तर	(7)18
सदस्यों को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार सम्बन्धी मामले पर चर्चा	(7)18
वाक आउट	
सदस्यों को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार	(7)22
सम्बन्धी मामले पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)22
ध्यानाकर्षण सूचना—	(7)24
सिरसा जिले में पीलिया से हुई मौतों संबंधी	(7)24
सदन की मेज पर रखे गए कागज-पत्र	(7)24
वर्ष 1999-2000 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)25
बैठक का समय बढ़ाना	(7)55
वर्ष 1999-2000 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)55
शोक प्रस्ताव	(7)57

मूल्य : 106

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 5 फरवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 10.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Repair of Ghikera Road

***964. Shri Sat Pal Sangwan :** Will the Minister for Local Government be pleased to state the time by which road from Dadri Bus Stand to Ghikera road is likely to be repaired ?

स्थानीय शासन मंत्री (डा० कमला वर्मा) : दादरी बस स्टैण्ड से घीकेड़ा पहुंच मार्ग तक सड़क की मरम्मत यथाशीघ्र नगरपालिका के पास धन उपलब्ध होने पर करवा दी जायेगी।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि 1995 में जब बाढ़ आयी थी तो केवल यही एक सड़क बची थी जो उस वक्त टूटी नहीं थी। अब यह रोड बिल्कुल खराब हो गई है। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि वहां की म्यूनिसिपल कमेटी को धन उपलब्ध करवाकर इसे कब तक ठीक करवा दिया जायेगा ?

डा० कमला वर्मा : स्पीकर साहब, मैं इनको बताना चाहूंगी कि दादरी नगरपालिका को हमने 50 लाख रुपये का अनुदान दिया था। उस पैसे से दुकानें बनाई गई हैं। मेरा इनसे यह कहना है कि अगर सड़क टूटी हुई थी और उस वक्त जब कमेटी ने 50 लाख रुपये से दुकानें बनाई थीं तो तब इस सड़क का प्रस्ताव पास करवा कर इसे क्यों नहीं ठीक करवाया गया। बस स्टैण्ड से घीकेड़ा तक जो सड़क बनायी जानी है इस पर सवा तीन लाख रुपये खर्च होने हैं। हम इसको अवश्य बनवा देंगे। इनके क्षेत्र में दुकानें बनायी हैं उनसे Revenue earning होगी इसलिए योजना के अंतर्गत उस पैसे को भी ये ऐसी सड़कें बनाने के लिए यूज़ कर सकते हैं।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने एक बात कही कि जो 50 लाख रुपये का अनुदान दादरी नगरपालिका को दिया गया था, उससे दुकानें बना ली गई। मैं इनको बताना चाहूंगा शायद मंत्री जी को पता न हो कि हमारे विधायक बनने से पहले ही यह प्रस्ताव पास हो चुका था कि यह सड़क ठीक करवायी जाए। यदि मंत्री महोदया कहती हैं कि दुकानों की आय से जो आमदनी होती है उस से भी सड़कें बनाई जा सकती हैं तो ये इसकी कमेटी को परमिशन दे दें फिर हम इनसे कोई पैसा नहीं लेंगे। चूंकि यह पैसा सेन्ट्रल गवर्नमैंट ने दे रखा है इसलिए जब तक वह पैसा पूरा खर्च नहीं होगा हमें और पैसा नहीं मिलेगा। हमें ये दुकानों वाला पैसा दिला दें, हम सड़क बनाने के लिए उसे खर्च कर लेंगे।

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, हमें भारत सरकार से I.D.S.M.T. योजना के तहत जो पैसा मिलता है वह सड़क बनाने और रवैन्यू अर्न करने के लिए मिलता है। इस पैसे से ये दुकानें आदि बना कर आमदनी हो सकती है। जो यह सड़क बनाने की बात कह रहे हैं, इसे अब बनवा दिया जायेगा।

श्री अध्यक्ष : दादरी शहर भूपेन्द्र सिंह, सतपाल सांगवान और मेरा यानि सभी का सांझा है। इसलिए मेरा भी आपसे अनुरोध है कि पब्लिक इन्ट्रेस्ट में इस बेहद खराब सड़क को ठीक करवा दिया जाये और जो प्रार्थना सांगवान साहब ने की है उसे स्वीकार कर लिया जाये।

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, आपके आदेश पर पूरी तरह से अमल किया जायेगा और सांगवान साहब की प्रार्थना भी स्वीकार कर ली गई है।

Repair of Road from Jalmahal to Polytechnic College

***866. Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister of State for Horticulture & Marketing be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct/repair the road from Jalmahal to the gate of the Polytechnic college via old mandi in Narnaul City ?

बागवानी तथा विपणन राज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक) : अभी इस सड़क का निर्माण/मरम्मत सरकार के विचाराधीन नहीं है।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय की जानकारी के लिए यह बताना चाहूंगा कि पोलिटैक्निक कॉलेज का जो पिछला गेट है वहां से पुरानी मण्डी का रास्ता पूरा टूटा-फूटा पड़ा है। नारनौल मण्डी में फसल लाने के लिए वह रास्ता सबसे ज्यादा काम में आता है। हमारे आदरणीय शिक्षा मन्त्री जब भी उधर जाते हैं तो उसी रास्ते से जाते हैं। वहां पर करीब 20 दिन पहले एक ऊंट सीवर के खोदे हुए गढ्ढे में गिर गया था और अब वह ऊंट पूरे का पूरा उस में फिट हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इस सड़क को कब तक बनवा दिया जाएगा ?

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस सड़क की मरम्मत का कार्य मार्किटिंग बोर्ड ने 1992 तथा 1995 में किया था। इस सड़क की मरम्मत के लिए डिस्ट्रिक्ट मार्किट कमेटी की रिकमैंडेशन आयी है लेकिन अभी तक इसकी रिकमैंडेशन बोर्ड के पास नहीं आई है। कमेटी की रिपोर्ट आने पर इस पर तुरन्त विचार करके कार्यवाही की जाएगी।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी जब भी प्रिवैन्सिज़ कमेटी में जाते हैं तब-तब मैंने इनके सामने इस सड़क के बनाने के बारे में रिक्वैस्ट की है। वहां पर सीवर के गढ्ढे 10-10 फुट गहरे खुदे हुए हैं। जैसा अभी मैंने उल्लेख भी किया है कि एक ऊंट वहां पर एक गढ्ढे में गिर गया था और इसमें पूरा सैट हो गया था। ए०डी०सी० और एस०डी०एम० ने लेबर लगवा कर चारों तरफ से जमीन खुदवा कर उस ऊंट को निकलवाया था लेकिन सीवर के ये गढ्ढे अभी तक भरे नहीं गए हैं इसलिए मैं माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इस काम को कब तक करवा दिया जाएगा ?

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी के रिश्तेदार का ऊंट जिस सड़क के सीवर में गिर गया था, उसको बनाने का काम म्यूनिसिपल कमेटी का है। जो काम म्युनिसिपल कमेटी का है वह

तो उसे ही करवाना है, मार्किट कमेटी में तो इनकी मरम्मत का प्रोविज़न है इसी लिए कमेटी गठित की गई है। जिस सड़क का ज़िक्र माननीय साथी ने किया है वह सड़क पुरानी मण्डी में से हो कर जाती है लेकिन अब वहां पर कोई मण्डी नहीं है बल्कि वहां पर आबादी है और वहां पर किसी प्रकार का कोई कारोबार नहीं होता है।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री जी की जानकारी के लिए यह बताना चाहूंगा कि सबसे पहले मण्डी वहीं पर बनी थी और वहां पर 3 हज़ार के करीब घर हैं पता नहीं मन्त्री जी कहां से रिपोर्ट लाए हैं, नई मण्डी तो अभी बनने के बाद शुरु हुई है।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी यह बताया था कि वहां पर कोई कारोबार नहीं होता और वह सड़क आबादी की सड़क है और इसको बनाने का काम बेसिकली पी०डब्ल्यू०डी० या म्यूनिसिपल कमेटी ही करवायेगी।

श्री ओम प्रकाश जैन : अध्यक्ष महोदय, पानीपत मण्डी से गोहाना को जो रोड जाता है उसको पार करने के लिए रेलवे लाईन पर दो फाटक लगने थे। वहां पर एक मेन फाटक तो लग गया लेकिन दूसरा फाटक अभी लगना है जो कि मार्किटिंग बोर्ड ने लगाना है और उसके लिए 18 लाख रुपये गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया को जमा करवाए गए हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि क्या भारत सरकार से वह मन्जूरी आ गई है क्योंकि मेन फाटक तो लग गया है लेकिन क्या वहां पर छोटा फाटक लगेगा या नहीं लगेगा ?

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, ये इसके लिए सैपरेट प्रश्न दे दें। लेकिन साथ ही मैं इनको यह भी बताना चाहूंगा कि यह मामला सैन्ट्रल गवर्नमैंट से जुड़ा हुआ है। फिर भी अगर मेरे साथी को इस बारे में इन्फर्मेशन की जरूरत हो तो हम इनको अगले सप्ताह तक दे देंगे।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, अभी जो जैन साहब ने सवाल पूछा था उस बारे में मेरी भी आपके माध्यम से मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि उस रेलवे फाटक को जल्दी से जल्दी वहां पर लगवाएं ताकि जल्दी से जल्दी लोगों की दिक्कतें दूर हो जाएं।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में हम इनकी भावनाओं की कद्र करते हैं। इनकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस बारे में कार्यवाही की जाएगी।

Assessment of House Tax

***857. Shri Anil Vij :** Will the Minister for Local Government be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to rationalize the House Tax Assessment in the State ?

स्थानीय शासन मंत्री (डा० कमला वर्मा) : हां, श्रीमान जी।

श्री अनिल विज़ : अध्यक्ष महोदय, आपको भी विदित होगा कि प्रदेश की नगरपालिकाएं काफी वित्तीय संकट से गुजर रही हैं। अगर इनकी आय के स्रोतों को और अधिक बढ़ाने की तरफ नहीं सोचा गया तो हमारे शहर सुलम बन जाएंगे। इस बारे में अनेक उपाय किए जा सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह जो हाउस टैक्स की असैसमैंट है इसमें जो मौजूदा कार्य प्रणाली है उसमें काफी धांधली की जाती है।

[श्री अनिल विज]

उसमें कितना हाउस टैक्स हो, यह स्टाफ निर्धारित करता है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि अगर किसी एरिया में एक घर में एक हजार रुपये का टैक्स है तो उसके साथ लगते हुए घर में 100/- रुपए ही टैक्स के लगते हैं। मंत्री जी ने इस बारे में उत्तर हां में दिया है लेकिन मैं इनसे यह पूछना चाहूंगा कि क्या इसके लिए कोई कंक्रीट फार्मूला बना है अगर बना है तो उसको प्रदेश में कब तक लागू कर देंगे ताकि सभी पर एक जैसा ही हाउस टैक्स लग सके ?

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अनिल विज़ जी को बताना चाहूंगी कि यह असैसमैंट 5 साल में एक बार ही की जाती है। इसके नियम म्युनिसिपल कमेटी के माध्यम से बने हुए हैं। यह जो हाउस टैक्स लगाया जाता है वह मकान की बिल्डिंग को देखकर लगाया जाता है यह टैक्स मकान के किराये को तय करके 10 परसैंट लगाया जाता है। टैक्स लगाने के बाद मकान मालिक को नोटिस दिया जाता है और वह उसके लिए तीस दिन में अपील कर सकता है। अगर कोई टैक्स समय पर दे देता है तो हम उसको उस टैक्स पर 20 प्रतिशत रिबेट भी देते हैं। इसके अलावा अगर मकान मालिक को लगे कि उसका किराया ठीक असैस नहीं किया गया है तो वह 30 दिन के अन्दर अपील कर सकता है। अपील करने के लिए कमेटी बनी हुई है। जब कोई अपील करता है तो कमेटी के सदस्य पुनर्विचार कर दोबारा से असैस करने का अधिकार रखते हैं उसके बाद नोटिस बोर्ड पर नोटिस लग जाता है तथा मकान मालिक उसको देख सकता है। इस पर भी उस मकान मालिक की तसल्ली न हो तो वह डी०सी० को अपनी अपील कर सकता है और डी०सी० के फैसले के बाद भी उसकी तसल्ली न हो तो वह अपनी डायरैक्टर, लोकल बौडीज को कर सकता है और डायरैक्टर इस मामले को देखता है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो फार्मूले वाली बात कही है तो मैं इनको बताना चाहूंगी कि सरकार को बने हुए अढ़ाई साल ही हुए हैं, और अब 11 मई को तीन साल हो जाएंगे। इसकी असैसमैंट पांच साल के बाद होती है। अब हमने नियम बना लिए हैं और उन पर विचार किया जा रहा है। नगरपालिका के कर्मचारी जिसकी भी ड्यूटी तय होगी, जरूर देखेगा कि मकान की लागत क्या है, उस एरिया की जनसंख्या क्या है, ज्यादा है कि कम है। वहां की बिल्डिंग को देखेंगे कि उस बिल्डिंग में ईंट लगी हुई है या कच्चा बना हुआ है। बिल्डिंग में मार्बल लगा हुआ है या वह आर०सी०सी० का बना है। जैसा उस मकान का स्ट्रक्चर बना हुआ होगा उस हिसाब से किराया तय कर हाउस टैक्स का निर्णय लिया जायेगा। इसके अलावा Purpose of Buildings को भी देखेंगे कि वह औद्योगिक है या व्यापारिक है या वह रहने के लिए बनायी गयी है। इन तीनों बातों का अंदाजा करके फिर हम उसके ऊपर हाउस टैक्स लगाएंगे और जो भी सुविधा या सहायता हम कर सकते हैं, वह करेंगे। यह ठीक है कि स्टाफ को भी ईमानदारी से काम करना चाहिए। इनकी यह बात भी ठीक है पिछली सरकारों के समय में यह अनियमितता होती रही है। लेकिन अब हमारी कोशिश होगी कि आम आदमी को अननैसेसरी हास न किया जाए तथा इसका सरलीकरण किया जाए और सरलीकरण के माध्यम से उनसे टैक्स लिया जाए। साथ ही हर नागरिक को भी यह सोचना चाहिए कि उसका मकान कितनी कीमत का है, या उसके मकान का किराया कितना आ सकता है और इसी के अनुसार हम उस पर हाउस टैक्स लगाने का यथासंभव प्रयास करेंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मेरी भी एक सबमिशन है। सर, हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमावली के नियम 52 के खंड (तीन) में यह प्रावधान है कि जिन सदस्यों के प्रश्न आज के लिए लगे हैं यदि वह सदस्य अनुपस्थित हों और किसी व्यक्ति को उसके द्वारा प्रश्न पूछने के लिए प्राधिकृत न किया गया हो तो अध्यक्ष, किसी भी सदस्य के

अनुरोध पर निदेश कर सकता है कि उसका उत्तर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत से उन प्रश्नों को यहां पर कोई भी सदस्य पूछ सकता है।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, जो मैम्बर्ज पहले से ही सस्पैंडिड हैं उनके प्रश्न नहीं पूछे जा सकते हैं।

श्री रामविलास शर्मा : सर, सस्पैंडिड मैम्बर्ज के तो नहीं पूछे जा सकते हैं लेकिन जो दूसरे मैम्बर्ज हैं और जो यहां पर उपस्थित नहीं हैं उनके प्रश्न तो आपकी इजाजत से पूछे जा सकते हैं। इस नियमावली के नियम 52 के खंड (तीन) में यह प्रावधान है कि "यदि पुकारे जाने पर कोई प्रश्न पूछा न जाए या जिस सदस्य के नाम पर प्रश्न हो, वह अनुपस्थित हो और किसी व्यक्ति को उसके द्वारा प्रश्न पूछने के लिए प्राधिकृत न किया गया हो, तो अध्यक्ष किसी भी सदस्य के अनुरोध पर निदेश कर सकता है कि उसका उत्तर दिया जाए।"

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार का नगरपालिकाओं की सीमा बढ़ाने का कोई विचार है तथा जिन नगरपालिकाओं की आमदनी कम है क्या उनको खत्म करने की सरकार की कोई योजना है ?

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, अगर कोई एरिया म्यूनिसिपल एरिया के अंदर आता है और यदि वहां के लोग अपने मकानों के नक्शे पास करवाकर डिवैल्पमैन्टल चार्जिज देने के लिए तैयार हैं तो हम उनको नगरपालिका की सीमा के अंदर ले आएंगे लेकिन पहले वे धन जमा कराएं। इसके अलावा इनके दूसरे सवाल के बारे में मैं इनको बताना चाहूंगी कि हमने यह विचार किया है कि जिन जिन कमेटीज की आमदनी कम है वहां के पार्षदों को, वहां के रहने वाले लोगों को और वहां के चुने हुए विधायकों को, यानी सबकी सहमति लेने के बाद यदि वे कह देंगे कि हमारी नगरपालिकाएं तोड़ दी जाएं तो हम तोड़ देंगे।

श्री अध्यक्ष : अभी जैसा राम विलास जी ने कहा था तो मैं सदन को बताना चाहूंगा कि जो माननीय सदस्य सस्पैंडिड हैं उनके क्वैश्चन तो पूछे नहीं जा सकते हैं लेकिन जो दूसरे सदस्यों के क्वैश्चन हैं यदि उन्होंने अपने क्वैश्चंज के बारे में लिखकर दिया हो या किसी दूसरे सदस्य को इनके पूछने के बारे में अथोराइज किया हो तब तो वह क्वैश्चन चेयर की परमिशन से पूछा जा सकता है। लेकिन उन्होंने किसी को ऐसा करने के लिए अथोराइज नहीं किया है।

श्री जगदीश नेयर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया को बताना चाहूंगा कि मेरे हल्के में दो नगरपालिकाएं हैं यानी हसनपुर और होडल की हैं। हमारी सरकार को बने हुए तीन साल होने को हैं लेकिन मेरे हल्के की इन नगरपालिकाओं को थोड़ी सी भी ग्रांट नहीं दी गयी है जबकि मैं मंत्री महोदया से इस बारे में तीन-तीन बार मिल चुका हूं। इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के की इन नगरपालिकाओं को ग्रांट देने से अब तक क्यों उपेक्षित किया गया है इसका क्या कारण है और किन-किन तरीकों से इनका महकमा नगरपालिकाओं को ग्रांट देता है, यह भी बताने का कष्ट करें ?

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न तो सैपरेट है और इस प्रश्न से संबंधित नहीं है क्योंकि इन्होंने दो विशेष नगरपालिकाओं के बारे में पूछा है।

श्री अध्यक्ष : लेकिन नेयर साहब ने तो आपसे निवेदन किया है।

डा० कमला वर्मा : नेयर साहब, आपने कौन-कौन सी नगरपालिकाओं का नाम लिया है ? कृपया दोबारा से बताएंगे ?

श्री अध्यक्ष : नेयर साहब, आप अपना क्वैश्चन दोहरा दें।

श्री जगदीश नेयर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बहन कमला वर्मा जी से पूछना चाहूंगा कि मेरे हल्के की दो नगरपालिकाएं होडल और हसनपुर हैं और इनके बारे में मैंने बहन जी से 3 बार प्रार्थना की थी कि मेरे हसनपुर और होडल की नगरपालिकाओं को किसी प्रकार की कोई ग्रांट नहीं दी गई है इसलिए उनको ग्रांट दी जानी चाहिए। होडल की हालत यह है कि वहां जाने में शर्म लगती है।

श्री अध्यक्ष : होडल हल्के के तो मंत्री भी हैं।

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, ग्रांट सब नगरपालिकाओं को यथासंभव भेजी जाती है। सबसे पहले स्लम्ज के बारे में जो ग्रांट भेजी है इनके हल्के में वह मैं बताती हूं। स्लम्ज के लिए होडल में 2 लाख 24 हजार रुपये की व हसनपुर में 32 हजार रुपये की ग्रांट भेजी है। इसी प्रकार से मैं डिवैल्पमैंट के बारे में बता सकती हूं। होडल में डिवैल्पमैंट के लिए पहली इंस्टालमैंट 4 लाख 24 हजार 100/- रुपये की भेजी और हसनपुर में 65600/- रुपये की भेजी।

श्री अध्यक्ष : बहन जी, नेयर साहब हसनपुर नगरपालिका के बारे में ज्यादा चिंतित हैं।

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, हसनपुर नगरपालिका को तीन लाख रुपये की सैन्ट्रल डिवैल्पमैंट ग्रांट भी दी गई है और होडल के लिए भी 6 लाख रुपये की ग्रांट दी गई है।

श्री जगदीश नेयर : अध्यक्ष महोदय, यह ग्रांट गई थी और इसके बारे में मुझे भी मालूम है लेकिन वह ग्रांट डी०सी०, फरीदाबाद से वापस चण्डीगढ़ आ गई। मैंने इस बारे में भी बहन जी को बताया था।

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, अब ये मुझे लिखकर दे दें मैं सारा पता कर लूंगी और साथ ही नेयर साहब से भी कहना चाहूंगी कि ये तो विधायक का कर्त्तव्य होता है कि वह पूरी जानकारी रखे। नगरपालिका में जाकर उसको सैक्रेट्री, ई०ओ० और एम०डी० से भी सम्पर्क रखना चाहिए और जानना चाहिए कि कितना पैसा आया है और इसे कहां-कहां खर्च किया जा रहा है क्योंकि विधायक भी उस नगरपालिका का ऐक्स आफिसियो मैंबर होता है।

श्री जगदीश नेयर : अध्यक्ष महोदय, पूरी जानकारी लेने के बाद ही मैंने यहां प्रश्न उठाया है। मैं बहन जी से मिला हूं और कई बार ग्रांट का जिक्र भी किया है वैसे अब मैं इस बारे में फिर मिल लूंगा।

डा० कमला वर्मा : ये मिलते तो रहते हैं पर इस विषय पर कभी चर्चा नहीं करते और न लिखित में कुछ पूछते हैं।

श्री अध्यक्ष : आपने कभी बहन जी को कहा नहीं है पहले आप इन्हें अलग से कहा करो फिर यहां कहा करो।

श्री जगदीश नेयर : अध्यक्ष महोदय, अगर ये कहने से ग्रांट देती हैं तो फिर मैं सबके सामने कह रहा हूं।

डा० कमला वर्मा : अब कह तो रहे हैं पर जो पिछली ग्रांट दी है उसकी चर्चा नहीं करते।

श्री चन्द्र भादिया : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहता हूं कि फरीदाबाद में जो अनअथोराइजड कालोनीज हैं उनको रैगुलेराइज करने के लिए क्या कोई प्रावधान रखा हुआ है ? इसके अलावा जैसे अनिल विज जी ने अपने हल्के के हाउस टैक्स के बारे में कहा इसी तरह फरीदाबाद के बारे में भी अखबारों में काफी चर्चा रही है। पिछली सरकार ने 10 गुणा हाउस टैक्स बढ़ाने का ऐक्ट लागू करने के लिए लिखा था। मैं जानना चाहता हूं कि हमारे फरीदाबाद में अन्य हल्कों की तरह टैक्स लगाया जाएगा या बढ़ाया जाएगा ?

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहती हूं कि हमने एक मीटिंग की थी जिसमें फरीदाबाद के डी०सी०, कार्पोरेशन के कमिश्नर और स्थानीय तीनों विधायक उसमें उपस्थित थे, उसमें जो विचार किया गया है उसी के मुताबिक अब टैक्स तय किया जायेगा। कुछ बातें ऐसी होती हैं कि जब तक वे कार्यान्वित न हों, मैं उन बातों का स्पष्टीकरण यहां पर नहीं दे सकती। जैसा कि माननीय सदस्य ने अन-अथोराइजड कालोनियों को रैगुलेराइज करने के बारे में पूछा है। अगर वे कालोनियां म्यूनिसिपल कमेटी की जमीन पर हैं और उनके डिवल्पमैंटल चार्जिज दे दिए गए हों, नक्शा पास करवा लिया हो यानी यदि ये सब शर्तें पूरी करते हैं तो उन कालोनियों को अथोराइजड करने का विचार किया जा सकता है। अन्यथा यदि कोई भी आदमी बाहर से आकर फरीदाबाद में किसी जगह पर झुग्गी-झोंपड़ी बना लेगा और थोड़े दिन बाद उसको पक्का कर लेगा तो ऐसी कलोनी को सरकार अथोराइज नहीं करेगी। जमीन की कीमत, नक्शा पास, और डिवैल्पमैंट चार्जिज वे अगर देते हैं तो उनकी कालोनी को अथोराइज कर दिया जायेगा।

श्री चन्द्र भादिया : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदया से पूछना चाहता हूं कि क्या जमीन की कीमत, नक्शा पास करवाने और डिवल्पमैंट चार्जिज देने के बाद उनकी कालोनी को अथोराइज कर दिया जायेगा ?

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, उसके बाद सरकार विचार कर सकती है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहता हूं कि यह जो हाउस असैसमैंट के बारे में नया फार्मूला सरकार बना रही है क्या वह भी कर्मचारियों के रहमोकरम पर छोड़ दिया जाएगा या कोई कंक्रीट फार्मूला बनाया जायेगा ? लोकेलिटी के हिसाब से या एरिया के हिसाब से यह फार्मूला बनाया जाना चाहिए। कोई भी काम जल्दी किया जाएगा या फिर कर्मचारियों पर छोड़ दिया जायेगा कि कर्मचारियों की मर्जी कि वे किस पर टैक्स लगायें या किस पर न लगायें ? जो फार्मूला बनाया है उसके बारे में अंतिम निर्णय कब तक ले लिया जायेगा ?

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, गृह कर के सरलीकरण के वास्ते एक समिति गठित की गई है जो इसके बारे में डिटेलज वर्क आऊट कर रही है उसके बाद ही कोई कार्यवाही की जायेगी। समिति की दो-तीन बैठकें करके हम दो तीन महीनों में यह निर्णय ले लेंगे।

श्री चन्द्र भादिया : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदया को बताना चाहता हूं कि फरीदाबाद में ही नगर निगम है और वहां पर जो अधिकारी हैं उनमें से सिर्फ कमिश्नर का ट्रांसफर ही सरकार कर सकती है लेकिन दूसरे जो अधिकारी हैं वे कई सालों से वहीं पर बैठे हुये हैं। उनका ट्रांसफर फरीदाबाद से बाहर नहीं होता। कभी कभी वे जरूर बल्लभगढ़ या ओल्ड फरीदाबाद में ट्रांसफर हो जाते हैं लेकिन फिर वापिस वहीं पर आ जाते हैं। जब फरीदाबाद के लोग अपनी समस्याओं को लेकर उन अधिकारियों के पास जाते हैं तो वे जनता की समस्याओं को सुधारने की तरफ कोई ध्यान नहीं देते। उनको पता है कि यहां पर

[श्री चन्द्र भाटिया]

हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। कमिश्नर साहब तो इनको वहीं पर कहीं बल्लभगढ़, ओल्ड फरीदाबाद या एन०आई०टी०, फरीदाबाद में ही ट्रांसफर कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार इस बारे में कुछ विचार कर रही है कि जो अधिकारी कई सालों से वहां बैठे हुये हैं उनका ट्रांसफर करके किसी और अधिकारी की वहां नियुक्ति करें ताकि वह जनता की समस्याओं का निदान कर सके।

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, पहले ऐसी समस्या नगर निगम में होती थी कि वहां के अधिकारियों का ट्रांसफर नहीं हो सकता था। लेकिन अब हम ने नियम बना दिया है कि नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों का ट्रांसफर हरियाणा में किसी भी नगर परिषद में हो सकता है।

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं सरकार का और मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं।

तारांकित प्रश्न संख्या 907

(इस समय माननीय सदस्य श्री नफे सिंह राठी चूंकि हाउस में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

तारांकित प्रश्न संख्या 900

(इस समय माननीय सदस्य श्री बलवीर सिंह चूंकि सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

तारांकित प्रश्न संख्या 914

(इस समय माननीय सदस्य श्री बलवन्त सिंह चूंकि सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

तारांकित प्रश्न संख्या 928

(इस समय माननीय सदस्य श्री रमेश कुमार चूंकि सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

तारांकित प्रश्न संख्या 950

(इस समय माननीय सदस्य श्री नरेन्द्र सिंह चूंकि सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

तारांकित प्रश्न संख्या 813

(इस समय माननीय सदस्य श्री देवराज दीवान चूंकि सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

तारांकित प्रश्न संख्या 976

(इस समय माननीय सदस्य श्री बन्ता राम चूंकि सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

Laying of Sewerage in Virat Nagar

***971. Shri Om Parkash Jain :** Will the Minister for Public Health be pleased to state the time by which the laying of Sewerage system in Virat Nagar of Panipat City will be started/completed ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) : पानीपत शहर के विराट नगर में सीवरेज प्रणाली बिछाने का कार्य इस कालोनी की जल वितरण योजना जो प्रगति में है, के पूर्ण होने पर विचार किया जायेगा।

श्री ओम प्रकाश जैन : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं तथा साथ ही साथ आपके माध्यम से उनसे पूछना भी चाहता हूं कि यह जल वितरण योजना जो प्रगति में है इसको कब तक पूरा कर देंगे तथा इसके बाद सीवरेज प्रणाली को कितने दिनों में पूरा कर देंगे ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जो जल वितरण योजना है, उसकी पाईप लाईन हम 6 लाख रुपए में बिछाने जा रहे हैं, वह दिसम्बर, 1999 तक पूरी हो जाएगी तथा ट्यूबवैल से पानी देने का कार्य अगले साल 31 मार्च तक शुरू हो जाएगा। उसके बाद सीवरेज की लाईन बिछाएंगे क्योंकि सीवरेज देने के लिए कम से कम सौ लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन होना चाहिए, इससे कम पानी से काम नहीं चल सकता।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, क्या बड़े-बड़े गांवों में सीवरेज सिस्टम लागू करने जा रहे हैं ? इन बड़े-बड़े गांवों में तो आपका ननिहाल भी है जहां पर सीवरेज सिस्टम का कार्य रुका पड़ा है। क्या अपने ननिहाल की तरफ भी आप ध्यान देंगे ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, ननिहाल की तरफ भी ध्यान देंगे तथा इससे भी बड़ा आपका गांव बौंद है, उसकी तरफ भी ध्यान देंगे। लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि इतने पैसे का प्रावधान नहीं है कि हर बड़े गांव में पानी का प्रावधान किया जाए और वहां पर सीवरेज की लाईन बिछाई जाए। यह तो असंभव सी बात है।

श्री अध्यक्ष : बापौड़ा गांव में तो है ? क्या उसको दुरूस्त करेंगे ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, वहां पर इतना पानी नहीं है जितने पानी की आवश्यकता है। जब वहां पर 100 लिटर पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन उपलब्ध हो जाएगा, उसके बाद इस सीवरेज की समस्या का समाधान करेंगे।

श्री जगदीश नेयर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि होडल और हसनपुर दो ऐसे कस्बे हैं, जहां पर आबादी दिनों-दिन बढ़ती ही चली जा रही है परन्तु वहां पर पानी की निकासी की समस्या है। मैं आपके माध्यम से जन स्वास्थ्य मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या हमारे इन शहरों की समस्या का कोई विकल्प ढूंढने की कोशिश करेंगे ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि होडल के लिए तो हम एक 5-6 करोड़ रुपए की बहुत बड़ी स्कीम मंजूर करने जा रहे हैं और इसके लिए जल्दी ही मुख्य मंत्री महोदय इसका नींव पत्थर भी लगाने वाले हैं, उस मौके पर श्री हर्ष कुमार और श्री जगदीश नेयर भी उपस्थित होंगे।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि मेरे हल्के में कई कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम बनी हुई हैं जिसके लिए टंकियां भी बनाई गई हैं जिनसे

[श्री विजेन्द्र सिंह कादयान]

कई गांवों में पानी की सप्लाई होती है। इस पानी की सप्लाई के लिए जो नालियां बनाई गई हैं, वे ढकी हुई नहीं हैं जिसकी वजह से लोग उन पर कपड़े धोते हैं, उन में मिट्टी वगैरह डाल देते हैं परिणामस्वरूप लोगों को बड़ी असुविधा होती है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या इन नालियों को कवर करने का कोई मामला सरकार के विचाराधीन है ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि जब इन नालियों में मिट्टी वगैरह आ जाती है, कूड़ा-कर्कट आ जाता है या कोई रूकावट आ जाती है तो इनको साफ करने में असुविधा होती है इसलिए इन को खुला रखना पड़ता है। हां, कहीं-कहीं जरूरत पड़ने पर इनको कवर भी किया गया है लेकिन पूरी की पूरी नालियों को कवर नहीं कर सकते हैं क्योंकि इनमें रूकावट वगैरह आने की स्थिति में इनकी सफाई में असुविधा होगी।

श्री विजेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही रिस्की मामला है, इसलिए सरकार को इसके लिए कुछ सोचना चाहिए। यदि खुली नालियों में कोई जहर डाल देगा तो सारा गांव मर जाएगा।

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, जहर तो कुंओं और तालाबों में भी डाला जा सकता है। कम से कम मेरे विधायक साथी को यह सोचना चाहिए कि वे अपने पड़ौसी गांव वालों को तो कह सकते हैं कि इन नालियों में कपड़े न धोएं, उन में मिट्टी व कूड़ा-कर्कट न डालें। इनको उन्हें समझाने की कोशिश तो जरूर करनी चाहिए।

श्री कपूर चंद शर्मा : अध्यक्ष महोदय, शाहबाद नगर में सीवरेज बिछाने का काम आज से 25 साल पहले किया गया था। यह काम 60 प्रतिशत हो गया है और 40 प्रतिशत अभी शेष रहता है। इस बारे में मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि वे इस काम को कब तक पूरा करवा देंगे ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं निर्धारित समय तो नहीं बता सकता कि यह काम कब तक पूरा होगा लेकिन इनको इतना आश्वासन जरूर देता हूं कि ज्यों-ज्यों पैसा आयेगा यह काम पूरा करवा दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, सीवरेज बिछाने का कार्य 82 या 84 शहरों व कस्बों में शुरू किया हुआ है जैसे ही पैसा आयेगा सभी जगह काम करवा दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आपको भी मालूम है कि हर शहर और कस्बे की आबादी बढ़ने के कारण वहां नई-नई कालोनियां कटने से यह काम पूरा नहीं होता लेकिन फिर भी हम यह काम जल्दी करवाने की कोशिश करेंगे।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि भिवानी में जो सीवरेज डाले थे वे सीवरेज ज्यादातर खराब ही रहते हैं। कई जगहों पर सीवरेज दब गए हैं। उन सीवरेज को ठीक करवाने के लिए मंत्री महोदय क्या कार्यवाही कर रहे हैं ?

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आपने इस बारे में मंत्री महोदय को कभी पहले भी कहा था या अभी कह रहे हैं ?

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, अभी एक महीने पहले मंत्री महोदय वहां पर कृष्णा कालोनी में जा रहे थे। उस समय वहां पर सिरसौधा गढ्ढा खोद रखा था। उस समय मैंने मंत्री महोदय को कहा था कि जो सीवरेज एक बार डाल दिया जाता है तो वह जल्दी ही खराब हो जाता है जिसके कारण उसको बार-बार खोदा जाता है। इससे सरकार का नुक्सान भी बहुत होता है। शायद इस बारे में मंत्री महोदय को भी मालूम है।

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, जब कोई ट्रक या भारी व्हीकल सीवरेज पर चढ़ जाता है तब सीवरेज दब जाता है और खराब भी हो जाता है। अगर इस तरह कोई सीवरेज खराब हुआ है तो हम उसको जल्दी ही ठीक करवा देंगे और आगे से ध्यान रखेंगे कि सीवरेज का काम अच्छी तरह से किया जाये।

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि ढाणी भाखड़ा के अंदर एक वाटर वर्क्स बना रखा है। उस वाटर वर्क्स का पानी माईनर के द्वारा गांवों में जाता है। अध्यक्ष महोदय, जब बरसात का मौसम होता है तब गांव का गंदा पानी और बरसात का पानी माईनर के अंदर चला जाता है जिससे पीने का पानी खराब हो जाता है। जब लोग इस पानी को पीते हैं तो बीमार हो जाते हैं। इस बारे में मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इस साल मई, जून और जुलाई के महीने में शुरू होने वाली बरसात से पहले उस माईनर में बरसात का पानी न जाये, इस बारे में मंत्री महोदय क्या कोई पग उठा रहे हैं ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, वह माईनर कौन सा है ?

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, उस माईनर का नाम इसरवाला है।

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, जिस ढाणी भाखड़ा वाटर वर्क्स की बात मेरे माननीय साथी कर रहे हैं वह तो अभी शुरू भी नहीं हुआ है। जहां तक माईनर में बरसात का पानी जाने का सवाल है, उस बारे में हम भी वहां की जनता से अनुरोध करेंगे तथा मेरे माननीय साथी भी लोगों से अनुरोध करें कि वे लोग बरसात के पानी को किसी दूसरी तरफ निकाल दें। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ मैं यह भी बताना चाहता हूं कि हम भी इस बारे में सोचेंगे कि गांव का गंदा पानी माईनर में न जाये।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, एक मथा वाटर वर्क्स आसनवास दुधिया में बना है और वहां से मेरे हल्के के दो गांवों को पानी आता है लेकिन इस वाटर वर्क्स के टैंक में एक दो दिन से ज्यादा पानी नहीं रुकता है। इस सम्बन्ध में मैंने पहले भी मंत्री जी से प्रार्थना की थी। अब मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इसके बारे में कोई एक्शन लिया गया है ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई शिकायत मेरे नोटिस में नहीं आई है। यदि विधायक जी नोटिस में ला दें तो उसकी जांच-पड़ताल भी करवा लेंगे और यदि किसी ने गड़बड़ की होगी तो उसके खिलाफ एक्शन भी लेंगे एवं इसकी मरम्मत का काम भी करवा देंगे। बाकी जो सीवरेज की बात है वह काम तो दादरी और लोहारू में हो चुका है।

श्री जगदीश नेयर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो वाटर वर्क्स बाढ़ अथवा सेम के कारण क्षतिग्रस्त हो गये थे, क्या उनको बनाने का कोई प्रावधान है ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, बाढ़ की वजह से जो भी वाटर वर्क्स क्षतिग्रस्त हो गये थे उनको ठीक करा दिया गया है फिर भी यदि कोई रह गया हो तो विधायक जी नोटिस में ला दें, उसे भी ठीक करा देंगे।

तारांकित प्रश्न सं० 937

(इस समय माननीय सदस्य श्री रामफल कुंडू सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

Tariff of Electricity

***981. Shri Kapoor Chand Sharma :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that the power tariff being charged @ Rs. 40/- per H.P. for supply of electricity to Agricultural Sector in Pehowa Sub-division and @ Rs. 50/- per H.P. is being charged in Thanesar Sub-division whereas the water table of both these areas is same; if so, the reasons thereof; and

(b) whether it is also a fact that if the payment of electricity bills is not made by due date then the Tariff of power is being charged @ of Rs. 65/- per H.P. instead of Rs. 50/- & some additional penality is also charged; if so, the reasons thereof ?

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) The erstwhile HSEB (now Haryana Vidyut Prasaran Nigam) introduced the slab system on 1-5-1998 based on block-wise average depth of tubewells as per the survey conducted by Department of Agriculture. The average depth of tubewells in Pehowa Block and Thanesar Block as per the survey and tarriff applicable in respect of Flat Rate tubewell and metered supply tubewell is as under :—

Name of Block	Average depth of tubewell (in ft.)	Normal tariff		Concessional tariff	
		Flat Rate	Metered tariff	Flat Rate	Metered tariff
Pehowa	150'-200'	Rs. 65/- per BHP per month	50 Paise per unit	Rs. 40/- per BHP per month	31 Paise per unit
Thanear	101'-150'	-do-	-do-	Rs. 50/- per BHP per month	38 Paise per unit

Since the average depth of tubewells in Pehowa & Thanesar Blocks is different, the differential tariff is being charged on that basis.

(b) The slab system of concessional tariff for agriculture tubewell introduced from 1-5-98 was to be subject to the conditions listed below :

(i) The outstanding electricity bills as stood on 30-4-98 would be paid in four quarterly instalments without delayed surcharge accrued from 1-1-94 to 30-4-98.

(ii) Regular and timely payment of both quarterly instalments of the arrears and the current electricity bills would be paid.

(iii) In case, the consumers failed to discharge their dues both current as well as instalment of arrears, concessional tariff based on slab system will not be available to them and they will have to pay normal tariff @ Rs. 65/- per B.H.P. per month (Flat rate)/50 paise per unit (Metered supply)

In case a consumer does not make timely payment of electricity bill, the consumer will also have to pay surcharge at the rate of 2% per month in addition to paying the bill at normal tariff.

Changes in Agriculture tariff over the years

(i) **In 1971,** the concession tariff for agriculture was introduced for the first time by **Shri Bansi Lal.**

(ii) **In 1982, Shri Bhajan Lal** increased the agriculture tariff from 20 paise to 25 paise per unit and the flat rate tariff from Rs. 16/- to Rs. 20/- per BHP.

(iii) **In 1988, Shri Devi Lal** raised the agriculture tariff from 25 paise to 30 paise per unit and the flat rate tariff from Rs. 20/- to Rs. 25/- per BHP.

(iv) **In 1992, Shri Bhajan Lal** raised agriculture tariff from 30 paise to 50 paise per unit and the per BHP tariff from rs. 25/- to Rs. 35/-.

(v) **In 1994, Shri Bhajan Lal** raised flat rate tariff from Rs. 35/- to Rs. 65/- per BHP.

(vi) **In 1998, Shri Bansi Lal** introduced the slab system for concessional tariff for tubewells in the whole of Haryana for the first time.

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भी मैं इस बारे में इनको बताना चाहता हूं। माननीय सदस्य ने पूछा है कि पेहवा उपमण्डल में कृषि क्षेत्र को बिजली की सप्लाई 40/- रुपये प्रति हार्स पावर की दर से तथा थानेसर उपमण्डल में 50/- रुपये प्रति हार्स पावर की दर से बिजली शुल्क दर वसूल की जा रही है जबकि इन दोनों क्षेत्रों में अन्तर्भौम जल स्तर/वाटर टेबल एक समान है। इस सम्बन्ध में, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि पेहवा और थानेसर दोनों उपमण्डलों में ट्यूबवैलों के पानी का स्तर अलग-अलग है यानी कि अन्तर्भौम जल स्तर एक समान नहीं है, इसीलिये दोनों उपमण्डलों से अलग-अलग बिजली शुल्क चार्ज किया जाता है। इन दोनों उपमण्डलों में ही रियायती टैरिफ लागू है। कृषि विभाग ने जो भी सर्वे हमें करके दिया है उसके मुताबिक 1-5-98 से रियायती दरें लागू की गई हैं। पेहवा ब्लाक में 40/- रुपये प्रति बी०एच०पी० प्रति माह है और जिनके मीटर हैं उनसे 31 पैसे प्रति बी०एच०पी० प्रति माह शुल्क चार्ज किया जाता है। पेहवा में ट्यूबवैल्ज की गहराई 150 से 200 फुट तक है जबकि थानेसर में ट्यूबवैल्ज की गहराई 101 से 150 फुट तक है, इसलिये थानेसर उपमण्डल में 50/- रुपये प्रति बी०एच०पी० प्रति माह बिजली शुल्क चार्ज किया जाता है और जिनके मीटर हैं उनसे 38 पैसे प्रति बी०एच०पी० प्रति माह शुल्क चार्ज किया जाता है।

[श्री अतर सिंह सैनी]

इसी प्रकार से माननीय सदस्य ने अपने सवाल के पार्ट "ख" में पूछा है कि यदि बिजली के बिलों की अदायगी देय तिथि को नहीं की जाती है तो बिजली शुल्क दर 50/- रुपये प्रति हार्स पावर की बजाय 65/- रुपये प्रति हार्स पावर की दर से तथा कुछ अतिरिक्त जुर्माना भी वसूल किया जाता है, यदि हां तो उसके क्या कारण हैं ? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यह बात ठीक है और इसका जवाब हां में है। जब रियायती दरें लागू की गई तो उसकी कुछ शर्तें भी लगाई गई थीं और एक स्लैब प्रणाली लागू गई थी। इस स्लैब प्रणाली की 1-5-98 से ही यह शर्त थी कि 30-4-98 तक जो बकाया राशि थी उसे चार त्रैमासिक किश्तों में यानी 1-1-94 से 30-4-98 तक का बकाया सरचार्ज के बिना ही लिया जायेगा और दूसरी शर्त यह थी कि बकाया की दोनों त्रैमासिक किश्तें तथा चालू बिजली के बिलों का नियमित तथा समय पर भुगतान किया जायेगा। यदि उपभोक्ता दोनों चालू तथा बकाया किश्तों के बिलों की किश्तें देने में असफल होता है तो उनको स्लैब प्रणाली पर रियायती टैरिफ उपलब्ध नहीं होगा। ऐसी स्थिति में उन पर सामान्य टैरिफ 65/- रुपए प्रति बी०एच०पी० प्रति माह की दर से तथा फलैट रेट 50 पैसे प्रति यूनिट/मीटर की सप्लाई के लिए देनी पड़ेगी। यदि उपभोक्ता बिजली का बिल समय पर भुगतान नहीं करता है तो सामान्य दर पर टैरिफ अदा करने के अलावा उपभोक्ता को 2 प्रतिशत प्रतिमास के हिसाब से सामान्य दर के अतिरिक्त सरचार्ज भी देना होगा। जो किसान बिजली के बिलों की अदायगी समय पर नहीं कर पाए उनको 28 फरवरी 1999 तक बिजली के बिल भरने की सुविधा दी गई है अब वे इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, कनुसैशनल टैरिफ की प्रणाली हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने 1971 में शुरू की थी। वर्ष 1982 में जब श्री भजन लाल मुख्य मंत्री थे उस समय उन्होंने कृषि टैरिफ को 20 पैसे से 25 पैसे प्रति यूनिट बढ़ा दिया और फलैट रेट/सामान्य दर/टैरिफ 16/- रुपए से 20/- रुपए प्रति बी०एच०पी० कर दिया। चौधरी बंसी लाल जी ने अब फिर हरियाणा प्रदेश की सत्ता सम्भाली है इन्होंने एक पैसा भी नहीं बढ़ाया है। अध्यक्ष महोदय, पहले 63 हजार किसानों को फायदा हुआ करता था लेकिन अब स्लैब प्रणाली सारे हरियाणा प्रदेश में लागू कर दी गई है जिससे 1.25 लाख किसानों को लाभ हो रहा है यानि पहले से दो गुणा किसानों को फायदा हुआ है।

श्री कपूर चन्द शर्मा : अध्यक्ष महोदय, पेहवा ब्लाक और शाहबाद ब्लाक में केवल 5 या 7 किलोमीटर का फासला है इसलिए इतने कम फासले में जमीन के नीचे के पानी के स्तर में कोई ज्यादा फर्क नहीं होता, बहुत कम फर्क होता है। इन दोनों ब्लाक्स में जमीन के नीचे का जल स्तर एक जैसा ही है फिर भी इन दोनों ब्लाक्स के किसानों से प्रति हार्स पावर के हिसाब से बिजली के अलग-अलग रेट लिए जा रहे हैं, यह उन किसानों के साथ अन्याय है। उन दोनों ब्लाक्स के किसानों को यह सुविधा एक समान मिलनी चाहिए। क्या सरकार इस बारे में विचार करेगी ?

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि इस तरह का प्रतिवेदन किसानों से हमें प्राप्त हुआ था जिसके बारे में सरकार ने हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के साथ विचार विमर्श किया और यह निर्णय लिया गया कि ब्लाक के हिसाब से सर्वे ठीक नहीं बैठता। जैसे माननीय सदस्य ने कहा ऐसी शिकायतें हमारे पास भी आई हैं तो उसको घटा कर हमने पटवार सर्कल पर कर दिया। पटवार सर्कल के हिसाब से कृषि विभाग से जो सर्वेक्षण हमारे पास आएगा उसको उसके मुताबिक लागू कर दिया जाएगा। हमने यह निर्णय लिया है। इस बात की 21-1-1999 को नई हिदायतें जारी कर दी गई हैं। जो टैरिफ की सुविधा है वह 1-5-1998 से दी जाएगी। किसी

उपभोक्ता ने अगर बिजली के फालतू पैसे जमा करवा दिए होंगे उनको अगले बिल में एडजैस्ट कर लिया जाएगा।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट इस बारे में सर्वे करता है वैद्य जी जिन गांवों की लिस्ट देंगे उन गांवों में नए सिरे से सर्वे करवा देंगे।

श्री कपूर चन्द शर्मा : स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी का इस बात के लिए धन्यवाद करता हूं।

श्री जगदीश नेयर : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में कुछ बहुत बड़े-बड़े गांव हैं और वे गांव हल्के में ही नहीं हमारे जिले में सबसे बड़े गांव हैं। खोड़ी, चांदक और राजुपुर आदि ये ऐसे गांव हैं जिनका भूमि के नीचे का जल स्तर बहुत नीचे जा चुका है। जब हम उन गांवों में जाते हैं तो लोग कहते हैं कि जब बिजली की रियायती स्लैब प्रणाली पूरे हरियाणा प्रदेश में लागू की जा रही है तो क्या यह हमारे गांवों में भी लागू की जाएगी ? मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वहां पर यह स्लैब प्रणाली लागू की जाएगी ?

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि माननीय सदस्य के पास जिस किसी गांव से ऐसी कोई शिकायत आती है तो वह हमारे पास भेज दें हम उसका दोबारा से सर्वे करवा देंगे।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, आप सर्वे निवेदन करने पर करवाएंगे या यह सरकार की पालिसी है कि सारे हरियाणा का सर्वे कराया जाएगा ?

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट ने तो सर्वे करवा लिया फिर भी अगर किसी को इस बारे में कोई शिकायत हो तो वहां का सर्वे हम दोबारा से करवा देंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : स्पीकर साहब, इस बारे में आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा के किसानों को बहुत बड़ी राहत दी है। बिजली के चार स्लैब बनाए हैं। हरियाणा प्रदेश में किसानों से कृषि के लिए बिजली का खर्चा हम 50 पैसे प्रति यूनिट लेते हैं जबकि बिजली की कौस्ट औफ जनरेशन 2 रुपए 88 पैसे प्रति यूनिट आती है। इस तरह हम किसानों को सबसिडी देते हुए उनको 50 पैसे यूनिट बिजली सप्लाई करते हैं। सरकार 50 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से जो बिजली किसानों को देती है उसमें भी हमने उनको राहत दी है। इसके लिए सरकार ने 4 स्लैब बना रखे हैं। जिनके ट्यूबवैल 500 फुट तक की गहराई पर हैं उनको हम 50 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली देते हैं। दूसरा स्लैब है कि जिनके ट्यूबवैल्ज 101 फुट से 150 फुट की गहराई तक लगे हैं उनसे हम 50 पैसे प्रति यूनिट बिजली के लेने की बजाये 38 पैसे प्रति यूनिट लेते हैं। तीसरे स्लैब के तहत जिनके ट्यूबवैल्ज 151 फुट से लेकर 200 फुट की गहराई तक हैं उनसे 31 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से लेते हैं। चौथे स्लैब के तहत यह है कि जिनके ट्यूबवैल्ज 201 फुट से लेकर इससे अधिक गहराई तक के हैं उनसे हम 23 पैसे प्रति यूनिट चार्ज करते हैं। इससे आप देख सकते हैं कि हमने कितनी राहत दी हुई है।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी ने मीटर के रेट बताए हैं। फलैट रेट प्रति हार्स पावर जो हम लेते हैं वे भी मैं आपको बता देता हूं। जिनके ट्यूबवैल 100 फुट की गहराई तक के हैं उनसे हम 50 रुपये प्रति हार्स पावर, जिनके ट्यूबवैल 150 से 200 फुट की गहराई तक के हैं उनसे 40/- रुपये प्रति हार्स पावर और जिनके ट्यूबवैल 200 फुट से अधिक गहराई पर लगे हैं उनसे हम 30/- रुपये प्रति हार्स पावर चार्ज करते हैं।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि जिन पटवार सर्कल का सर्वे हो गया है वहां पर यह छूट कब तक लागू कर दी जायेगी ?

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह छूट लागू कर दी गई है। इस संबंध में 21-1-99 को हिदायतें जारी कर दी गई हैं और ये हिदायतें 1-5-98 से लागू होंगी। अगर किसी ने ज्यादा पैसा जमा करा दिया है तो उसके अगले बिल में एडजैस्ट कर दिया जायेगा और इस प्रकार से सरकार की तरफ से उनको रिलीफ मिलेगा।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि 4 इन्स्टालमेंट की जो सुविधा दी गई है क्या यह उसमें शामिल होगा या नहीं ?

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, जिनके ड्यूज बाकी थे वे सभी इसमें कवर होंगे। जिनके सरचार्ज माफ किए गए हैं और अगर कोई नहीं दे पाया होगा तो उसकी तारीख बढ़ाकर फरवरी 99 कर दी गई है। वे अब भी दे सकते हैं।

श्री नृपेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, जैसा बिजली राज्य मंत्री महोदय ने बताया कि 28 फरवरी की तारीख निश्चित कर दी गई है, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जिन लोगों ने नवम्बर में अपनी प्रथम किश्त जमा करा दी, क्या उनको दूसरी किश्त के लिए अगले तीन महीने यानी फरवरी के बाद मई तक का समय मिलेगा। मैं यह भी जानना चाहता हूं कि जिन लोगों ने नवम्बर में बिल जमा करा दिए हैं उनकी दूसरी किश्त का समय फरवरी हो गया लेकिन उनके बिल अभी तक बिजली बोर्ड की तरफ से इशू नहीं किए गए।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, चाहे पहली किश्त हो या दूसरी किश्त ड्यू हो, दोनों किश्तें भरने की डेट 28 फरवरी 99 रखी है, चाहे किसी ने भरी है या न भरी है।

श्री नृपेन्द्र सिंह : मेरे दूसरे सवाल का जवाब नहीं आया। मैंने यह पूछा था कि जिन लोगों की फरवरी में दूसरी किश्त ड्यू है उनके बिल बिजली बोर्ड से अभी तक इशू नहीं हुए हैं।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, अगर बिल इशू नहीं किए गए हैं तो हम इसकी जांच करवा लेंगे। हमारी तरफ से 21-1-99 को हिदायतें जारी कर दी गई हैं। हम इसको और ज्यादा एडवर्टाईज कर देंगे। माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे भी लोगों को अधिक से अधिक इस बारे में जानकारी अपने अपने हल्के में जाकर बताएं।

श्री अध्यक्ष : आप इसकी वाईड पब्लिसिटी करा दें कि 28 फरवरी तक बिल जमा करा दें।

श्री अतर सिंह सैनी : ठीक है जी, हम वाईड पब्लिसिटी करवा देंगे। साथ ही मम्बरान साहब से भी निवेदन है कि वे अपने अपने हल्के में जाकर लोगों को इस बारे में जानकारी दे दें।

श्री जगदीश नैयर : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में जहां पर 100 फुट की गहराई से अधिक ट्यूबवैल्ज लगे हुए हैं और जिसकी सर्वे रिपोर्ट कृषि विभाग की तरफ से आ चुकी है वहां पर इसे कब से लागू किया जायेगा ?

श्री अतर सिंह सैनी : स्पीकर साहब, सरकार की तरफ से इसको लागू कर दिया गया है। इस संबंध में 21-1-99 को हिदायतें जारी कर दी गई हैं। फिर भी अगर माननीय सदस्य को कहीं का शक हो तो हमारे नोटिस में लायें, उसका दुबारा सर्वे करवा लेंगे।

Providing of Sewerage System in Ambala Cantt.

***858. Shri Anil Vij :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide sewerage system to the remaining part of the Ambala Cantt.; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) :

(क) जी हां,

(ख) शेष क्षेत्र की मल निकास योजना की लागत लगभग 5.50 करोड़ रुपये होगी तथा बड़ी सीवर लाईन सैनिक क्षेत्र में से गुजारने की स्वीकृति की आवश्यकता होगी। योजना को पूर्ण करने का समय निर्धारित करना थल सेना की स्वीकृति तथा धन राशि की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी के उत्तर में जो धनराशि की उपलब्धता वाला पार्ट है उस पर ही मैं अपना प्रश्न पूछना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि 1999-2000 के फाईनैंशियल ईयर में इस सीवरेज को डालने के लिए खर्च करने के लिए धन उपलब्ध करवा कर कार्य करवाने की कृपा करेंगे ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, पैसे की बात तो बाद में आएगी। लगभग साढ़े पांच करोड़ रुपये की रकम इस पर खर्च होगी। महेश नगर और दूसरे नगर तथा कालोनियों में सीवर डालने में सबसे बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि सीवरेज की लाईन मिलिट्री एरिया से जाएगी। मिलिट्री वाले जब तक उसकी मन्जूरी नहीं देते या जब तक उनके दिल्ली हैडक्वार्टर से मन्जूरी नहीं आ जाती है तब तक पैसा जमा करवाने की कोई विशेष जरूरत नहीं पड़ेगी।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अभी बताया है कि सीवरेज लाईन मिलिट्री एरिया से सब्जैक्ट टू अप्रूवल ऑफ दि आर्मी गुजारी जाएगी। मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि मिलिट्री एरिया से सीवरेज लाईन न निकालनी पड़े तो क्या इसका कोई आल्टरनेटिव निकाला जाएगा और वाटर टैंक बनाया जाएगा ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, जहां तक वाटर टैंक बनाने की बात है इस बारे में मैं इन्हें यह बताना चाहूंगा कि अम्बाला सदर का जो एरिया है वहां पर अम्बाला कैंट से पानी जाता था। अम्बाला सदर का एरिया सदर कमेटी को गया था और वहां पर पीने के पानी की दिक्कत थी वहां पर 24 ट्यूबवैल्ज़ लगवाए गए। अब 180 लिटर पानी उस एरिये को मिल रहा है जब कि 104 लिटर मिलना चाहिए। उसके बाद बड़ा टैंक बनाने का सवाल आता है। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला कैंट के चारों तरफ से मिलिट्री एरिया पड़ता है। इस काम के लिए 47 एकड़ जमीन मिलिट्री से लेनी है। 1992-93 से यह मामला चल रहा है। डिप्टी कमिश्नर, कमिश्नर और दूसरे ऑफिसर्ज़ समय-समय पर मिलिट्री ऑफिसर्ज़ से बातचीत करते रहे हैं लेकिन अभी तक वह मामला सिरे नहीं चढ़ सका है। मैं अपने साथी विधायक से

[श्री जगन्नाथ]
कहना चाहूंगा कि अगर कोई आल्ट्रनेटिव उनकी नज़र में है तो वे बताएं। (विघ्न) अगर माननीय साथी जगह बताएं तो वहां पर टैंक बनवा दिया जाएगा। जहां तक मिलिट्री एरिया से सीवरेज लाईन निकालने की परमिशन का सम्बन्ध है, हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन जो मिलिट्री द्वारा परमिशन दी जानी है उस पर हमारा कोई बस नहीं है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से यह जानकारी चाहूंगा कि जिस क्षेत्र में सीवरेज बिछी हुई है लोग अभी तक उसका फायदा नहीं उठा सके हैं क्या उन ब्रान्च लाईनों के काम के लिए इस बजट में प्रावधान किया गया है ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि बाकी एरिये में 25 किलोमीटर की लाईन है। वह बिछानी है।

श्री अनिल विज़ : अध्यक्ष महोदय, जो आल-रेडी चल रही है और लोग उससे कनैक्शन ले सकें तो उसमें ब्रांच लाईन डालने के लिए कहा है।

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी कोई इनकी जरूरत है तो हमें ये बता दें, हम उसको करवा देंगे।

श्री अनिल विज़ : अध्यक्ष महोदय, ये वहां पर पैसे का प्रावधान करवा दें।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब प्रश्न काल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्न का लिखित उत्तर

Baby Killer Kand of Bahadurgarh

11.00 बजे ***908. Shri Nafe Singh Rathee :** Will the Minister for Home be pleased to state whether the baby killer arrested by the police has confessed the murder of minor girls in Bahadurgarh City; if so, the number thereof ?

गृह मन्त्री (श्री मनी राम गोदारा) : जी हां, सतीश पुत्र बृज पाल निवासी नेताजी नगर, लाईन पार, बहादुरगढ़ जिसे दिनांक 20-11-98 को बहादुरगढ़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था, ज्यूडिशियल मैजिस्ट्रेट, बहादुरगढ़ के सामने बहादुरगढ़ शहर में 10 अव्यस्क लड़कियों की हत्या में शामिल होना कबूल कर चुका है।

सदस्यों को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार सम्बन्धी मामले पर चर्चा

श्री धर्मबीर गावा : स्पीकर साहब, कल भी हमने आपसे रिक्वैस्ट की थी कि जो मैम्बर्ज सदन से बाहर निकाले गए हैं उनको वापिस सदन में बुला लिया जाए। तब आपने प्रैस्टीज बना ली थी कि इस विषय में प्रश्न काल के बाद बात करेंगे। अब मैं फिर इस बारे में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, अगर सदन में विपक्ष नहीं होगा तो इसमें आपकी भी और हमारी भी शान नहीं है। अगर हम सदन में होंगे तो हम गवर्नमैंट से कुछ बात कर सकते हैं। अगर आप चाहें तो सदन सही ढंग से चल

सकता है और हम अपनी बातें भी गवर्नमैंट से मनवा सकते हैं। यहां पर कई मिनिस्टर साहेबान ने कह दिया कि वे चुने हुए नुमायंदे हैं तो मैं आपके माध्यम से उनको यह बताना चाहूंगा कि हम भी नोमिनेटिड नहीं है हमें भी जनता ने चुन कर भेजा है। अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी हाउस में हुआ है उस बारे में आप सोचें, स्टेट के लिए क्या क्या भलाई के काम हैं उस बारे में सोचें। अगर आप उनको सदन में बुला लेते हैं तो इससे स्टेट का भला हो सकता है। मैं आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि आप उन मैम्बर्ज को हाउस के अन्दर बुला लें ताकि हम सरकार से प्रश्न कर सकें और सरकार उसका जवाब दे सके। धन्यवाद।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब ने जो रिक्वैस्ट की है मैं भी आपसे वही रिक्वैस्ट करूंगा। मैं पिछले 10 सालों से इस सदन का मैम्बर हूं। अध्यक्ष महोदय, बजट सैशन एक अहम सैशन होता है। अगर सदन में विपक्ष के मैम्बर्ज न हों तो सदन का क्या फायदा ? अध्यक्ष महोदय, सदन के जो राईट्स हैं, जो जिम्मेदारियां हैं वे सब आपके जिम्मे हैं। आप हमारे राईट्स के कस्टोडियन हैं इसलिए हमारे राईट्स का आपने भी ध्यान रखना है। यह आपकी और लीडर आफ दि हाउस की जिम्मेवारी है कि अगर विपक्ष से कोई बात हो जाए तो आप उस बारे में विचार करें। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि विपक्ष के जिन भाईयों को हाउस से बाहर निकाला गया है उनको वापिस बुला लिया जाए। अगर आप उनको हाउस में वापस नहीं बुलाएंगे तो बिना डिबेट किए ही बजट पास हो जाएगा और यह एक इतिहास बन जाएगा कि बिना विपक्ष के बजट पास हो गया। मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप उन सबको हाउस में वापिस बुला लें और यह जो बजट है इस पर प्रोपर डिस्कशन हो। अध्यक्ष महोदय, सत्तापक्ष के सदस्य तो मंत्रियों को सैक्रेटेरियट में मिल लेते होंगे लेकिन हमें तो अपनी बात यहीं पर कहनी है। अध्यक्ष महोदय, बजट पर जो मुक्ताचीनी है और विपक्ष ने अपनी जो बात कहनी है वे यहीं पर खुलेतौर पर कह सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारी पार्टी का जो सबसे बड़ा रोष है वह यह है कि जब आपने रणदीप सुर्जेवाला को नेम कर दिया था तो वे सदन से बाहर जा रहे थे लेकिन उसके बाद उनके पीछे से पूरे सैशन से सस्पैंड करने का मोशन आपने पढ़ दिया। इसी बात को लेकर लोक दल ने भी विरोध किया है। मेरा आपसे निवेदन है कि उन सब भाईयों को हाउस में वापिस बुला लें ताकि वे भी बजट पर डिस्कशन में हिस्सा ले सकें।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो हम उसी दिन से आपसे प्रार्थना कर रहे हैं कि विपक्ष के सभी भाईयों को हाउस में वापिस बुला लिया जाए। बजट सैशन बहुत ही महत्वपूर्ण सैशन है। इस सदन में हर दल, हर मैम्बर अपने-अपने हल्के की बातों को प्रकट करना चाहता है और अगर वे अपने हल्के की बातें यहां पर नहीं कहेगा तो कहां पर कहेगा ? मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि उनको वापिस हाउस में बुला लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, क्वैश्चन ऑवर तभी सजता है जब क्वैश्चन पूछने वाले यहां बैठे हों, सप्लीमैंट्री करने वाले यहां बैठे हों इसलिए मैं आपसे रिक्वैस्ट करूंगी कि उनको वापस हाउस में बुला लिया जाए। कल भी हम आपसे इस बारे में रिक्वैस्ट करते रहे लेकिन कल आपने यह प्रैस्टीज बना रखी थी कि इससे क्वैशचन ऑवर डिस्टर्ब होता है। अध्यक्ष महोदय, लोकतंत्र में ऐसी शांति के कोई मायने नहीं हैं क्योंकि ऐसी शांति तो बुरे दिनों में ही होती है। जब कोई बोलता ही नहीं है या कोई सरकार की आलोचना ही नहीं करता है तो फिर क्या फायदा ? मैं आपसे अनुरोध करूंगी कि लोकतांत्रिक परम्पराओं को देखते हुए आप उनको वापस हाउस में बुला लें क्योंकि सदन, पक्ष और विपक्ष दोनों से मिलकर बनता है। उस दिन रणदीप सुर्जेवाला का कोई इतना बड़ा कसूर भी नहीं था कि उनको हाउस से बाहर चले जाने के लिए कहना पड़ा। उस दिन तो उसकी भाषा भी सब दिनों से नम्र ही थी लेकिन न जाने क्यों आपने फिर भी उसको नेम कर दिया। हमारा यह दायित्व है कि अगर हमारे एक साथी के साथ इस तरह की

[श्रीमती करतार देवी]
कोई बात हो तो हम उसके बारे में आपसे कहें इसलिए हमने आपसे उसके बारे में तो आग्रह करना ही था। यह हमारा अधिकार भी है कि हम अपनी बात आपके सामने रखें। आप हमारी बात को माने या न माने यह आप का अधिकार है। यह कोई अच्छी बात नहीं है कि सरकार ही सवाल करे और सरकार ही उसका उत्तर दे। यह तो इन्होंने कर लिया। लेकिन अब तो जीरो ऑवर है और कल यहां पर बजट पर चर्चा भी शुरू हो चुकी है आज इसका दूसरा दिन है। इस चर्चा में हमारे सभी दूसरे साथी भी पार्टीसिपेट करना चाहते हैं इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि इसको आप व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनाएं और लोकतंत्र की मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए उन सभी साथियों को सदन में वापस बुला लें जिनको आपने पूरे सैशन के लिए निलम्बित कर रखा है। यही मेरी आपसे प्रार्थना है।

श्री खुर्शीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथ जो भी हो रहा है वह आपको पता ही है। हुजूर, आपके बारे में जो बात कहनी थी वह तो कह ली और अब तो केवल दिल की ही बात रह गयी। सदन के हिसाब किताब को देखकर अगर आपने दिल से कोई फैसला करना है तब तो कुछ होगा वरना तो अब आपको समझाने की तो कोई बात रह नहीं गयी है या यहां पर कहने की तो कोई बात रह नहीं गयी है। इस सिचुएशन को देखकर मुझे तो यही याद आता है कि गालिब का कोई बहुत ही अजीज था उसने उसको बहुत ही समझाया लेकिन वह नहीं माना उसके बाद गालिब बिल्कुल उलझ गया था और उसने फिर यही कहा—"न समझे हैं न समझेंगे वो मेरे दिल की बात, या रब दे उनके दिल को जुबां और,"

स्पीकर सर, आप पहले अपने दिल से फैसला कर दीजिए जो आपका दिल मानता हो। मैं अब इस बारे में कुछ नहीं कहता।

श्री दिलू राम : अध्यक्ष महोदय, मैंने भी यही कहना है जो अभी खुर्शीद साहब ने कहा है। अध्यक्ष महोदय, मैंने तो एक टांग पर खड़े होकर आपके सामने अपने हाथ जोड़ लिए कि आप हमारे दूसरे साथियों को भी हाउस में बुला लें।

श्री अध्यक्ष : मैंने भी कल आपके सामने हाथ जोड़े थे और कहा था कि क्वेश्चन ऑवर को चलने दें तथा जीरो ऑवर में चाहे कितना ही बोल लेना लेकिन आपने मेरी बात नहीं मानी। यह ठीक है कि आपका बोलने का राईट है You are duly elected Hon'ble Member of this House. I am only to regulate it. मैंने कल भी सिर्फ आपसे यही कहा था कि आप पहले प्रश्न काल को चलने दें और अपनी बात जीरो ऑवर तथा उसके बाद बजट पर कह लेना। उस समय आप चाहें कितना ही बोल लेना लेकिन आपने मेरी बात को नहीं माना।

श्री दिलू राम : अध्यक्ष महोदय, आप हमारे कस्टोडियन हैं, इसलिए आप हमारे बारे में थोड़ी फ्राखदिली दिखाएं क्योंकि बड़प्पन उसी में होता है जिसका दिल भी बड़ा होता है और उसी व्यक्ति को बड़ा भी कहा जाता है। अगर इधर से कोई गलत बात भी हो गयी हो तो हम उसके लिये आपसे क्षमा मांगते हैं। हम चाहते हैं कि हाउस ठीक तरह से चले। हम भी बजट पर बोलना चाहते हैं और अपने हल्के की बात कहना चाहते हैं। इसलिए आप हमारे उन साथियों को भी यहां पर बुला लें। अगर आप हमारी प्रार्थना मान लेंगे तो आपकी बड़ी मेहरबानी होगी। धन्यवाद।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं भी आपसे यही अपील करना चाहता हूं कि आप एक ऐसा फैसला लीजिए जिससे हरियाणा की जनता में एक अच्छा संदेश जाए और जनता यह सोचे कि हरियाणा के स्पीकर ने उन सभी बातों को भूलाकर बहुत ही अच्छा फैसला किया है। आप सभी विपक्षी साथियों को यहां हाउस में बुला लें, यही अपील करने मैं यहां पर आया हूं।

श्री कुलदीप सिंह विश्नोई : अध्यक्ष महोदय, अन्य सदस्यों की तरह मैं भी आपसे यही अनुरोध करने आया हूं। इस महान सदन से मेरी यह पहली रिक्वैस्ट है और मुझे उम्मीद है कि आप मेरी पहली रिक्वैस्ट को नजरअंदाज नहीं करेंगे। यह जो अपोजीशन के बगैर सदन चल रहा है, यह सदन की गरिमा और मर्यादा के खिलाफ है। मेरी आपसे हाथ जोड़कर विनती है कि आप मेरी पहली रिक्वैस्ट को नजरअंदाज न करें।

श्री अध्यक्ष : चौधरी खुर्शीद अहमद, बहन करतार देवी, गाबा साहब और कैप्टन अजय सिंह इन सबका मेरे से ज्यादा पार्लियामैन्ट्री अनुभव है। आप सब जानते हैं कि जो सदस्य हाउस से गए हैं उन्हें वापस बुलाना मेरे बस की बात नहीं है। It is only the sweet-will of the House. यह तो आप लोगों का सदन का फैसला है। जहां तक मेरा संबंध है कल भी मैंने आपसे निवेदन किया था कि आप जीरो ऑवर में, बजट पर चाहे जितना मर्जी बोलें और मेरी आज भी आपसे हस्तबद्ध प्रार्थना है कि जीरो ऑवर में और बजट पर जितना मर्जी बोलें।

लोक निर्माण मंत्री (भवन एवं सड़कें) (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, अभी विपक्ष के माननीय सदस्यों ने जो सदन के सामने निष्कासित सदस्यों को वापस लाने की बात कही है। अध्यक्ष महोदय, यह फैसला बड़े भारी मन से लिया गया था। हमारी यह मंशा नहीं थी कि सम्मानित विपक्ष के सदस्य कार्यवाही में हिस्सा न लें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको भी मुबारिकबाद देता हूं कि आप विपक्ष के सभी सदस्यों को बोलने के लिए पूरा समय देते हैं। लेकिन जो ये सदन की कार्यवाही में मिलीभगत की कोशिश पिछले कई दिन से करते रहे हैं क्या वह ठीक थी ? हमने, हमारे साथी मंत्रियों ने और सदन के नेता मुख्यमंत्री जी ने कई दफा इनसे अनुरोध किया कि आप सकारात्मक रवैया यहां अपनाएं। अगर चर्चा में आपने हिस्सा लेना है आप लें, जो सुझाव देने हैं आप यहां पर दें। लेकिन अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि न इनके पास अच्छे सुझाव हैं न कोई ऐसा मुद्दा है जिसे ये सदन में रख सकें। इनकी एक बात समझ में नहीं आती। (विघ्न)

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, अगर इनका यही रवैया रहा अगर यही तरीका रहा कि जो कर दिया, सो कर दिया तो फिर यह जो सैशन है ऐसा अनडैमोक्रेटिक सैशन संसार में कहीं भी देखने को नहीं मिलेगा। हमने काफी नम्रता बरती है लेकिन हम स्वाभिमान भी रखते हैं। सदन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए हम यहां आए थे। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, यही तो दिक्कत है कि ये कुछ सुनना नहीं चाहते। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी खुर्शीद अहमद जी, आप आए आपका बड़प्पन। आप अपनी बात तो कह कर जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, बिहार में इनका समझौता लालू यादव के साथ है और हरियाणा में इनका समझौता ओम प्रकाश चौटाला के साथ है इनकी रोज संयुक्त मीटिंग होती हैं।

Mr. Speaker : No controversy please.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमने तो आज अखबारों में पढ़ा है कि इनकी संयुक्त मीटिंग होती है और उसके बाद ये यहां अपनी बातें कहते हैं। अध्यक्ष महोदय, इनको आपने सत्ता पक्ष से तीन गुना ज्यादा समय बोलने के लिए दिया है।

वाक आउट

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारे निलंबित सदस्यों को वापस नहीं बुलाते हैं तो हम ऐज ए प्रोटेस्ट सदन से बाकआउट करते हैं व रैस्ट ऑफ दि सिटिंग के लिए कार्यवाही का बहिष्कार करते हैं।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, अगर आप निलम्बित सदस्यों को वापस सदन में नहीं बुलाते हैं तो मैं भी इसके विरोध में वाक आउट करता हूं।

(इस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदन में उपस्थित सभी सदस्य (श्री धर्मवीर गावा को छोड़कर) तथा एक निर्दलीय सदस्य श्री देवराज दीवान, लोक निर्माण (भवन तथा सड़कें) मंत्री द्वारा उनके विरुद्ध की गई कतिपय टिप्पणियों तथा सदस्यों को निलम्बित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार न करने के विरुद्ध, विरोध के रूप में वाक-आउट कर गए)

सदस्यों को निलंबित करने के सदन के निर्णय पर पुनर्विचार सम्बन्धी मामले पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : गावा साहब, आप तो समझदार आदमी हैं आप अपनी बात कहिये।

श्री धर्मवीर गावा : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे सबमिशन यह है कि हम तो मामले को सुलझाने के लिए आये थे दलाल साहब से हम यह सुनने नहीं आये थे कि फलां सरकार ने यह सुझाव दिये या यह सरकार अच्छे सुझाव दे सकती है। About the use of this derogatory language, I am very sorry to say that ऐसा दूसरों के बारे में नहीं कहना चाहिये। यह नहीं होना चाहिए कि अगर आप ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे हैं तो आप ज्यादा श्याने हैं। दलाल साहब क्या इतने ज्यादा श्याने हैं कि बहन करतार देवी, चौधरी खुर्शीद अहमद जी, वीरपाल सिंह जी से ज्यादा अच्छे बोल सकते हैं ? हमारी कोशिश तो यह थी कि यह मामला सुलझ जाये। आप हमसे साफ कह देते कि आपको बोलने नहीं दिया जायेगा लेकिन ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये।

मुख्यमंत्री (श्री बंसीलाल) : अध्यक्ष महोदय, पिछली विधान सभा में हम और आप विपक्ष में बैठते थे अगर दूसरे विपक्ष के साथी वाक आउट करते थे तो हम, आप और रामविलास शर्मा जी की कोशिश होती थी कि हम सरकार को सुझाव दें और सुझाव दिया भी करते थे। उसी सरकार में गावा साहब मन्त्री थे। यह इसी सदन की बात है उस समय मुझे मेरे पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर भी तीन दिन तक समय नहीं दिया गया था और सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। उस समय की सरकार सदन में जब हमारे अन्य साथियों को सस्पैंड करती थी तो बाकी के सदस्य सदन में बैठे रह कर सदन में अपनी बात कहते थे। जो सदस्य सस्पैंड हो चुके, उनको छोड़कर विपक्ष के बाकी सदस्य तो अपने हल्के की बात कहें। ये साहेबान उन सदस्यों की बात कहने आये हैं या अपने हल्के की बात कहने आये हैं। ये माननीय सदस्य अपनी बात कहें इनको कौन रोकता है। इस विपक्ष के सदस्यों को पिछली बार सदन से सस्पैंड किया गया था लेकिन उस बात से इन्होंने कोई सबक नहीं सीखा। ये वहीं के वहीं खड़े हैं। अगर ये ठीक ढंग से बिहेव करते तो हम भी सोचते But they have forfeited their right to re-consider this matter गवर्नर साहब के अभिभाषण पर बोलने के लिए आपने विपक्ष को नौ घण्टे आठ मिनट का समय दिया और सत्ता पक्ष के सदस्यों को तीन घण्टे का समय दिया फिर भी हम कुछ नहीं बोले हमने सोचा ठीक है बजट पर जब चर्चा होगी उस वक्त बोल लेंगे। अध्यक्ष महोदय, आपने यह भी कह दिया था कि जो सदस्य बोलने के बगैर रह गये हैं उनको बजट पर चर्चा के समय बोलने दिया जायेगा। उसके बाद भी इनका वही रवैया है। कहां तक इनका रवैया बर्दाश्त किया जायेगा। पिछली

बार के सबक से कुछ सीखकर अगर ये इस बार सुधर जाते या कुछ सोच लेते तब कोई बात बनती लेकिन ये नये सिरे से भी वही काम कर रहे हैं। आप अब बुला लो फिर वही काम शुरू कर देंगे। इनको कोई फर्क नहीं पड़ता। चौधरी सम्पत सिंह जी को आपने 84 मिनट बोलने का समय दिया और कांग्रेस पार्टी के सदस्य चौधरी वीरेन्द्र सिंह को आपने 64 मिनट का बोलने का समय दिया। उस समय हमने तो कुछ नहीं कहा। अगर वे सदस्य बोलना चाहते थे तो और बोल लेते। अब बजट पर जो चर्चा हो रही है उस पर जितना चाहें बोल लें।

श्री धर्मवीर गावा : अध्यक्ष महोदय, हमें इस बात से इंकार नहीं है कि हमें बोलने का समय दिया। मुख्यमंत्री महोदय का हम से ज्यादा पोलिटिकल तजुर्बा है हमारे बुजुर्ग हैं उम्र में हमारे से बड़े हैं। लेकिन मैं एक बात बताना चाहता हूं कि गन्दगी को गन्दगी से नहीं धोया जाता गन्दगी को तो पानी से ही धोया जायेगा। मेरी तो आपसे रिक्वैस्ट है कि आप ऐसा काम कीजिये जिससे लोगों को यह महसूस हो कि ठीक हो रहा है। आप हर बार उसी बात को लेकर बैठ जाते हैं। मैं कंट्रोवर्सी में नहीं पड़ना चाहता इसलिए मेरी आपसे हाथ जोड़ कर प्रार्थना है कि आप जैसा उचित समझें वैसा ही करें।

श्री अध्यक्ष : गावा साहब, एक तो आपका इस बात के लिए मैं धन्यवाद करता हूं कि आप अपने साथियों सहित सदन में आए हैं। आपको सदन में बोलने का पूरा अधिकार है। (विघ्न) जैसे कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने अभी कहा कि पिछले समय में जब हमारा कोई सदस्य निलम्बित कर दिया जाता था तो भी हम बैठकर सदन की कार्यवाही सुनते थे। निलंबन के ऊपर रिक्वैस्ट करना ठीक बात नहीं है। मेरी आपसे तो यही प्रार्थना है तथा मैं आपका बड़प्पन भी समझूंगा कि आप जितने लोग आए हैं, आप सभी बजट में हिस्सा लें। बजट पर बोलने के लिए आपको पूरा समय दिया जाएगा। माननीय मुख्यमन्त्री जी ने आपको अप्रत्यक्ष रूप से आश्वासन भी दिया है कि उससे अच्छा रैप्पर्ट स्थापित होगा, आगे क्या होगा और क्या नहीं होगा, यह बात तो अलग है। लेकिन जहां तक सदस्यों के निलंबन की बात है, उनको वापस बुलाना मेरे वश की बात नहीं है। It depends upon the House. यह मेरा निर्णय नहीं है। I cannot do anything in this. मैं आपसे फिर अनुरोध करता हूं कि आप अपने साथियों को बुलाकर के बजट पर चर्चा में हिस्सा लें, कहीं ऐसा न हो कि यह बजट विपक्षहीन न रह जाए। (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री रामविलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, प्रजातंत्र की जो प्रणाली है, वह बड़ी श्रेष्ठ प्रणाली है क्योंकि उसमें डैलीब्रेशंज़ से सरकार चलती है तथा समस्याओं का समाधान विचारविमर्श से होता है। उस में विपक्ष की भूमिका बड़ी अहम होती है। किसी तरह से भी उसकी भूमिका कम महत्वपूर्ण नहीं होती है। अध्यक्ष महोदय, 11 मई, 1996 को यह सरकार चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में बनी थी तब से लेकर आज तक जितने भी विधान सभा के सत्र हुए हैं, उन का विवरण आपके पास है। चौथी योजना से हम इस महान् सदन के सदस्य हैं तथा जहां तक विपक्ष को बोलने के लिए समय देने की बात है, मेरे ख्याल से अढ़ाई साल के इस पीरियड में सबसे अधिक समय इन को बोलने के लिए मिला है। अध्यक्ष महोदय, गावा साहब इस सदन के एक वरिष्ठ सदस्य हैं। ये बड़ी संजीदगी से निवेदन करते हैं और एक बड़ी पार्टी का ये प्रतिनिधित्व भी करते हैं। कांग्रेस के मित्रों के स्वास्थ्य के लिए ये ''नई दोस्ती, न्यौता खाके'' ठीक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि जैसे कुछ बातें हम ने कांग्रेस से सीखी हैं, कुछ बातें इन को भी हम से सीखनी चाहिएं। हम ने पचास साल तक इस देश में विपक्ष की भूमिका निभाई है। आप जानते हैं किस तरह की कठिन परिस्थिति का विपक्ष को सामना करना पड़ता है। एक तलवार की पैनीधार पर चलने का यह काम होता है। (विघ्न) पहलवान और विधायक में बड़ा फर्क होता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब, मैं आपसे उम्मीद करूंगा कि आप इस बजट सैशन को सरस बनाने में मेरी मदद करेंगे तथा अपने साथियों को बुलाकर आज बजट की चर्चा में हिस्सा लेंगे।

श्री धर्मवीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, मैं इसके लिए पूरी कोशिश करूंगा। मैं इसीलिए तो बाहर जाना चाह रहा था, कि कहीं वे बाहर निकल न जाएं।

(इस समय श्री धर्मवीर गाबा अपने सदस्य साथियों को बुलाने हेतु सदन से चले गए)

श्री रामबिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इनकी लाचारी देखिए। ये इस सदन के एक वरिष्ठ सदस्य हैं। इनकी इंटेंशंज़ कुछ और है, वजह कुछ और है और इनकी अदायगी कुछ और ही है। यह सब इस महान् सदन के सामने हैं। आप भी इनको आग्रह कर रहे हैं, सदन के माननीय नेता भी आग्रह कर रहे हैं और हम सभी सदस्य भी आग्रह कर रहे हैं परंतु स्पीकर सर, इन लोगों की लाचारी देखिए, एक भ्रांति यात्रा हो रही है, वे लोग हाउस में नहीं आ रहे। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाईयों को डर है कि अगर वे यहां आयेंगे तो आप उनके खिलाफ डिसिप्लिनरी एक्शन लेंगे। अध्यक्ष महोदय, जो लोग इस महान् सदन में चुनकर आए हैं उनकी भी अपनी एक संवैधानिक जिम्मेवारी होती है, उसको इनको भी निभाना चाहिए। लेकिन मेरे विपक्ष के भाईयों को तो सत्ता के अलावा और कुछ नजर नहीं आता, उन्हें तो सिर्फ सत्ता चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई हमेशा नंबर बनाने में लगे रहते हैं। एक बात हमने कही थी India is not going to accept second East India Company उस बात का उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई यहां हाउस की वैल में आ जाते हैं और धरना देते हैं। ये यह सब इसलिए कर रहे हैं कि अखबार में आये कि विपक्ष के सदस्यों ने हाउस में धरना दिया और इनके नंबर जनता के सामने बन जायें। अध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी के विधायकों ने, संसद सदस्यों ने वर्षों तक विपक्ष की भूमिका बड़ी अच्छी तरह निभाई है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि हमारे विधायक या संसद सदस्य कभी हाउस की वैल में आ गये या माननीय अध्यक्ष महोदय की अवमानना की हो लेकिन मेरे विपक्ष के भाई ऐसा करने में बिल्कुल भी नहीं चूकते। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई कभी भी माननीय अध्यक्ष महोदय के खिलाफ शब्दों से बाण व्यंग करने से नहीं चूकते उन्हें सिर्फ कोई न कोई बहाना चाहिए। मेरे विपक्ष के भाई बात-बात पर हिंसा पर उतारू हो जाते हैं, इनका यह व्यवहार यह दर्शाता है कि ये भाई सिर्फ सत्ता के लिए ही राजनीति करते हैं।

ध्यानाकर्षण सूचना--

सिरसा जिले में पीलिया से हुई मौतों संबंधी

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received an adjournment motion given notice of by Shri Om Parkash Chautala and 4 other M.L.As. regarding the death due to spread of Jaundice in the district of Sirsa in Haryana. Hon'ble Members, as I announced in the House on 2nd February, 1999 that I have converted this adjournment motion into the Calling Attention and have admitted it for today. Shri Om Parkash Chautala may read his notice.

(Shri Om Parkash Chautala was not present in the House, therefore the notice was not read out.)

सदन की मेज पर रखे गए कागज-पत्र

Mr. Speaker : Now a Minister will lay the papers on the Table of the House.

Minister of State for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini) : Sir, I beg to lay on the Table—

The Mines and Geology Department Notification No. G.S.R. 11/ C.A. 67/57/S. 15/98, dated the 9th January, 1998 regarding the Punjab Minor Mineral Concession (Haryana First Amendment) Rules, 1998 as required under section 28(3) of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957.

The Mines and Geology Department Notification No. G.S.R. 148/ C.A. 67/57/S. 15/98, dated the 29th December, 1998 regarding the Punjab Minor Mineral Concession (Haryana Second Amendment) Rules. 1998 as required under section 28(3) of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957.

The Annual Statement of Accounts of the Housing Board Haryana for the year 1993-94 as required under sub-section (3) of Section 19-A of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971.

The Audit Reports of the Haryana Labour Welfare Board for the years 1994-95 to 1996-97 as required under section 19-A(3) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971.

The 24th Annual Report of the Haryana Seeds Development Corporation Limited for the year 1997-98 as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The Annual Report of the Haryana State Industrial Development Corporation Limited for the year 1997-98 as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1998 No. 1 (Revenue Receipts) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

वर्ष 1999-2000 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now General Discussion on Budget for the year 1999-2000 will be resumed. Now, Sh. Jagdish Nayar may please speak.

श्री जगदीश नैयर (हसनपुर, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं कर रहित बजट के लिए श्री चरण दास शोरेवाला जी को बधाई देता हूं। यह जो उन्होंने हमारी स्टेट के लिए बजट पेश किया है वह बहुत ही सराहनीय है। इसके साथ-साथ मैं चौधरी बंसी लाल जी को भी धन्यवाद देता हूं

[श्री जगदीश नैयर]

कि उनकी सरकार ने एक बहुत ही अच्छा बजट हरियाणा की जनता के लिए प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, जो बजट वित्त मंत्री महोदय ने प्रस्तुत किया है इससे किसी भी वर्ग की जनता को तकलीफ नहीं होगी। इस बजट से किसान, व्यापारी और उद्योग यानी हर क्षेत्र में उन्नति होगी क्योंकि जो बजट वित्त मंत्री महोदय ने प्रस्तुत किया है वह एक कर रहित बजट है। अध्यक्ष महोदय, इस साल के बजट में माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने बड़ा ही लचीलापन दिखाया है। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप जानते हैं हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है। **(इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)** इस बजट में इस प्रदेश के किसानों के हित का जो जिक्र हुआ है उसके बारे में, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का दिल से स्वागत करता हूं और उनका धन्यवाद करता हूं। हमारे विपक्ष के साथी तीन दिन पहले सदन में हंगामा कर रहे थे कि हम किसानों के शुभ चिन्तक हैं। लेकिन आज हरियाणा का किसान और हरियाणा की जनता इतनी जागरूक हो चुकी है कि वह इनको पहचान चुकी है। ये सफेद डाकू हैं इसलिए वह इन से दूर रहना चाहती है। उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने हरियाणा की जो दशा की है, वह आज देखी नहीं जाती। मेरा जिस समय जन्म भी नहीं हुआ था तब के सीनियर माननीय सदस्यगण यहां सदन में बैठे हुए हैं। आपको याद होगा कि हरियाणा को एक भूड़ स्टेट कहा जाता था, यहां पर रेत उड़ा करती थी और यहां बिजली नाम की कोई चीज ही नहीं थी। आज मुझे उन दिनों का इतिहास याद आता है जब सर्वप्रथम चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की सत्ता संभाली और इस हरियाणा का निर्माण किया। उपाध्यक्ष महोदय, जितने भी अच्छे काम हरियाणा प्रदेश में हुये, वे चौधरी बंसी लाल जी ने ही करवाये हैं और आज भी वे हमारी सरकार चला रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में कांग्रेस का राज भी रहा और श्री चौटाला जी की भी सरकार रही लेकिन वे विकास के काम नहीं करवा पाए। आदरणीय चौटाला जी के पिता चौधरी देवी लाल जी जो सैन्टर की सरकार में पहुंच गये थे ने भी कोई काम नहीं करवाया। जब वे दिल्ली की सरकार में पहुंच गये थे तो टैलीविजनों पर उनका फोटो आया करता था उस समय किसान उनका फोटो देखकर खुश होते थे कि अब हमारा नेता दिल्ली की सरकार में पहुंच चुका है, इसलिए अब हमारे हित के काम होंगे। उपाध्यक्ष महोदय, किसानों के साथ धोखा हुआ और किसानों की आत्माओं को मारा गया क्योंकि किसी ने भी उस वक्त उनका ख्याल नहीं किया। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी दिल्ली में जाकर केवल कुर्सी के इधर-ऊधर ही घूमते रहे। उन्होंने कोई कानून या नीतियां नहीं बनाई और न ही हरियाणा प्रदेश के हितों के प्रति उनको कोई चिन्ता हुई। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय श्री बंसी लाल जी ने बिजली के उत्पादन के लिये फरीदाबाद में इतना बड़ा काम किया है लेकिन विपक्ष का अखबार में एक बयान आया कि यह तो सैन्टर गवर्नमैन्ट का काम है। उपाध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश का बच्चा-बच्चा जानता है कि केन्द्र सरकार में पहुंचकर भी चौधरी देवी लाल ने हरियाणा प्रान्त के लिये क्या किया ? उन्होंने वहां जाकर केवल अपना तालमेल बढ़ाया और अपनी जानकारी बढ़ाई। उपाध्यक्ष महोदय, लोग कहते हैं कि वे तो भांग का नशा करते हैं। आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी इस बीच में अगर मुख्यमंत्री न बनते तो आज हरियाणा प्रदेश के नौजवानों, बुद्धिजीवियों, समझदार लोगों और भोले-भाले किसानों का इतना नुक्सान हो जाता कि आज हरियाणा 20 साल नहीं बल्कि 40 साल पीछे चला गया होता। उपाध्यक्ष महोदय, यहां किलकारी मारने से, शोर-शराबा मचाने से हरियाणा का विकास नहीं होता। विकास होता है नीतियां बनाने से, सुझाव लेने से और अच्छे कदम रखने से। अंत हरियाणा के विकास के लिये ये नीतियां चौधरी बंसी लाल जी ने बनाई हैं। हम सोच भी नहीं सकते थे कि बिजली कैसे आ जायेगी और आज जो हम इस हाउस में उजाले में बैठे हैं, यह चौधरी बंसी लाल जी की ही देन है। पिछले साल हम सोचते थे कि पूरी बिजली कैसे आ जायेगी जबकि जनसंख्या इतनी बढ़ती

जा रही है। पूरी बिजली का इंतजाम बड़ा मुश्किल होगा। लेकिन मैं आदरणीय बंसी लाल जी का आज धन्यवाद करता हूं कि वे नीतिवान व्यक्ति हैं, गुणवान व्यक्ति हैं, विद्वान हैं और एक आदर्श पुरुष हैं। इन्होंने इतनी बढ़िया नीति बनाई इतना बढ़िया रास्ता निकाला कि विदेशों से इंजीनियर्ज बुलाए और हरियाणा प्रदेश के लोगों के लिए बिजली का पूरा इन्तजाम कर दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हरियाणा प्रदेश के लोगों से भी कहना चाहता हूं और विपक्ष के साथियों से भी कहना चाहता हूं कि जिस दिन हरियाणा प्रदेश के अन्दर 24 घंटे बिजली मिलने लग जाएगी उस दिन ये लोग यह याद करने लग जाएंगे कि किसी नेता ने इनको कोई देन दी है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के लोग याद किया करेंगे कि हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने अपने प्रदेश के लोगों को 24 घंटे बिजली देने का वायदा पूरा किया है। मेरे विरोधी पक्ष के भाई तो केवल अपना नाम अखबारों में छपवाने के लिए यहां पर शोर मचाते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, कोई भी आदमी हमें यह उदाहरण दे दे कि ओम प्रकाश चौटाला ने अपने समय में इतनी नहरों की सफाई का काम किया था। क्या उन्होंने कोई बिजली का थर्मल पावर प्लांट लगाया था ? लेकिन हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा प्रदेश के अन्दर टूरिज्म का, बिजली का, नहरों का जाल बिछाया था। क्या कांग्रेस पार्टी वालों ने और ओम प्रकाश चौटाला ने यह काम किए थे? कोई भी आदमी इसका उदाहरण हमें दे। उपाध्यक्ष महोदय, अगर भगवान की दुआएं रही तो फरीदाबाद के 432 मैगावाट के गैस बेस्ड थर्मल पावर प्लांट से हमें मार्च या जून तक 24 घंटे बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों चौधरी भजन लाल जी हसनपुर में गए थे। उपाध्यक्ष महोदय, बड़े शर्म की बात है कि उनकी मीटिंग में केवल 800 आदमी आए थे और वे 800 आदमी भी इसलिए आए क्योंकि उनमें से काफी आदमी फरीदाबाद से किराए पर लाए गए थे। उपाध्यक्ष महोदय, आज कल कांग्रेस पार्टी के एक नये नेता हुड्डा साहब बने हुए हैं। वे पिछले दिनों होडल में गए थे उनकी मीटिंग में भीड़ दिखाने के लिए यू०पी० से झुग्गी झोंपड़ियों में रहने वाले हरिजन लोगों को लाया गया था क्योंकि यू०पी० होडल के निकट है। वहां के गरीब हरिजनों को उस समय टैम्पों में भर कर ले आए और भीड़ दिखा दी। उपाध्यक्ष महोदय, जो पब्लिक मीटिंग होती है वह वहां के लोकल आदमियों की होती है, लेकिन उस पब्लिक मीटिंग में वहां का एक भी लोकल आदमी नहीं था। इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, पिछली 21 तारीख को श्री ओम प्रकाश चौटाला हसनपुर में गए थे। अब तो उन्होंने जलसे करने छोड़ दिए हैं अब तो वे मीटिंग करते हैं और उस मीटिंग को वे कहते हैं कार्यकर्ता मीटिंग। वे कार्यकर्ता की मीटिंग करने के लिए हसनपुर गए थे। मैं अपने हल्के में दो चार उद्घाटन करके जब रैस्ट हाऊस में आया तो मुझे पता लगा कि श्री ओम प्रकाश चौटाला यहां पर आए हुए हैं। मैंने अपने किसी आदमी से पता किया कि इनकी मीटिंग में कितने आदमी आए थे तो उसने बताया कि आए होंगे कोई 8 या 7 आदमी लेकिन मुझे विश्वास नहीं हुआ और मैंने उस आदमी से कहा कि आप अच्छी तरह से पता करके मुझे बताएं कि उनकी मीटिंग में कितने आदमी आए थे तो उस आदमी ने मुझे विश्वास दिलाया कि जब श्री ओम प्रकाश चौटाला आए तो उनके साथ 8 या 7 आदमी ही थे और उन्होंने उन 8-7 आदमियों के साथ ही मीटिंग की थी। मेरे कहने का मतलब यह है कि आजकल इन लोगों का इतना स्तर गिर चुका है कि इनकी मीटिंग में 8-10 लोगों की ही संख्या होती है। उपाध्यक्ष महोदय, हाउस के अन्दर इस बात की विधायकों में चिन्ता थी कि जब हरियाणा प्रदेश के खजाने में पैसा नहीं है तो फिर आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी विकास के काम कैसे करेंगे और हरियाणा प्रदेश कैसे तरक्की कर पाएगा। लेकिन मुख्य मंत्री जी की कार्यशैली को देख कर हमें विश्वास हो चुका है कि हरियाणा प्रदेश डबल तरक्की कर रहा है और विकास के कार्य तीव्र गति के साथ हो रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज सब देख रहे हैं कि हथनी-कुण्ड बैराज बनाया जा रहा है और इसको हरियाणा के लोग भी

[श्री जगदीश नेयर]

वहां जा कर देख रहे हैं। यमुना नदी के पानी को रोक कर यह हथनी कुण्ड बैराज बनाया जाएगा। एक दिन चौधरी सम्पत सिंह ने कहा था कि हथनी कुण्ड बैराज बनाने से हरियाणा को कोई लाभ नहीं होगा। उपाध्यक्ष महोदय, हम सभी जानते हैं और हरियाणा के किसान भी जानते हैं कि उसके कम्पलीट होने पर क्या लाभ होगा। गवर्नर साहब के अभिभाषण में बताया गया है कि यमुना नदी के पानी को रोक कर हथनी कुण्ड बैराज में डालेंगे और उससे पूरे हरियाणा प्रदेश को फायदा होगा। मेवात के लोग जिनका कांग्रेस पार्टी वालों ने खून तक चूस लिया, वे बहुत भोले भाले हैं, वे बहुत गरीब आदमी हैं उन्होंने हमेशा कांग्रेस पार्टी का साथ दिया है लेकिन मेवात का किसान आज तक नहरी पानी से वंचित है। उपाध्यक्ष महोदय, आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा को सिंचाई की अनेक सुविधाएं दी हैं। चौधरी बंसी लाल जी ने ही हथनीकुण्ड बैराज को पूरा करवाने का बीड़ा उठाया हुआ है और हमें उम्मीद है कि यह जल्दी ही पूरा हो जायेगा जिससे हरियाणा को और अधिक पानी मिलने लगेगा। इसके लिए हमारी सरकार ने 22 करोड़ रुपये का प्रावधान किया हुआ है। अब इस से बहुत सारे एरिया सिंचित होंगे। मेरे हल्के में मेवात कैनाल निकाली गई है। मैं बताना चाहूंगा कि मेरे हल्के में आदरणीय मुख्य मंत्री जी के आदेश पर हमारे एक मंत्री श्री राजकुमार जी ने बहुत सारे उद्घाटन किए हैं। वहां पर इतने उद्घाटन आज तक नहीं हुए थे।

चौधरी बंसी लाल जी नई-नई टैक्नालॉजी हरियाणा प्रांत के लिए लेकर आये हैं जिसके तहत हमें अधिक से अधिक पानी मिलेगा। मैं अपने विपक्ष के साथियों से पूछना चाहूंगा कि इतना काम क्या कभी उनकी तरफ से किया गया था ? अगर उन्होंने कोई बिल्डिंग बनाई हो या और कुछ कार्य किया हो, वह हमें बताएं तो सही। उनके राज में तो लूटमार हुआ करती थी। वे लोग आज भी रात को सपने में सोचते हैं कि हम दिन में अपनी सरकार बना लेंगे। इनका अखबारों में रोज बयान आता है कि हम सरकार तोड़ देंगे। 7 दिन के अन्दर सरकार को तोड़ कर इनकी गद्दी ले लेंगे। मैं बताना चाहूंगा कि हरियाणा के लोगों ने नए आदमियों को चुन कर भेजा है। विधायकों ने बंसी लाल जी को सोच समझ कर मुख्यमंत्री चुना है। मैं यह चाहूंगा कि बंसी लाल जी का जो भी शिष्य है वह कोई मामूली आदमी नहीं है। हमारा कोई विधायक कहीं जाने वाला नहीं है। हमारी सरकार पूरे 5 साल चलेगी। भगवान् ने चाहा तो अगले 5 साल बाद भी हमारी सरकार आयेगी क्योंकि यह सरकार किसानों, गरीबों व हर तबके के लोगों के लिए काम कर रही है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं कृषि के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। हमारे प्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में बहुत अधिक उन्नति की है। हमारे वैज्ञानिकों ने अच्छे अच्छे बीजों का सर्जन किया है और अनेक प्रकार की आधुनिकतम नई-नई प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। बहुत सारे कृषि यंत्र बाहर से मंगवाये गए हैं ताकि किसानों को अधिक से अधिक कृषि से संबंधित जानकारी दी जा सके। हमारे विरोधी पक्ष के नेता किसानों को बहका रहे हैं और किसानों के हमदर्द बनने की कोशिश कर रहे हैं। कभी वे किसानों को उनके घरों पर जा कर बहकाते हैं तो कभी कहीं जाकर बहकाते हैं कि यह सरकार किसान विरोधी सरकार है। उपाध्यक्ष महोदय, किसान लोग 20 साल पहले से यह बात अपने दिमाग से निकाल चुके थे कि उनके हित की भी कोई सरकार आयेगी जो उनका भला कर सकेगी। यह बात सभी लोग अपने दिमाग से पूरी तरह से निकाल चुके थे। लेकिन हमारी सरकार ने गन्ने का रेट 95 रुपये प्रति क्विंटल किया है जो शायद हिन्दुस्तान में सबसे अधिक है। उपाध्यक्ष महोदय, ये अपोजीशन के भाई मेरे फरीदाबाद जिले में चुनावों के समय आया करते थे तो उस वक्त जलसों में और रैलियों में जाकर लोगों को बहकाया करते थे कि

हम यह करेंगे वह करेंगे। इन्होंने आज तक तो कभी कुछ नहीं किया। हमारी सरकार ने आगरा कैनाल के 11 रजबाहों का नियंत्रण अपने हाथ में लिया है। हमारे वहां पर पिछले 20 साल से किसान लोग भूल चुके थे कि हमारे जो रजबाहे हैं, उनमें कभी पानी भी आयेगा और क्या हम अपने खेतों की सिंचाई भी कर पायेंगे ? फरीदाबाद, इसनगढ़, पलवल, होडल और हथीन के लोग चौधरी बंसी लाल जी का इस आगरा कैनाल के पानी को लाने के लिए अहसान कभी नहीं भुला पायेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, जो पानी हमारे हल्के में आगरा नहर से आया है उसका हमारे किसानों को बहुत फायदा हुआ है। हमारी उस जमीन की पहले कभी सिंचाई नहीं हुआ करती थी लेकिन अब उसके साथ ही मेवात में भी सिंचाई होने लगी है। उपाध्यक्ष महोदय, एक बार हमने एक छोटा सा फंक्शन तुगलाना में किया था। वहां पर आदरणीय चौधरी कर्ण सिंह दलाल तथा भाई हर्ष कुमार जी भी आए थे। वहां पर एक जनसभा को हमने सम्बोधित किया था तथा लोगों को कहा था कि हम आपको जल्दी ही पानी उपलब्ध करवा देंगे लेकिन लोगों को विश्वास नहीं था। उस समय वहां पर यह घोषणा की गई थी कि दोबारा हम तभी आएंगे जब पानी उनको दे देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, भगवान की करनी हुई और आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने नहरों का काम जितने तूफान से उठाया है उससे आज मेवात के एरिया के लोगों को भी पानी मिलने लगा है। आज मैं वहां पर जाता हूं तो लोग कहते हैं कि आप बड़े सच्चे हैं तथा आपने जो वायदा किया था उसके अनुसार 2-3 महीने के अन्दर ही हमारे यहां के इलाके में पानी आ गया है। उपाध्यक्ष महोदय, बेचारे मेवात के लोगों को तो कोई पूछता ही नहीं था। केवल उनसे वोट ले ली और उस समय तो उनको थोड़ा खुश कर लिया लेकिन उसके बाद उनकी कोई परवाह नहीं किया करता था। लेकिन आज की सरकार से वहां के लोग बहुत खुश हैं कि उनको पूरा पानी मिल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने उद्योगों के क्षेत्र में जो उन्नति की है वह सराहनीय है। मैं आदरणीय मुख्य मन्त्री जी से एक प्रार्थना भी करना चाहूंगा और अपनी तरफ से सरकार को एक सलाह भी देना चाहूंगा। फरीदाबाद बहुत ही बड़ा और विकासशील जिला है जहां पर बहुत ज्यादा उद्योग लगे हुए हैं। हमारे फरीदाबाद में जो उद्योग लगे हुए हैं उनमें काम करने के लिए जो आदमी लगाए जाते हैं वह आमतौर पर हमारी स्टेट के नहीं लगाये जाते हैं। राजस्थान, यू०पी० और बिहार के लोगों को ही इन उद्योगों में लगाया जाता है। अगर सरकार अपनी यह सोच बना ले कि जो भी व्यक्ति इन उद्योगों में लगाना है चाहे वह क्लास फोर का कर्मचारी हो या टैक्नीकल हो तो वह हरियाणा से ही लगाया जाएगा या जो भी उद्योग यहां पर लगेंगे उनमें हरियाणा के आई०टी०आई० किए हुए लड़कों को लगाया जाएगा तो ज्यादा ठीक होगा। अगर ऐसा कानून सरकार बना दे तो हमारी बेरोजगारी की समस्या हल हो जाएगी और हमारे फरीदाबाद के लोगों के बच्चे ही अधिकतर इन उद्योगों में लग सकेंगे। इससे वहां के लोग और अधिक खुशहाल हो सकेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने स्वास्थ्य के लिए बहुत नये-नये कदम उठाए हैं। इस बारे में हमारी आदरणीय स्वास्थ्य मन्त्री जी ने काफी कुछ बताया भी है। इस बजट में स्वास्थ्य के लिए काफी पैसे का प्रावधान भी किया गया है लेकिन मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने यह बात लाना चाहूंगा कि इन्सान की तीन मूलभूत आवश्यकताएं हैं। मेरे दिमाग के अनुसार ऐजुकेशन, स्वास्थ्य और निवास आज के इन्सान के लिए एक समस्या बनी हुई है। यह किसी का कोई राजनैतिक मोटिव नहीं है। मैं कहना चाहूंगा कि स्वास्थ्य सबसे पहली मूलभूत आवश्यकता है जिस पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। सरकार को स्वास्थ्य के सम्बन्ध में कोई नया तरीका निकालना चाहिए। हम लोग आज जब भी किसी को देखने के लिए किसी अस्पताल में जाते हैं तो वहां पर होस्पीटल से इतनी सड़ांध और गंध आती है कि वहां जा कर स्वस्थ आदमी भी बीमार हो जाता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि इन अस्पतालों का सुधार किया जाए क्योंकि यह हमारी मूलभूत समस्या है। अगर हम इसमें

[श्री जगदीश नेयर]

सुधार करेंगे तो लोगों को ज्यादा सुविधा मिलेगी और हरियाणा प्रान्त के लोगों का स्वास्थ्य अच्छा होगा तथा हमारे प्रदेश की बहुत उन्नति और प्रगति भी होगी और हमारा प्रदेश और भी ज्यादा खुशहाल और प्रगतिशील होगा। उपाध्यक्ष महोदय, अस्पतालों में पानी की व्यवस्था नहीं है उसका भी प्रबन्ध होना चाहिए। अस्पतालों की गन्दगी पर तो विशेष ध्यान देना चाहिए। इस बारे में सरकार को कोई नई स्कीम बनानी चाहिए ताकि इन अस्पतालों में सुधार हो सके। यह मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है। उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष के भाईयों ने एक मुद्दा उठाया था कि यह सरकार गरीब भाईयों, एस०सीज० और बी०सीज० के लिए कुछ नहीं कर रही है। आज ये उनकी बात किस मुंह से करते हैं। अपने समय में ये लोग गरीब भाईयों के नाम पर वोट मांगते थे और सरकार बनाते थे। उनसे चुनाव से पहले वायदे किया करते थे कि हम आपके लिए यह करेंगे और वह करेंगे। लेकिन जब जीत कर आते थे तो उनके लिए कुछ नहीं करते थे। आज अगर उन लोगों की किसी ने सुनी है तो वह चौधरी बंसी लाल जी ने सुनी है। उपाध्यक्ष महोदय, जब से सृष्टि बनी है तब से गरीबों का शोषण होता रहा है अभी हरियाणा में पुलिस की भर्ती हुई तो मुख्य मंत्री जी ने एस०सीज० और बी०सीज० के लोगों को उनका हक दिया लेकिन जब पिछली सरकारों के वक्त भर्ती होती थी तो उस वक्त उनका हक दूसरों को दे दिया जाता था। उपाध्यक्ष महोदय, आज अगर असल में गरीबों का कोई हमदर्द है तो वे चौधरी बंसी लाल जी हैं। भजन लाल जी और चौटाला साहब गरीबों की बात तो करते हैं लेकिन इनके वक्त में जब किसी गरीब का पैसा जाता था तो वह उसके पास पूरा नहीं पहुंचता था। अगर एक रुपया उसके लिए जाता था तो उसके पास 25 पैसे ही पहुंचते थे जबकि आज ये गरीबों की बात करते हैं। आज हमारी सरकार के वक्त में उनका पूरा पैसा उनके पास पहुंचता है।

अब मैं समाज कल्याण विभाग के बारे में कहना चाहूंगा। हमारे समाज में कुछ ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनका कोई सहारा नहीं होता है, उनको सहारा देने का काम हमारी सरकार ने बंसी लाल जी के नेतृत्व में किया है। विकलांगों को सहायता देने और बुढ़ापा पैंशन देने का काम भी चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने ही किया है। इसके अलावा और भी बड़े कदम इस सरकार ने उठाए हैं। मैं मुख्यमंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि पिछड़े वर्ग के लोगों को और आगे लाया जाए, उनको और सहायता दी जाए। यह मेरा सरकार से विनम्र निवेदन है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण और बजट में खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा प्रावधान किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, पहले भी और आज भी हरियाणा की भूमि को वीरों की भूमि कहा जाता है। आज अगर किसी चीज की कमी है तो वह सोच की कमी है। आज हमें अपनी सोच के बारे में और संस्कृति के बारे में सोचना चाहिए। कर्ण सिंह दलाल जी ने कहा था कि जब हम बोलते हों तो हमें अपनी सोच और संस्कृति के हिसाब से बोलना चाहिए। हम इस सदन में मैम्बर बनकर आ गए इससे ही काम खत्म नहीं होता है। मेरी आपके द्वारा सरकार से और सभी मैम्बर्ज से प्रार्थना है कि हम यहां पर दिखावा करने नहीं आते हैं। हमें नीतियों पर ध्यान देना चाहिए और जिन भोले-भाले लोगों ने हमें चुनकर भेजा है उनका ध्यान रखना चाहिए। आज जो हमारे भोले-भाले किसान हैं, वे पैदावार बढ़ाकर हमारी समस्याओं को सुलझाते हैं। आज उन लोगों की वजह से ही देश चल रहा है इसलिए हमें उनकी तरफ ध्यान देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, पहले हमारे देश से दुनिया की राजनीति चला करती थी और बड़े-बड़े लोग बाहर से यहां पर राजनीति के उदाहरण लेने के लिए आते थे। मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि हमें आज अपनी संस्कृति को जीवित रखना चाहिए। मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने शहीदों के लिए एक छुट्टी रखी थी, उनको याद करने के लिए हरियाणा दिवस मनाया जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, यह हम सबका कर्तव्य है कि हम उन बुद्धिजीवी इंसानों की बातों को याद रखें जिन्होंने

इस देश के लिए अपनी कुर्बानियां दी हैं। मेरा सरकार से अनुरोध है कि हमारी संस्कृति को बचाए रखने के लिए इस पर गहन विचार-विमर्श होना चाहिए और सभी पार्टीज को यहां पर कोई एक ऐसा रेजोल्यूशन पास करके भारत सरकार को भेजना चाहिए कि आज जो हमारी संस्कृति में दिन प्रतिदिन गिरावट आती जा रही है उसको रोका जाए। आज लोग विदेशी संस्कृति के दिखावे में फसते चले जा रहे हैं इस कारण उनका पहनावा बदलता जा रहा है, खान पान बदलता चला जा रहा है और उनके चलने फिरने का ढंग बदलता जा रहा है इसलिए मैं चाहता हूं कि इन बातों को अवश्य कंट्रोल किया जाना चाहिए। आज हमारे लड़के-लड़कियां कहां जा रहे हैं ? अगर अपनी इस संस्कृति को नहीं बचाया गया तो फिर हमारा किसान कहां जाएगा, हमारी स्टेट कहां जाएगी और हमारा देश कहां जाएगा ? आज जो भोला-भाला किसान कमीज कुर्ता पहनकर अपना गुजारा करता है वह कहां जाएगा ? उपाध्यक्ष महोदय, समाज में कुछ तत्व ऐसे होते हैं जो ठीक नहीं होते हैं इसलिए इस तरह की बातों पर ध्यान दिया जाना बहुत जरूरी है। मेरी यह सब बातें राजनैतिक नहीं हैं बल्कि यह मेरे दिमाग की सोच है इसलिए अगर इन बातों पर कंट्रोल नहीं किया गया तो हमारे देश की मान मर्यादा इस दुनिया से चली जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, मैं खेल विभाग के बारे में बात कर रहा था। खेल एक कला है। पिछली सरकारों ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए कुछ नहीं किया। मेरा इस बारे में मुख्य मंत्री जी को एक सुझाव है। मुझे उम्मीद है कि वे इसको मानेंगे क्योंकि वे बहुत ही अच्छे आदमी हैं और अच्छी बातों को हमेशा मानते हैं। मेरा कहना है कि खिलाड़ियों का पूरा मान सम्मान दिया जाना चाहिए क्योंकि वे हमारी स्टेट का नाम विदेशों में ऊंचा करके आते हैं इसलिए उनको नौकरियों में रिजर्वेशन दी जानी चाहिए। खिलाड़ी अपने खेल के माध्यम से अपनी सारी जिंदगी ऐसे ही तालियों के बीच गुजार देता है लेकिन जब उसकी अवस्था आधी हो जाती है तो वह सोचता है कि अब वह अपने बच्चों का जीवन यापन कैसे करेगा। इसलिए सरकार से मेरा अनुरोध है कि खिलाड़ियों को नौकरियों में रिजर्वेशन देकर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वैसे तो सरकार इस दिशा में पहले से ही काफी अच्छे कदम उठा रही है लेकिन अभी भी इस बारे में काफी ध्यान देने की जरूरत है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं पशुपालन के बारे में भी कहना चाहूंगा। सरकार ने हालांकि इस क्षेत्र में काफी कदम उठाए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है। यहां पर अधिकतर किसान रहते हैं उनका मुख्य धंधा कृषि के साथ-साथ पशुपालन भी है। आज जब हम अपने गांवों में या अपने हल्के में जाते हैं तो देखते हैं कि वहां पर एक भैंस की कीमत दस या पन्द्रह हजार रुपये तक है लेकिन हमारा किसान दिन रात मेहनत करके भी इतना पैसा भैंस खरीदने के लिए जुटा नहीं पाता है वह जैसे तैसे करके अपनी फसल को बेचकर भैंस खरीद भी ले और वह बिमार हो कर मर न जाए, पशुओं की देखभाल के लिए गांवों में कोई भी वैटरनरी होस्पीटल नहीं होता है। मेरी मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि सरकार पशु पालन के लिए विशेष कदम उठाए और गांवों में वैटरनरी होस्पीटल्ज खोले जाएं। मेरे हल्के में एक वडोली गांव है जिसमें लगभग सात हजार वोट हैं यह एक गुज्जरों का गांव है वहां के लोगों का केवल पशु पालन का ही काम है क्योंकि वे कृषि के साथ ही पशु पालन का भी काम करते हैं। लेकिन इतने बड़े गांव में कोई वैटरनरी होस्पीटल नहीं है इसलिए सरकार को इतने बड़े गांवों में तो इस तरह के होस्पीटल खोलने ही चाहिएं ताकि वहां के गरीब किसानों के पशुओं की रक्षा की जा सके।

अब मैं कानून व्यवस्था की बात करूंगा। 28 तारीख से कानून व्यवस्था की बात चल रही है। सम्पत सिंह जी जो पहले होम मिनिस्टर भी रह चुके हैं उन्होंने भी इसका जिक्र किया। उपाध्यक्ष महोदय, वे केवल शोर शराबा ही मचाते रहे हैं जबकि उनकी कोई नीति नहीं है, कोई तरीका नहीं है। उनके समय में मेहम कांड हुआ था। क्या इस कांड को किसान लोग एवं हरियाणा की जनता भूल जाएगी ? इसी तरह

[श्री जगदीश नेयर]

12.00 बजे से रेणुका कांड को क्या लोग भूल जाएंगे ? उपाध्यक्ष महोदय, इन बातों को सब लोग याद रखेंगे और ये सारी बातें समय आने पर पब्लिक बता देगी। मेरे विपक्ष के साथी कह गए कि इस सरकार के शासन काल में कोई ला एण्ड आर्डर नाम की चीज नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं उनको बताना चाहता हूं कि एक तो जनसंख्या बहुत बढ़ती जा रही है इसके अलावा ये बातें तो भगवान राम के समय में भी थीं। भगवान राम के समय में भी कानून व्यवस्था इसी तरह की थी। किसी भी राजा महाराजा के शासन-काल की बात आप उठा लीजिए, हिस्ट्री उठा लीजिए ये बातें उस समय भी थीं। उपाध्यक्ष महोदय, क्राइम पहले भी होता रहा है, क्राइम आगे भी होता रहेगा चाहे कितनी सरकारें बदल जाएं। हाँ इतना अवश्य हो सकता है कि क्राइम पर कंट्रोल थोड़ा बहुत ज्यादा कम हो सकता है लेकिन क्राइम खत्म नहीं हो सकता। भगवान राम के समय में भी रावण व खरदूषण जैसे लोग हुआ करते थे वे क्राइम करते थे आज उनकी शक्ल गुंडे व बदमाशों ने ले ली है। लेकिन फिर भी हमारी सरकार ने क्राइम रोकने के बहुत सारे इंतजाम किए हुए हैं। गुण्डे बदमाशों के लिए हमारी सरकार ने, हमारी पुलिस ने ऐसे इंतजाम किए हुए हैं कि कोई भी शरीफ आदमी अमन-चैन से अपनी यात्रा कर सकता है कहीं भी जा सकता है, खुला घूम सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेहम कांड के बारे में जैसे कल लाठर साहब ने विस्तार से जिक्र किया, मैं भी हरियाणा के लोगों से कहना चाहूंगा कि मेहम कांड जब हुआ था तब किसानों पर अत्याचार हुआ था। मैं किसानों के हित की बात करूंगा और हरियाणा के लोगों से कहना चाहूंगा कि संभल जाओ। मेरी आप लोगों से अर्ज है कि आप ऐसे लोगों के हाथ में सत्ता मत दें जो आपके ऊपर अत्याचार के समय सारी बातें भूल जाते हैं, वे आपका दिया हुआ वोट भूल जाते हैं। अगर कोई याद रखता है तो वह केवल चौधरी बंसी लाल जी ही याद रखते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की यह सरकार बनने के बाद 2 उपचुनाव हो लिए। उन चुनावों के समय हम लोग इकट्ठे होकर सोचा करते थे कि हम अपने विधायक साथी को जिता सकते हैं लेकिन मुख्य मंत्री जी ने आदेश दिया कि जो ज्यादा वोट लेगा वही जीतेगा। अगर मुख्यमंत्री जी हमें थोड़ी सी ढील दे देते तो हम अपने साथी को जिता सकते थे लेकिन जो कानून को चलाने वाले हैं, जो कानून की रक्षा करने वाले हैं वह चौधरी बंसी लाल जी ही हैं। आदमपुर में जो उप-चुनाव हुआ था उसमें हम पूरे दल बल के साथ गए थे और हमने कसम खायी थी कि देखें कैसे हमसे वह चुनाव जीतकर ले जाते हैं, लेकिन हमें हमारे नेता का जवाब मिला कि अपनी मर्यादा में रहना और पब्लिक को वोट ढंग से डालने देना तथा किसी प्रकार का आतंक न मचाना। उन्होंने कहा कि जिसके ज्यादा वोट होंगे वह जीत जाएगा। जबकि आज कुलदीप बिश्नोई कहते हैं कि मैं सब की छाती पर पैर धरकर जीत कर आया हूं। उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग हरियाणा का सारा पैसा, हरियाणा की सारी नौकरियां हिसार के अंदर ले गए। उपाध्यक्ष महोदय, हिसार के अंदर क्या है, हिसार में रेत के टीले हैं, रेत उड़ा करता है और आप हमारे फरीदाबाद में चलकर देखिये कि वह कितना खुशहाल है कितनी हरियाली है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं चैलेंज के साथ कहता हूं कि आज मुझे 100 नौकरियां दे दीजिए फिर मैं देखता हूं कि कैसे मेरे मुकाबले हसनपुर हल्के में कुलदीप बिश्नोई जीतकर आते हैं। मैं देख लूंगा कि वह कैसे जीतेंगे ? हमारे हल्के के हिस्से की नौकरियां, हमारे हल्के के हिस्से की ग्रांट ये लोग आदमपुर ले जाते थे तो फिर वोट तो लोग इन्हें ही देंगे, हमें नहीं देंगे। इसलिए मैं आप लोगों को समझाता हूं कि कैसे हमारे हल्के के नौकरियों के कोटे को इन्होंने खाया है। इन्होंने 27 हजार कर्मचारी लगाए। इसलिए हरियाणा के लोगों को मैं कहता हूं कि अपनी सोच बदल दो। अगर इन्हें मौका दोगे तो ये करोड़पति, लखपति बनते जाएंगे। इन्होंने हरियाणा की जनता का हमेशा शोषण किया, हरियाणा की जनता को हमेशा चूसा।

उपाध्यक्ष महोदय, पुलिस की भर्ती को ले लीजिए। हमारे हल्के हसनपुर, पलवल और फरीदाबाद में भी हिसार के मुकाबले में अच्छे खूबसूरत जवान हैं परन्तु चौधरी भजन लाल जी ने पुलिस में ऐसे-ऐसे लड़के भर्ती कर रखे हैं जो कहीं किसी भी तरह से ठीक नहीं है। आज जब हम आदमपुर हल्के के 27000 कर्मचारी वर्ग को देखते हैं तो हम में रोष पैदा होता है। चौधरी भजन लाल जी ने सारे हरियाणा की नौकरियों को काटकर सिर्फ अपने हल्के में ही दे दी। अगर इस बात का चिन्तन हरियाणा की जनता करे तो वह चौधरी भजन लाल जी को जिन्दगी में भी राजनीति में नहीं आने दे। वे सारे हरियाणा का पैसा काटकर अपने जिले में ले गये। मैं उनको बताना चाहता हूं कि मेरे हल्के के 100 लड़कों को भी नौकरी दे दो फिर वे अपने लड़के को मेरे मुकाबले में चुनाव लड़ने के लिए भेज दें। हम इंसानों का दिल जीतते हैं। जो हरियाणा की बर्बादी उनके समय में हुई है उसका नतीजा तो उनको भुगतना पड़ेगा उसमें चाहे कोई भी पार्टी हो। मैं चौधरी बंसीलाल जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने नौकरियों में ऐसी लूटमार नहीं मचाई। नौकरी तो दी लेकिन जिनके हिस्से की थी उनको दी। आज जनसंख्या बढ़ती जा रही है और जिस तरीके से जनसंख्या बढ़ती जा रही है उसी तरीके से भ्रष्टाचार भी बढ़ता जा रहा है। मैं जब बी०ए० पार्ट-टू में पढ़ता था तब हमारी कक्षा में इंग्लिश में एक पाठ होता था करप्शन उसमें हमारे प्रोफैसर साहब पढ़ाया करते थे कि क्रप्शन क्या है। आज हरियाणा में भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया है कि वह नस-नस में बस चुका है और उसको रोकने का कोई इंतजाम नहीं हुआ है। खून में भ्रष्टाचार रम चुका है जिसको बाहर निकाल फेंका नहीं जा सकता। लेकिन चौधरी बंसीलाल जी का मैं शुक्रगुजार हूं और उनका धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए कोई नया तरीका अपनाया और लोकपाल बिल इस सदन में पास करवाया तथा लोकपाल की नियुक्ति की। लोकपाल के तहत चाहे प्रदेश का मुख्यमंत्री हो, चाहे मंत्री हो, चाहे विधायक हो, चाहे आई०ए०एस० अधिकारी हों और चाहे फोर्थ क्लास कर्मचारी हो, अगर कोई भ्रष्टाचार करेगा तो उसके खिलाफ इंक्वायरी की जायेगी और जमीन जायदाद के बारे में छानबीन की जायेगी। अगर दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ केस दर्ज किया जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, यह काम पिछली सरकारें भी कर सकती थीं लेकिन उनकी आदत खराब थी वे लोग भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे सकते थे उसको कम नहीं कर सकते थे। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के की कुछ मांगों के बारे में कहना चाहूंगा। मेरा हल्का हसनपुर हमेशा उपेक्षित रहा है। जिन विधायकों ने इस हल्के में काम नहीं किया वे दोबारा अपना खाता नहीं खोल सके। मैं पढ़ने के बाद गांव का सरपंच बन गया। मैंने और काम नहीं सीखा, कुछ काम धाम नहीं किया, बस सीधा राजनीति में ही आ गया। मैं जब लोगों में जाता हूं तो उनके लिए तो मैं नया आदमी हूं। लोगों के बीच में जाने से मुझे उनकी समस्याओं के बारे पता चलता है और बड़ा चिन्तन होता है। यह देख कर मुझे बड़ा रोष होता है कि मेरे हल्के की तरफ किसी भी सरकार ने आज तक कोई ध्यान नहीं दिया चाहे वह किसी भी पार्टी की सरकार रही हो। होडल एक बहुत बड़ा शहर है उसमें पीने के पानी की बहुत कमी है। जब हम चुनाव के दौरान उस शहर में जाते थे तो उस समय पीने के पानी की बड़ी दिक्कत महसूस होती थी। उपाध्यक्ष महोदय, बीस साल से वह शहर खारा पानी पी रहा था। 20 हजार की आबादी वाला शहर खारा पानी पीकर अपना गुजारा कर रहा था। लेकिन जब हमारी सरकार आई तो मैंने चौधरी बंसी लाल जी से इस बारे में प्रार्थना की जिस पर उन्होंने गौर फरमाया। मैं उनका धन्यवाद करता हूं तथा जिंदगी भर के लिए उनका अहसानमंद हूं कि मेरी एक छोटी सी प्रार्थना पर उन्होंने 5 करोड़ रुपए की राशि देकर होडल को मीठा पानी देने की एक स्कीम बनाई तथा यह काम चालू किया। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में बड़े-बड़े गांव हैं--जैसे खाम्बी, भिड़की, वठौली, गढ़ीपटी, होडल, चांदहट, छोड़ी, पेगलव, गौजेता, लिखी, भैंडोली। मुख्य मंत्री जी ने सारे हरियाणा के अंदर घर-घर पानी के कनैक्शन देने की स्कीम चलाई हुई है। इसलिए मेरी उनसे करबद्ध

[श्री जगदीश नेयर]

प्रार्थना है कि इन बड़े-बड़े गांवों में भी घर-घर पानी के कनैक्शन मुहैया करवाए जाएं। भाई दलाल जी सदन में बैठे हैं, इनको भी पता है कि हमारे जिले के ये बड़े-बड़े गांव हैं। खाम्बी गांव तो हिन्दुस्तान में सबसे बड़ा गांव है। यह ब्राह्मणों का गांव है। इसके बारे हमारे बुजुर्ग भी कहा करते थे कि यह हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा गांव है। उपाध्यक्ष महोदय, बिजली की स्लैब प्रणाली की बात भी यहां पर चली। मेरी मुख्यमंत्री व बिजली मंत्री महोदय से भी प्रार्थना है कि चांदहट, छोछी, सिहोल, पैलक, राजपुर-खादर एवं दोस्तपुर गांवों में स्लैब प्रणाली का प्रबन्ध किया जाए क्योंकि इस क्षेत्र का जल स्तर सौ फुट नीचे चला गया है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं सड़कों के निर्माण की बात रखूंगा। अब तो यह महकमा हमारे अपने जिले के ही विधायक भाई कर्ण सिंह दलाल के पास ही है। मैं उनको बताना चाहता हूं कि पूरे हरियाणा में अगर कहीं सड़कों का ज्यादा बुरा हाल है तो वह मेरे अपने हल्के हसनपुर में ही है। इसलिए मेरी मुख्य मंत्री महोदय एवं मंत्री जी से प्रार्थना है कि मेरे हल्के में सड़कों को ठीक करवाएं। वैसे चौधरी बंसी लाल जी ने सड़कों के गड्डे तो खूब भरवाए हैं व रास्तों को चलने के काबिल तो किया है लेकिन यदि सड़कों के सुधार का कार्य और अच्छी एवं तेज गति से किया जाएगा तो अच्छा होगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि यमुना नदी में गंदा पानी डाल दिया जाता है, जो कि आगे फिर आगरा नहर में डाला जाता है। इस पानी को कहीं-कहीं पीने के इस्तेमाल में भी लिया जाता है तथा सिंचाई के लिए भी काम में लाया जाता है जिससे भयानक बीमारियां फैलने जा रही हैं जिनको रोका जाना चाहिए व साथ ही साथ इन पवित्र नदियों को दूषित होने से बचाया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरी एक और खास मांग है। मेरे हल्के हसनपुर से इतने लंबे समय से बनते आ रहे विधायकों ने कभी वहां पर कॉलेज खोलने की मांग नहीं की। मेरी प्रार्थना है कि हसनपुर में एक लड़के व लड़कियों का कॉलेज, होडल में एक इंजीनियरिंग कॉलेज तथा हसनपुर में एक बस स्टैंड भी बनवाया जाए। इसके साथ-साथ आजकल शहरों में आबादी बढ़ती जा रही है एवं साथ-साथ उन लोगों का स्तर भी बढ़ रहा है, इसलिए इन स्थानों पर यदि सार्वजनिक पार्कों का निर्माण कर दिया जाएगा तो बहुत ही अच्छा रहेगा। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात और मुझे मंत्री जी ने याद दिलाई है जिसको मैं बड़े जोरदार शब्दों में कहता हूं कि आदरणीय चौधरी कंवल सिंह जी के विभाग का कार्य मेरे हल्के के अंदर टॉप में है। मैं इनका हृदय से धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने हसनपुर हल्के के हर गांव में अपने विभाग का कार्य फैलाया हुआ है। मैं इनके कार्य से संतुष्ट हूं। मैं इनका विशेष रूप से धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक और अर्ज करना चाहता हूं कि हमारे वहां पलवल से अलीगढ़ रोड पर एक ओवर ब्रिज बनवाने की बहुत जरूरत है। मैं मुख्य मंत्री महोदय का बहुत आभारी हूंगा यदि वे इस को बनवाने की इजाजत दे दें, वह एरिया 20,000 की आबादी वाला है। अगर वहां पर एक ओवर ब्रिज बन जायेगा तो लोगों और किसानों को आने-जाने में दिक्कत नहीं होगी।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं इन शब्दों के साथ अपना स्थान ग्रहण करता हूं और एक बार फिर से इस हाउस के सभी सदस्यों और वित्त मंत्री चौ० चरण दास जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने चौ० बंसी लाल जी के नेतृत्व में एक बहुत ही अच्छा और कर रहित बजट पेश किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका भी धन्यवाद करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने के लिए पूरा टाईम दिया।

आयुर्वेद राज्य मंत्री (श्रीमती कांता) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं और साथ ही वित्त मंत्री महोदय और मुख्यमंत्री महोदय को

भी धन्यवाद देती हूं कि वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट पेश किया है वह बिल्कुल कर रहित बजट है तथा हर वर्ग के लोगों को उससे फायदा होगा। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने अपने इस साल के बजट में गरीब किसानों, हरिजन भाईयों और पिछड़ी जाति के लोगों का विशेष ध्यान रखा है। 1 नवंबर, 1966 को जब हरियाणा प्रदेश बना था उस समय इस प्रदेश के लोगों को यही चिंता थी कि इस प्रदेश का विकास कैसे होगा और यहां के कर्मचारियों को तनख्वाह मिलेगी या नहीं। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, जब 1968 में हरियाणा प्रदेश की बागडोर चौ० बंसी लाल जी ने संभाली तब उन्होंने यहां के हर क्षेत्र का विकास किया। उपाध्यक्ष महोदय, चौ० बंसी लाल जी ने उस समय इस प्रदेश के हर गांव में बिजली पहुंचाई, हर गांव में सड़क का निर्माण करवाया और हर गांव में नहरों का जाल बिछवाया, किसानों को सिंचाई के लिए पानी मुहैया कराया। उपाध्यक्ष महोदय, चौ० बंसी लाल जी के इन कार्यों के कारण ही उस समय जनता ने इन्हें हरियाणा का निर्माता और विकास पुरूष का नाम दिया। इस नाम से चौधरी बंसी लाल जी आज भी जाने जाते हैं। आज भी चौधरी बंसी लाल जी अपने उसी नाम को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा के हर क्षेत्र का विकास कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हरिजन भाईयों और पिछड़ी जाति के लोगों की तरफ जितना ध्यान चौधरी बंसी लाल जी ने दिया उतना ध्यान किसी दूसरे मुख्य मंत्री ने नहीं दिया। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और उनके दल के सदस्य कह रहे हैं कि हमने हरिजनों और पिछड़ी जाति के लोगों की तरफ बहुत ध्यान दिया है यह बात मेरी समझ में नहीं आती कि वे यह कैसे कह रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, आपको और हरियाणा की जनता को याद होगा कि इन्होंने किस तरह से हरियाणा प्रदेश के पूर्व मन्त्री कृपा राम पुनिया का मुंह काला किया था और एक भूतपूर्व गवर्नर तपासे की गर्दन पकड़ी थी। उपाध्यक्ष महोदय, इतना ही नहीं इन लोगों ने तो हरिजन लोगों के प्लाट ही छीन लिये थे और ये लोग आज कहते हैं कि ये हरिजनों के हितैषी हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हरिजनों और पिछड़ी जाति के लोगों का जो कोटा नौकरी में था या कहीं दूसरी जगह था, वह भी उनको इन लोगों ने नहीं दिया, उनकी जगह दूसरे लोग भर्ती कर लिये। लेकिन हमारी सरकार ने सभी हरिजनों और पिछड़ी जाति के लोगों को उनका पूरा हक दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, अभी पीछे जो हरियाणा पुलिस में भर्ती हुई थी उसमें मेरे हल्के के कुछ बच्चे भर्ती हुए हैं वे कभी सपने में भी नहीं सोचा करते थे कि ऐसा होगा लेकिन हमारी सरकार ने ऐसा कर दिखाया है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी ने हरिजनों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात किया है। उन्होंने लोकसभा चुनावों में बहुजन समाज पार्टी के साथ समझौता किया था कि हम कांशीराम को प्रधान मंत्री बनायेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे कुछ हरिजन भाई उनके बहकावे में आ गये और उनकी पार्टी के नेता को वोट दे दिया लेकिन चुनाव के बाद चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी कहने लगे कि कौन कांशीराम ? चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी कहने लगे कि हम किसी कांशीराम को नहीं जानते। इस पर हमारे जिन हरिजन भाईयों ने उनको वोट दिये थे, वे दंग रह गये। वे यह जान गये कि ये किस प्रकार के लोग हैं। उपाध्यक्ष महोदय, बाद में मेरे हरिजन भाईयों ने चौटाला और उनकी पार्टी को बहुत गालियां दी। उपाध्यक्ष महोदय, जितना काम हरिजनों के लिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने किया है उतना कोई दूसरा व्यक्ति नहीं कर सकता और न ही किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे आयुर्वेद विभाग में इस समय चार नई डिसपैंसरियां खोली हैं और जगह-जगह कैम्प लगाकर आयुर्वेदिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई है। इसके अलावा आने वाले समय में दस नई और डिस्पैंसरियां खोले जाने का बजट में प्रावधान है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं कुछ बातें अपने हल्के के बारे में सदन में बताना चाहती हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जब झज्जर हल्के के उप-चुनाव हुये थे तो विपक्ष के हमारे भाई भी वहां गये थे और झज्जर को देखा था। वह झज्जर नहीं बल्कि जर्जर था। वहां न तो कोई सड़कें थी और न ही

[श्रीमती कान्ता]

पीने का पानी अच्छा था। वहां के लोग खारा पानी पीते थे। किसी तरह की कोई सुविधा वहां पर नहीं थी।

माननीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने पिछले ढाई साल के दौरान वहां पर इतने काम करा दिये हैं कि अब वो जर्जर से वाकई झज्जर कहलाने के लायक हो गया है। वहां की जनता जो न जाने कितने वर्षों से खारा पानी पी रही थी, उसे हमारे मुख्य मंत्री जी ने एक सप्ताह में ही मीठा पानी उपलब्ध करवा दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने झज्जर को जिला बनाकर सबसे बड़ा काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर लघु सचिवालय, बाल भवन, पंचायत भवन, विकास भवन, रैड क्रास भवन और रैड क्रास शॉपिंग कम्पलैक्स की आधार शिला भी रखी जा चुकी है और इन सब विकास कार्यों पर बड़ी तेजी से काम चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर यातायात की समस्या को देखते हुये बाई-पास का भी निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ-साथ एक करोड़ रुपया खर्च करके झज्जर में सड़कों का निर्माण भी किया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर विपक्ष के मेरे भाई यहां हाउस में उपस्थित होते तो मैं आपके माध्यम से उनसे निवेदन करती कि अब वे झज्जर में जाकर देखें तो उन्हें पता चलेगा कि विकास कार्य किस तरह से किये जाते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, अगर पिछली सरकारों में विपक्ष के भाई चाहते तो ये विकास कार्य वे भी करवा सकते थे लेकिन उन्होंने किसी बात और किसी भी काम पर कोई ध्यान नहीं दिया। वे कहते हैं कि हम हरियाणा की जनता की भलाई करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, झज्जर में कितने ही चौक सिमेन्टिड कर दिये गये हैं। मेरे हल्के की जनता चौधरी बंसी लाल की ऋणी है कि उन्होंने झज्जर का इतना विकास कराया। हमारे मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी का भी झज्जर से विशेष लगाव है क्योंकि पिछले मुख्य मंत्रियों ने वहां जाकर एक बार भी नहीं देखा कि वहां की जनता की क्या समस्यायें हैं। जबकि हमारे माननीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी समय-समय पर जब भी उन्हें तीन महीने बाद या चार महीने बाद समय मिला है, वे वहां गये हैं और वहां के लोगों की समस्याओं को सुनते हुये उन्होंने हर समस्या का समाधान किया है।

उपाध्यक्ष महोदय, एक ओर जहां झज्जर में सड़कों के निर्माण पर तकरीबन एक करोड़ रुपया खर्च होगा तो दूसरी ओर वहां हरिजन चौपालों के निर्माण का काम और स्कूलों के कमरों के निर्माण का काम किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बात के लिये अपने विकास मंत्री जी का भी धन्यवाद करती हूं और सबसे ज्यादा माननीय मुख्य मंत्री जी का विशेष रूप से धन्यवाद करती हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक विपक्ष के भाईयों का यह कहना है कि वहां सड़कें टूटी पड़ी हैं तो अगर वे यहां मौजूद होते तो मैं उनसे पूछना चाहती थी कि इसका जिम्मेवार कौन है ? जब चौधरी बंसी लाल जी पिछली बार मुख्य मंत्री थे तो उन्होंने ही इन सड़कों का निर्माण करवाया था लेकिन पिछली सरकारों ने फिर कभी इन सड़कों का कोई ध्यान या रख-रखाव नहीं किया और वहां सड़कों की सारी कंक्रीट बिखर गई। अब दोबारा चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आने के बाद उन सड़कों का काम चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह मानती हूं कि अभी भी कुछ सड़कें ऐसी हैं जो खराब हैं लेकिन आने वाले छः महीने के अन्दर उन सड़कों का काम भी कराया जायेगा और एक तरह से ये सड़कें भी नई हो जायेंगी।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने जनता से जो 24 घण्टे बिजली देने का वायदा किया था, उसको पूरा करने के लिये भी युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, 24 घण्टे बिजली जनता को देने के लिये जो वायदा उन्होंने किया है उसके बारे में हमारे मुख्यमंत्री जी ने बड़े विस्तार से बताया कि कितनी तेजी से यह काम चल रहा है। हमारे विधायक साथियों ने भी

बड़े विस्तार से बताया है इसलिए मैं इस बात पर बहुत ज्यादा डिटेल में नहीं जाना चाहती। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी बिजली के बारे में जितना काम कर रहे हैं उतना काम कोई अन्ध आदमी नहीं कर सकता था। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक नहरों की सफाई की बात है उस बारे में बहुत तेज गति से काम हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, जब हमारी सरकार आई उस समय हरियाणा प्रदेश की सभी नहरें मिट्टी से अंटी पड़ी थीं और उनमें झाड़ उग आई थी। हमारी सरकार के आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने सभी नहरों की सफाई करवाई और आज उन सभी नहरों की टेल एंड पर पानी पहुंच रहा है। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी रिवाड़ी गए थे वहां पर ये रिवाड़ी उठाव सिंचाई स्कीम का शिलान्यास करके आए थे। उस स्कीम से मेरे हल्के के लोगों को भी फायदा होगा। इसके लिए मैं आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी का धन्यवाद करना चाहती हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं यह कहना चाहती हूं कि पिछली सरकारों के समय में नौकरियों की बोली लगा करती थी और जो कोई बोली में ज्यादा पैसा देता था उसी को नौकरी दी जाती थी, उस समय मैरिट के आधार पर किसी को नौकरी नहीं मिलती थी। हमारी सरकार आने के बाद मैरिट के आधार पर और योग्यता के आधार पर नौकरियां दी जाती हैं। इतनी पारदर्शिता माननीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आने के बाद ही हो सकी है किसी और सरकार में नहीं हो सकती। हमारे विरोधी भाई चिल्लाते हैं कि हरियाणा प्रदेश में कोई काम नहीं हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, हमें भी पता है कि वे क्यों चिल्लाते हैं ? चूंकि हमारी सरकार हरियाणा प्रदेश में लोगों की भलाई के लिए इतने काम कर रही है इसलिए आने वाले इलैक्शन में वे लोगों के सामने जा कर क्या कहेंगे उनको इस बात की चिन्ता है। जब हमारी सरकार लोगों के भलाई के इतने ज्यादा काम कर रही है तो वे लोगों के सामने क्या बात कह कर वोट मांगेंगे और क्या उम्मीद ले कर जनता के सामने जाएंगे इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा कहते हैं कि कोई काम नहीं हो रहा है। ऐसा कह कर वे हरियाणा की भोली भाली जनता को बहकाते हैं। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों की चाल समझ चुकी है इसलिए हरियाणा की जनता इनके बहकावे में आने वाली नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं यह भी कहना चाहूंगी कि हमारा पशु पालन विभाग हमारे हरियाणा प्रदेश के पशु पालकों का बहुत ध्यान रख रहा है। जगह-जगह डिस्पैंसरियां खोली जा रही हैं जिनके माध्यम से पशुओं की सेवा कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों हिसार में एक प्रोग्राम हुआ था उस प्रोग्राम में आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने कहा था कि जिन भैंस पालकों को ज्यादा दूध के लिए ईनाम मिला है यानि जिन भैंसों का 15 से 18 किलो दूध है उन भैंसों का बीमा हरियाणा सरकार करवाएगी। यह सरकार की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी का धन्यवाद करती हूं। एक बात के बारे में मैं अपने आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी से निवेदन करना चाहूंगी कि जिस तरह से उन्होंने झज्जर जिले पर ठण्डी नजरें रखी हैं उसी तरह से आगे भी झज्जर जिले पर ठण्डी निगाहें रखते रहेंगे ताकि जिस तरह से वहां पर विकास के कार्य तेज गति से हुए हैं उसी तरह से आगे भी वहां पर विकास कार्य तेज गति से होते रहें। पिछली सरकारों ने वहां पर कोई कार्य नहीं किया था इसलिए वहां पर और अधिक काम करने की आवश्यकता है और वह काम पूरे होंगे इसका हमें पूरा विश्वास है। उपाध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं वित्त मंत्री जी और मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने प्रदेश की जनता को कर रहित बजट दिया है। मैं एक बार फिर वित्त मंत्री जी को बधाई देती हूं और आपका धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

श्री अकरम खां (छछरौली) : उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे कर रहित बजट पर बोलने का समय दिया। साथ ही मैं अपने वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने यह कर रहित बजट प्रदेश की जनता को दिया है। वित्त मंत्री जी ने किसी पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया इसके लिए ये बधाई के पात्र हैं और इसीलिए मैं भी इस बजट का समर्थन करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के से जो संबंधित बातें हैं अब मैं उन बातों को कहना चाहूंगा। मैं मुख्य मंत्री जी का आभारी हूं कि हमारे यहां पर जो हथनीकुंड बैराज बन रहा है उसका इन्होंने खुद कई बार निरीक्षण किया है जिस कारण उसके कार्य में काफी प्रगति हुई है और उसी का परिणाम है कि उसके पूर्ण होने की स्पीड काफी बढ़ी है और वह जल्दी ही पूर्ण होने की स्टेज पर है।

उपाध्यक्ष महोदय अब मेरी परिवहन मंत्री जी जो यहां पर बैठे हैं, से गुजारिश है कि मेरे हल्के में जो खिजराबाद गांव है वह छछरौली से भी ज्यादा तरक्की कर रहा है। अब पांवटा साहब वाला रोड नेशनल हाईवे हो गया है। यह गांव उस रोड पर पड़ता है। वहां पर सारी बसें बाहर खड़ी होती हैं जिससे यातायात प्रभावित होता है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि वहां पर एक बस स्टैंड तुरंत मंजूर करके उसे बनाया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी मेरे हल्के में अक्तूबर, 1997 में गए थे। उस समय उन्होंने एक जनसभा में एक माईनर मंजूर की थी। उस पर अब तक कोई काम शुरु नहीं हुआ है। मेरी आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि इस माईनर का निर्माण जल्दी से जल्दी शुरु करवाया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, वाईल्ड लाईफ मंत्री जी भी यहां पर बैठे हैं। मेरे ऐरिया के लोगों को गन के लाईसेंस लेने के लिए पंचकूला आना पड़ता है जिससे उनका समय भी और पैसा भी बर्बाद होता है। इस बारे में मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध है कि उनके लाईसेंस वहीं डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर जारी करने के निर्देश दिए जाएं ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। एक बात मैं और मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगा कि वाईल्ड लाईफ के जो गार्ड या इन्सपेक्टर इब्राहिमपुर गांव में रहते हैं वे वहां के लोकल लोग जो अपने खेतों में काम करने के लिए जाते हैं, उनको नाजायज परेशान करते हैं इसलिए मेरी मांग है कि उनको आदेश दिए जाएं कि उन द्वारा वहां के लोकल लोगों को परेशान न किया जाये और यदि कोई ऐसा करता है उसके खिलाफ एक्शन लिया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में मानकपुर गांव में एक जे०बी०टी० सेंटर मंजूर हुआ है। पंचायत ने उसके लिए जमीन भी दी हुई है। इस मामले को अढ़ाई साल हो चुके हैं। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि इस जे०बी०टी० सेन्टर को तुरंत पूरा करवाया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा कि हथनीकुण्ड बैराज बनाने के लिए वहां से एक नहर निकालने के लिए कुछ लोगों की जमीन ली गई थी। जब 1997 में मुख्य मंत्री जी वहां पर गए थे तो लोगों ने इस बारे में मांग की थी। तब मुख्य मंत्री जी ने माना था कि जिन किसानों की जमीन वहां पर ऐक्वायर की गई थी उनके परिवार वालों को नौकरी दी जायेगी। मेरी मांग है कि सरकार उन गरीब परिवारों को नौकरी दे ताकि वे भी अपना जीवन सुधार सकें।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में अक्तूबर के महीने में बेमौसमी बरसात के कारण यमुना के पानी से प्रभावित होते हुए कई गांवों की सड़कें बहुत बुरी तरह टूट गई थीं और उनकी हालत बहुत खराब है। लोगों को अपना गन्ना भी लाने में दिक्कत पेश आ रही है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से पी०डब्ल्यू०डी०

मंत्री से प्रार्थना है कि जो-जो सड़कें मेरे हल्के में टूटी हुई पड़ी हैं उनका निर्माण जल्दी से जल्दी करवाया जाये ताकि लोगों को सहूलियत हो सके। पांवटा साहब नेशनल हाई-वे मेरे हल्के से हिमाचल के साथ लगता हुआ वहां से शुरु होता है वहां पर लालडांग से खिजराबाद तक जो सड़क है, वह टूटी पड़ी है। मैं चाहता हूं कि इसकी रिपेयर जल्दी कराई जाये। इसी प्रकार से दो सड़कें बकरवाला से हाफिजपुर और याकुबपुर से कड़कौली की नई बननी थीं। इन पर काम शुरु हुआ था और मिट्टी डाल चुके थे लेकिन बीच में काम रोक दिया गया। मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि इन सड़कों पर जल्दी काम शुरु करवाया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के 7-8 गांवों में सेम की वजह से तकरीबन 700-800 एकड़ खेती की जमीन खराब हो रही है जिस कारण अब वहां पर खेती नहीं हो रही। सेम की समस्या से वहां पर लोगों को राहत देने के लिए मुख्य मंत्री जी ने एक ड्रेन का काम शुरु करवाया था लेकिन उस पर आधे से कम काम करके उसको बीच में अधूरा छोड़ दिया गया है। मेरा अनुरोध है कि इस पर पुनः जल्दी से काम शुरु करवा कर इसे पूरा करवाया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, यमुना नदी के हरियाणा में घुसते ही सबसे पहला गांव कलेसर लगता है जिसकी 50-55 एकड़ जमीन यमुना में गिर गई थी यानी पानी में बह गई थी। पिछले साल भी 30-35 एकड़ जमीन यमुना में गिर गई और यमुना गांवों के साथ लगती जा रही है जिससे वहां पर कई गांवों को खतरा हो गया है इसलिए जो 5-7 गांव इसके नजदीक आ रहे हैं उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन पर स्टड वगैरा लगाए जाएं। डिप्टी स्पीकर साहब, वन मन्त्री जी इस समय हाउस में बैठे हुए हैं उनके नोटिस में मैं एक बात लाना चाहता हूं। मेरे हल्के में काफी जंगल लगता है लेकिन वन विभाग के ऑफिसर्ज लोगों को नाजायज़ तंग करते हैं। गांवों के लोग जंगल से जलाने के लिए सूखी लकड़ी ले कर आते हैं वे लकड़ी वहीं से पहले भी ला रहे थे, वे बकरी चराने के लिए भी वहां जाते हैं। उनको डरा धमका कर और यह कह कर कि उनका केस हिसार अदालत में भेज दिया जाएगा, वे उनसे पैसे ले लेते हैं। ये गरीब लोग हैं और उनको पता नहीं है, वे इस बात को समझते नहीं हैं इसलिए जबरदस्ती उनसे अंगूठे लगवा कर वहां के ऑफिसर्ज कार्यवाही शुरू कर देते हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उन ऑफिसर्ज को वहां से बदला जाए और उनकी जगह पर अच्छे ऑफिसर्ज लगाए जाएं। हिसार में जो इस विभाग की अदालत है उसको भी अम्बाला या पंचकूला में बदला जाए क्योंकि यहां पर जंगल ज्यादा हैं। यहां पर अदालत नज़दीक होने से यहां के लोगों को राहत मिलेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, कलेसर में टूरिज्म कम्पलैक्स के लिए एक साईट देखी गई थी शायद उसके लिए पैसा भी आ गया है। यह जगह हथनी कुण्ड बैराज के बहुत निकट है। वहां यमुना के किनारे पर टूरिज्म का बोर्ड तो लगवा दिया है लेकिन इस साईट पर अभी तक काम शुरु नहीं हुआ है। इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि उस पर काम शीघ्र करवाया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं परिवहन मंत्री जी से भी कुछ कहना चाहूंगा। परिवहन मन्त्री जी को मैं खुद मिला भी था और उनको लिख कर भी दिया था कि मेरे हल्के में एक नगली गांव है जो कि हिमाचल प्रदेश के साथ लगता है। यमुना नगर से नगली तक बस चलाने के लिए मैंने परिवहन मंत्री से निवेदन किया था। वहां पर एक प्राईवेट बस जाती है लेकिन उसमें इतनी भीड़ होती है कि लोगों को छतों पर बैठना पड़ता है इसलिए मेरा अनुरोध है कि नगली गांव तक जल्दी से जल्दी हरियाणा रोडवेज की एक बस लगाई जाए। उपाध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ ही मैं वित्त मंत्री महोदय ने जो इतना अच्छा बजट पेश किया है, उसका अनुमोदन करता हूं तथा आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया उसके लिए भी मैं आपका धन्यवाद करते हुआ अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

मुद्रण एवं लेखन राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा गहलावत) : उपाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यबाद। उपाध्यक्ष महोदय, 3 फरवरी को हमारे वित्त मन्त्री श्री चरण दास शोरेवाला जी ने जो करमुक्त बजट पेश किया है उसके लिए मैं वित्त मंत्री महोदय और हरियाणा के मुख्य मन्त्री चौधरी बंसी लाल जी का धन्यबाद करते हुए उन्हें बधाई देती हूं। हरियाणा की जनता विशेषकर गरीब मज़दूर, किसान सभी वर्गों का ध्यान रख कर यह बजट तैयार किया गया है और हरियाणा की जनता पर और किसी प्रकार का कर का बोझ नहीं डाला गया है। आज इस बजट की और हमारी सरकार की इस बात के लिए चारों तरफ तारीफ हो रही है कि बजट में कोई कर नहीं लगाया गया है। इसी बात को देख कर हमारे विपक्ष के सदस्य सदन में नहीं बैठे हैं और जानबूझ कर इस तरह की बातें फैला रहे हैं क्योंकि इस बजट को देख कर उनके पास कहने के लिए शायद कोई शब्द ही नहीं हैं। हमारी सरकार के बारे में कहने की उनके पास कोई बात ही नहीं है जिसे कि वे उछाल सकें। डिप्टी स्पीकर साहब, वे अपनी उस जिम्मेदारी से जो जनता ने उनको दी थी, पीछे हट रहे हैं। लोगों ने अपने हल्के की बात कहने के लिए, अपनी समस्याओं को उठाने के लिए उन लोगों को यहां पर भेजा था लेकिन वे लोग अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट में सिंचाई, परिवहन और सड़कों की तरफ विशेष ध्यान दिया है। जो सड़कें टूटी पड़ी हैं, उनके लिए साढ़े चौदह करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान रखा है। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट में कृषि के लिए भी विशेष ध्यान दिया गया है। हरियाणा राज्य कृषि प्रधान राज्य है, यहां ज्यादातर लोग खेती बाड़ी करते हैं। हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने कृषि विभाग के लिए 118 करोड़ रुपए रखे हैं। अभी पिछले दिनों बेमौसमी बरसात की वजह से फसल खराब हो गई थी और बाढ़ का पानी खेतों में भर गया था। उपाध्यक्ष महोदय, जो फसल पहले खड़ी थी वह तो खराब हो ही गई थी लेकिन किसान भाई तो यह सोच रहे थे कि आगे भी फसल की बिजाई नहीं हो पाएगी। हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने पूरे प्रशासनिक ढांचे को लगाकर 3 लाख एकड़ भूमि से पानी निकलवाया है। इस काम पर 25 करोड़ रुपए का खर्चा आया है।

उपाध्यक्ष महोदय, आप हैरान होंगे कि इतने कम समय में प्रशासन ने बड़ी मुस्तैदी से खेतों में से पानी बाहर निकाला और समय पर किसानों ने खेतों में बिजाई कर ली। जो बिजाई दो-अढ़ाई महीने बाद होनी थी वह किसानों ने प्रशासन के मुस्तैदी से काम करने के कारण जल्दी कर ली। हरियाणा में डी०ए०पी० की खाद की कमी तो हुई लेकिन हमने पूरे राज्य में डी०ए०पी० देने में कोई कमी नहीं छोड़ी। पहले हमारे यहां पर जितनी बिजाई होती थी पिछले साल उससे ज्यादा एरिया में बिजाई हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, 31.33 लाख हैक्टेयर भूमि पर बिजाई का काम हुआ है। यह काम हमारे मुख्य मंत्री जी की समझ बूझ की बजह से हुआ है। विरोधी पक्ष के भाई असत्य खबरें अखबारों में दिया करते थे कि हरियाणा में डी०ए०पी० खाद की कमी हो रही है और किसानों को डी०ए०पी० खाद नहीं मिल रही है। हमने लोगों की मांग को देखते हुए पहली बार डी०ए०पी० खाद को एक जगह से दूसरी जगह पर शिफ्ट किया और उनकी मांग पूरी की है। जब उन्होंने अखबारों में यह खबर छपवाई थी तो हमने डिप्टी डायरेक्टर के माध्यम से इस बारे में जांच करवाई और कहीं पर भी इसकी कमी नहीं रहने दी। हमारी सरकार ने किसानों को सस्ते दामों पर बिजली दी है। इस सरकार ने इसके लिए 412 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। सिंचाई पर भी मुख्य मंत्री जी ने विशेष ध्यान दिया है। नहरों और ड्रेनों की सफाई का काम बड़ी जोरों से करवाया है। आज कोई भी ड्रेन ऐसी नहीं है जिसकी सफाई न हुई हो। आज किसानों को पानी की कमी कहीं पर भी नहीं है। किसानों का जो भी काम होता है, हमारे मुख्य मंत्री जी सबसे पहले उस पर ध्यान देते हैं। आज पूरे प्रदेश में 2-4 टेलों को छोड़कर ऐसी कोई टेल नहीं है जहां पर पानी न पहुंचता हो। मेरे हल्के में दो ड्रेन्ज थीं जो कि अंटी पड़ी थीं। हमारी सरकार के आने के

बाद उनकी सफाई हुई है। हमारी सरकार ने प्रदेश के लोगों से जो वायदे किए थे, वे पूरे किए हैं इसलिए विरोधी पक्ष के भाई बौखला कर इधर उधर की बातें किया करते हैं। वे हमारी सरकार के बारे में कुछ न कुछ कहते रहते हैं मैं आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगी कि हमारी सरकार पूरे पांच साल चलेगी और हरियाणा में 24 घंटे बिजली देगी। आज पूरे प्रदेश में चौधरी बंसी लाल जी जैसा कोई नेता नहीं है और इसी कारण से उनको परेशानी हो रही है कि आने वाले समय में हम जो किसानों को कम रेट पर बिजली देंगे और 24 घंटे हरियाणा के लोगों को जब बिजली मिलेगी तो फिर इन लोगों के पास कहने के लिए कोई मुद्दा नहीं रह जाएगा। अभी जैसा कि मेरे से पहले बोलते हुए साथियों ने भी बताया कि हरियाणा में आज भ्रष्टाचार में कमी आयी है जबकि पहले हरियाणा में सरकारी नौकरियों की बोलियां लगती थीं। लेकिन हमारी सरकार आने के बाद साफ सुथरे तरीके से मैरिट के आधार पर नौकरी दी जा रही है और किसी से भी इसके बदले में कोई पैसा नहीं लिया जा रहा है। इसी तरह से सड़कों पर भी हमारी सरकार ने बहुत ध्यान दिया है। हमारे मुख्य मंत्री जी ने चार सौ करोड़ रुपये 2520 किलो मीटर्ज की सड़कों की मुरम्मत एवं 65 कि०मी० नयी सड़कें बनाने के लिए दिए हैं। पहले भी चौधरी बंसी लाल जब मुख्य मंत्री थे तो उस समय भी उन्होंने हरियाणा में गांव गांव को सड़कों से जोड़ा था। उस समय कोई गांव ऐसा नहीं था जो सड़क से न जोड़ा गया हो लेकिन जब बंसी लाल जी बाद में मुख्य मंत्री नहीं रहे तो बाद की सरकारों ने इन सड़कों की मुरम्मत पर कोई ध्यान ही नहीं दिया।

जब हमारी सरकार बनी तो हमने पाया कि सड़कों की बहुत ही बुरी हालत है। लेकिन हमारे मुख्य मंत्री जी ने पैसा कम होने के बावजूद भी सड़कों का काफी काम करवाया है और काफी नयी सड़कें भी बनवायी हैं। इस बार भी बजट में चार सौ करोड़ रुपये का प्रावधान इनके लिए किया गया है। इसी तरह से पहले चौधरी बंसी लाल जी के समय हरियाणा रोडवेज का नाम पूरे भारत में हुआ करता था लेकिन जब बाद में चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री बनकर आए तो उनके समय में मंडल आयोग की रिपोर्ट के विरोध में हरियाणा में उनके ही वर्कर्ज ने काफी बसिज जला दी थीं जिसका खामियाजा हरियाणा की जनता आज तक भी भुगत रही है और आज तक हरियाणा रोडवेज की बसिज की हालत नहीं सुधारी जा सकी है। लेकिन हमारे मुख्य मंत्री जी ने इस दिशा में भी काम किया है और इस वर्ष भी कई नई बसिज खरीदी जाएंगी तथा उनके ऊपर पूरा ध्यान दिया जाएगा। हमारे मुख्य मंत्री जी ने अपने कर्मचारियों को केन्द्र सरकार के पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार ही नये वेतनमान दिए हैं जबकि हमारे पड़ौसी राज्यों ने अभी तक भी ऐसा नहीं किया है। इसके अलावा हमारी सरकार ने किसानों को पड़ौसी राज्यों के मुकाबले में गन्ने के सबसे ज्यादा यानी 95/- रुपये प्रति क्विंटल की दर से दाम दिए हैं जबकि हमारे पड़ौसी राज्य इससे दस रुपये कम दे रहे हैं। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने लोकायुक्त की नियुक्ति भी की है। ऐसा करके हमारे मुख्य मंत्री जी ने एक बड़ा ही सराहनीय काम किया है। ऐसा होने से हमारे और जनता के बीच एक विश्वास बना है। अगर हमारा कोई कर्मचारी छोटी सी भी गलती करता था तो उसको तो फौरन पकड़ लिया जाता था लेकिन अगर हमारे पोलिटिकल लोग कोई गलती करते थे तो उनको चैक करने के लिए कोई नहीं था इसलिए हमारे मुख्य मंत्री जी ने लोकायुक्त की नियुक्ति की है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बजट के बारे में इतना ही कहना चाहूंगी कि हरियाणा की जनता के हितों को देखते हुए ही हमारे वित्त मंत्री जी ने यहां पर यह बजट पेश किया है। यह बजट बड़ा सराहनीय है क्योंकि आज इसकी चारों तरफ सराहना हो रही है। हरियाणा विकास पार्टी और बी०जे०पी० ने चुनावों के दौरान जनता से जो वायदे किए थे उनमें से ज्यादातर तो मुख्य मंत्री जी ने पूरे कर दिए हैं अब केवल बिजली का वायदा ही पूरा होना बाकी है। इसी वजह से हमारे विपक्षी भाईयों को तकलीफ हो रही है क्योंकि उनको पता है कि अगर यह वायदा भी पूरा हो गया तो उनके पास कहने के लिए कोई बात नहीं रह

[श्रीमती कृष्णा गहलावत]

जाएगी। आज हमारे पास 850 मेगावाट बिजली है लेकिन आने वाले समय में 1200 मेगावाट बिजली का और उत्पादन हो जाएगा और तब हमारे नागरिकों को पूरी बिजली मिलेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, पहले भी बिजली के उत्पादन काम हमारे मुख्य मंत्री चौधरी बंसीलाल जी ने ही किया था। उसके बाद से कितने ही मुख्य मंत्री आए लेकिन उन्होंने बिजली के उत्पादन की दिशा में कोई ध्यान नहीं दिया। बिजली की खपत दिन-प्रति दिन बढ़ती ही जा रही है। पहले गांवों में औरतें सारे काम हाथ से करती थीं लेकिन अब वे सारे काम बिजली से होते हैं। लेकिन इसके उत्पादन की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने 1996 में सत्ता संभाली और सत्ता संभालने के तुरन्त बाद ही उन्होंने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिए। उन्होंने नये बिजली के प्लांटस लगाए जिसके परिणामस्वरूप अब 1200 मेगावाट बिजली बनकर तैयार हो जायेगी। अब लोगों को 24 घंटे बिजली मिलेगी और किसानों को सस्ती दर पर बिजली मिलेगी। यह काम जल्दी पूरा हो जाएगा। इसके अलावा अब मैरिट के आधार पर नौकरियां मिलती हैं। अब गरीबों का विशेष ध्यान रखा जाता है। बुढ़ापा, विधवा और विकलांग पेंशन हर महीने की सात तारीख से पहले मिल जाती है। पिछली सरकारों के समय में यह पेंशन 9-9 महीने की इकट्ठी मिलती थी। गांव में सब तरह के परिवार होते हैं कई बुजुर्गों से वह राशि उनके घर वाले ले लेते थे और वे फिर से इंतजार करते थे कि अब कब पेंशन मिलेगी ? इस सरकार के आने के बाद से यह पेंशन हर महीने दी जाती है। हमारे इस बजट में हर किस्म की नागरिक सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। मैं इतना ही कहना चाहूंगी कि यह कर रहित बजट है और बहुत बढ़िया बजट है। इसको पेश करने के लिए मैं वित्त मंत्री जी का व मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करती हूं। इसके अलावा आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया, उसके लिए भी मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेती हूं।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (श्री जसवन्त सिंह) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। उपाध्यक्ष महोदय, जैसाकि आप जानते हैं कि आज विश्व में आर्थिक मंदी का दौर है इसके बावजूद वित्त मंत्री जी ने जो कर रहित बजट पेश किया है वह बहुत बड़ी बात है। जब विश्व में आर्थिक मंदी का दौर हो उस समय भी यदि कर रहित बजट पेश करें तो यह कोई छोटी बात नहीं है। इसके लिए मैं वित्त मंत्री जी को मुबारिकबाद व बधाई देता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जैसाकि आप जानते हैं कि चुनाव के दिनों में हरियाणा विकास पार्टी व भारतीय जनता पार्टी जनता से कुछ चुनावी वायदे करके यहां आई थी। मौजूदा सरकार व सरकार के मुखिया चौधरी बंसी लाल जी ने जो जनता से वायदे किए थे उन्हें इस सरकार ने ईमानदारी से पूरा करने की पूरी कोशिश की है, जैसाकि आप जानते हैं कि हरियाणा में भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया था कि उस पर कंट्रोल करना बड़ी मुश्किल बात हो गई थी। नौकरियां सरेआम नीलाम होने लगी थीं और जब कोई इलाज नहीं बचा उस समय चौधरी बंसी लाल जी ने लोकपाल की नियुक्ति की। हरियाणा लोकपाल अधिनियम 1997 की धारा-3 के अन्तर्गत लोकपाल की नियुक्ति करनी पड़ी। जो नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार का बोलबाला था, उसको कंट्रोल करने के लिए यह नियुक्ति हुई। लोकपाल के दायरे में मुख्य मंत्री, मंत्रीगण, विधायकगण, जिला परिषद के सदस्य और अधिकारियों में मुख्य सचिव से लेकर नीचे तक के सभी अधिकारी आते हैं। लोकपाल की स्थापना इसलिए हुई क्योंकि सरकार की नीयत साफ थी, मुख्य मंत्री से लेकर सभी कर्मचारियों तक को इसमें लाया गया यह इस सरकार की साफ नीयत का प्रतीक है। इसके साथ-साथ सरकार ने हर क्षेत्र में उन्नति की। मैं बिजली के बारे में थोड़ा बताना चाहूंगा। मौजूदा सरकार हरियाणा में 24 घंटे बिजली देगी। आप

जानते हैं कि बिजली एकदम से पैदा नहीं हो सकती। 24 घंटे बिजली के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार ने पूरी कोशिश की है और इस कोशिश का नतीजा यह है कि लक्ष्य नजदीक है।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे रिवाड़ी जिले में कुछ उप-केन्द्रों की स्थापना हुई है। 33 के०वी०ए० का सब-स्टेशन मॉडल टॉउन रिवाड़ी में बनाया गया है, 132 के०वी०ए० का सब-स्टेशन बावल में बनाया गया है और पाली गोठड़ा में 132 के०वी०ए० का सब स्टेशन लगाया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, पहले रिवाड़ी जिले में बिजली की लाईन दादरी से आती थी । उस समय अगर कोई लाईन में फाल्ट हो जाता था तो हमारे पूरे इलाके को बिजली से महरूम रहना पड़ता था। लेकिन मौजूदा हरियाणा की सरकार ने आठ करोड़ रुपये लगाकर बादशाहपुर-रिवाड़ी लाईन बिछाई है जिसके कारण अब अगर दादरी लाईन में फाल्ट होता भी है तो भी हमारा इलाका बिजली से महरूम नहीं रहेगा। बिजली की स्लैब प्रणाली से भी हमारे हल्के को बड़ा फायदा हुआ है खासकर मेरे हल्के को और रिवाड़ी हल्के को जोकि मरूस्थल कहा जाता है। इस बात को लेकर लोग मौजूदा सरकार की प्रशंसा कर रहे हैं। 1998-99 में बिजली पर 825.75 करोड़ रुपये खर्च किये गये थे लेकिन वर्ष 1999-2000 के साल के लिए इस खर्च को बढ़ाकर 943 करोड़ रुपये कर दिया गया है जो सरकार की साफ नीयत को दर्शाता है कि यह सरकार बिजली का काम बड़ी ईमानदारी के साथ करना चाहती है। इस बर्ष बिजली के उत्पादन की क्षमता 1200 मैगावाट और बढ़ाने की है । किसानों की सहायता के लिए दी जाने वाली राशि जो 1998-99 में 364 करोड़ रुपये थी, अब उसको बढ़ाकर वर्ष 1999-2000 के लिए 412 करोड़ रुपये कर दिया गया है। मौजूदा सरकार ने किसानों की सबसिडी को बढ़ाया है। हरियाणा के मुख्य मंत्री हमारे हाऊस के नेता चौधरी बंसी लाल जी ने 30 जून, 1999 तक हरियाणा के लोगों को 24 घण्टे बिजली देने का वायदा किया है और वे प्रदेश के पहले मुख्य मंत्री हैं जिन्होंने 24 घण्टे बिजली देने की डेट निर्धारित कर दी है। इससे पहले किसी भी सरकार ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की थी। सिंचाई के मामले में मौजूदा सरकार ने बहुत बड़ा काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से इस हाउस को बताना चाहता हूं कि अहीरवाल के लिए जे०एल०एन० कैनाल पहुंचाने की उस समय हरियाणा की सबसे बड़ी उपलब्धि थी। परन्तु पिछले 15-20 सालों के समय में उस नहर की मरम्मत तक किसी सरकार ने नहीं करवाई, न उसकी गाद निकलवाई गई। मौजूदा सरकार ने आने के बाद उस नहर की गाद निकलवाई है और मरम्मत का काम किया है। आज उस नहर में आखिरी टेल तक पानी पहुंचता है, मेरे हल्के में और सारे अहीरवाल में आज आखिरी टेल तक पानी पहुचता है। अहीरवाल के क्षेत्र की और हमारे हल्के की पिछले कई सालों से एक मांग थी रिवाड़ी लिफ्ट इरीगेशन स्कीम की। लेकिन हमारी यह मांग किसी सरकार ने पूरी नहीं की। चौधरी बंसी लाल जी ने नाबार्ड के सहयोग से रिवाड़ी लिफ्ट इरीगेशन स्कीम के लिए 39.60 करोड़ रुपये की राशि मंजूर करवाई है। इस स्कीम के तहत 99 गांवों की 78790 एकड़ भूमि को सिंचित किया जावेगा जिससे हमारे इलाके को बड़ा फायदा होगा। जहां तक सड़कों की बात है उपाध्यक्ष महोदय, जब 1995 में बाढ़ आई उस समय सारे हरियाणा की सड़कों की व्यवस्था खराब हो गई थी लेकिन उस समय की सरकार ने इसके लिए कुछ काम नहीं किया। मौजूदा सरकार ने सड़कों की मरम्मत का बड़ा भारी काम किया है। इस सरकार ने नवम्बर तक 1931 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत का काम किया है, सुधार का 13.00 बजे काम किया गया है और 35.30 किलोमीटर नयी सड़कें बनाई गई हैं। इसके अलावा वर्ष 1999-2000 के दौरान विभिन्न योजनागत तथा गैर-योजनागत स्कीमों के अंतर्गत 400 करोड़ रुपए के प्रावधान से 65 किलोमीटर नई सड़कें और लगभग 2520 किलोमीटर की लम्बाई की सड़कों में सुधार करने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार के प्रयत्नों से कुल 448 किलोमीटर लम्बे पांच राज्य राजमार्गों को केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जा चुका है, इन में हमारा बावल, झज्जर व रिवाड़ी का

[श्री जसवन्त सिंह]

अहीरवाल का क्षेत्र भी सम्मिलित है। इससे हमें बहुत फायदा होगा क्योंकि अभी हमें राजस्थान से इधर आते समय दिल्ली क्रॉस करना पड़ता है लेकिन ये राष्ट्रीय राजमार्ग बनने के उपरांत हमें चण्डीगढ़ आने के लिए दिल्ली जाना नहीं पड़ेगा। इसके साथ-साथ मौजूदा सरकार हर जिले के अंदर न्यायिक परिसर एवं लघु सचिवालय स्थापित करने जा रही है तथा यह कार्य हर जिले में पूरे जोरों पर है। रिवाड़ी के अंदर भी यह कार्य बड़ी तीव्र गति से चल रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं नागरिक उड्डयन विभाग के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। जब हरियाणा का गठन हुआ था तो उस समय हमें हिसार और करनाल के केवल दो क्लब ही मिले थे और बाद में पंचकूला का क्लब भी बनाया गया। लेकिन पिछली सरकारों ने जब इस बारे में कोई रचनात्मक कार्य नहीं किया तो हिसार का क्लब जो कि बहुत बढ़िया क्लब माना जाता था, वह बंद हो गया था। अब उसे मौजूदा सरकार ने आकर चालू किया है। वर्ष 1998-99 में 4500 उड्डयन घंटे तथा 6000 ग्लाइडिंग लांचिज़ के लक्ष्य के समक्ष विद्यार्थियों ने 2759.50 घंटे का उड्डयन प्रशिक्षण तथा 2567 ग्लाइडिंग लांचिज़ की तथा 2 ने प्राईवेट पायलट लाईसैंस व 3 ने स्टूडैंट पायलट लाईसैंस प्राप्त किए हैं। इस समय 13 हवाई जहाज तथा 10 ग्लाइडर, उड्डयन तथा ग्लाईडिंग प्रशिक्षण हेतु उपलब्ध हैं। तीनों विमानन क्लबों को मिलाकर एक हरियाणा इंस्टीच्यूट ऑफ सिविल एविएशन बनाने की योजना सरकार द्वारा स्वीकृत कर दी गई है और यह इंस्टीच्यूट शीघ्र ही कार्य करना शुरु कर देगा। हमारे विभाग ने राज्य में प्रति जिले के अंदर एक हैलीपैड बनाने की योजना भी बनाई है।

उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में मत्स्य पालन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। पहले "हरित क्रांति", फिर "श्वेत क्रांति" पर जोर दिया गया था। अब यह सरकार "नीली क्रांति" पर खास ध्यान दे रही है। इसके लिए हरियाणा में 3 नई मत्स्य मंडियां फरीदाबाद, पानीपत और यमुनानगर में शीघ्र ही बनने जा रही हैं। इनके लिए काम चालू है। मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि पहले हम मछली का बीज बाहर से मंगवाते थे, लेकिन हम अब इस हालत में हो गए हैं कि अब हम बहुत ही कम मछली का बीज बाहर से मंगवा रहे हैं। इसके लिए हरियाणा में लगभग 83 फार्मर्ज़ लगे हुए हैं जिन्होंने इसके बीज उत्पादन का काम शुरू किया हुआ है। इस क्षेत्र में प्राईवेट सैक्टर में 5 हैचरी भी चल रही हैं तथा यह काम पूरे जोरों पर हरियाणा में चल रहा है। हरियाणा राज्य ने 2187 कि०ग्रा०प्रति हैक्टेयर के राष्ट्रीय मत्स्य उत्पादन लक्ष्य के समक्ष 4193 कि० ग्रा० प्रति हैक्टेयर मत्स्य उत्पादन कर के हिन्दुस्तान में पहली बार प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा "फ्रैश वाटर कल्चर" पर भी राज्य में कार्य हुआ है। इसमें हमारी बहुत ही अच्छी प्रोडक्शन आई है। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि जो 6 महीने की प्रोडक्शन ऐवरेज है वह एक हजार हैक्टेयर आई है In one of the ponds a farmer has produced 1000 kg./hectare of prawn in a period of 6 months. This production figure compares very well with the production figures achieved in the States where prawn culture is being carried out for quite some time. उपाध्यक्ष महोदय, जो बहुत दिनों से यह काम कर रहे थे वे इसको पूरा नहीं कर सके लेकिन हम एक साल की मेहनत और लगन से इस काम के बिल्कुल नजदीक पहुंच गये हैं और जल्दी ही यह काम पूरा हो जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं आपके माध्यम से इस हाउस को कृषि के बारे में भी कुछ बातें बताना चाहूंगा। मेरे विपक्ष के भाई कहते हैं कि हरियाणा प्रदेश के अंदर किसानों को समय पर बीज और खाद नहीं मिली। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना

चाहता हूं कि हमारे किसानों को समय पर खाद और बीज ही नहीं बल्कि उनको समय पर बिजली भी दी गई ताकि किसान समय पर अपनी फसल की सिंचाई कर सकें। इसके अतिरिक्त हरियाणा प्रदेश से लगते राज्य राजस्थान के किसान भी हरियाणा प्रदेश से खाद और बीज ले जाते थे क्योंकि हरियाणा प्रदेश के अंदर खाद और बीज समय पर मिलते थे।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि वर्ष 1999-2000 के दौरान योजनागत और गैर-योजनागत स्कीमों के लिए राज्य सरकार ने कृषि और इससे संबंधित गतिविधियों के लिए 316.07 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया है। इससे साफ जाहिर होता है कि हमारी सरकार कृषि क्षेत्र में विकास करने के लिए कितनी चिंतित है और कितना काम करना चाहती है। इस तरह से कृषि के क्षेत्र में हमारी सरकार ने बहुत उन्नति की है। उपाध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने उद्योग के क्षेत्र में भी बहुत उन्नति की है। वर्ष 1999-2000 के दौरान 2000 लघु उद्योग इकाई तथा 40 बड़ी और मध्यम उद्योग इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के बावल में विकास केंद्र फेस-1 पूरा कर लिया गया है और फेस-2 के तहत 500 एकड़ भूमि विकसित करने का काम शुरु कर दिया गया है। इस तरह से औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी प्रगति हो रही है। यह मौजूदा सरकार की सही नीतियों को दर्शाता है कि मौजूदा सरकार उद्योग के क्षेत्र में कितना विकास करना चाहती है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त पब्लिक हैल्थ के क्षेत्र में भी मौजूदा सरकार ने बहुत उन्नति की है और वर्ष 1999-2000 के दौरान राज्य सरकार ने विभिन्न योजनागत और गैर-योजनागत स्कीमों के तहत स्वास्थ्य सेवाओं पर 309.28 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया है। उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार ने बड़ी उन्नति की है। मौजूदा सरकार ने जितने स्कूलों का दर्जा अपने कार्यकाल के दौरान बढ़ाया है उतने स्कूलों का दर्जा पिछले 15-20 साल में भी नहीं बढ़ा था। मौजूदा सरकार ने बड़े कालेज, छोटे स्कूल और शिक्षा से संबंधित सुविधायें बढ़ाई हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको अपने हल्के बावल के बारे में बताना चाहता हूं कि बावल में एक कालेज है, उसकी बिल्डिंग नहीं थी। वह कालेज नाभा के महाराजा के समय में जो एक अनाज मण्डी बनी थी, उसमें लगता था लेकिन मौजूदा सरकार ने 45 लाख रुपये लगाकर एक साल के अंदर बावल कालेज की बिल्डिंग का निर्माण करवाया।

उपाध्यक्ष महोदय, यह कोई छोटा काम नहीं है, यह बहुत बड़ा काम है। उपाध्यक्ष महोदय, परिवहन के क्षेत्र में भी मौजूदा सरकार ने बहुत उन्नति की है। बेरोजगार युवकों को मैक्सी कैब परमिट दिये गये हैं और 125 कि०मी० तक बसों के परमिट देने का मामला भी सरकार के विचाराधीन है। ऐसा करने से बेरोजगारी दूर होगी। हरियाणा प्रदेश के बेरोजगार युवक इस काम के लिए हरियाणा सरकार का अहसान मानते हैं और वे इसके लिए हरियाणा सरकार की बड़ाई भी करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने पर्यटन के क्षेत्र में भी काफी उन्नति की है। मौजूदा सरकार ने चालू वर्ष के दौरान रिवाड़ी के पर्यटन केन्द्र में अतिरिक्त कमरों का निर्माण किया है, इससे लोगों को काफी सुविधा होगी खासतौर से रिवाड़ी के रहने वालों को। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कुछ बातें कानून-व्यवस्था के बारे में भी बताना चाहूंगा। कानून-व्यवस्था की स्थिति भी हरियाणा प्रदेश में ठीक है। मेरे विपक्ष के भाई कह रहे थे कि हरियाणा प्रदेश में डैड बॉडीज बहुत ज्यादा मिलती हैं । इस बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश का इलाका दिल्ली और राजस्थान से लगता है। दिल्ली और राजस्थान में जो मर्डर होते हैं क्रिमिनल लोग उनमें से बहुत सी डैड बॉडीज हमारे यहां फैंक कर चले जाते हैं। इस बारे में यह नहीं पता चला है कि कौन फैंककर जाता है। ऐसे बहुत से केस आये भी हैं कि डैड बॉडी कोई बाहर से फैंककर चला गया। लेकिन फिर भी हरियाणा प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक है।

[श्री जसवन्त सिंह]

उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार हरिजन, बैकवर्ड और समाज के गरीब वर्गों पर खास ध्यान दे रही है। इन्हें नौकरियों में सही आरक्षण दिया जा रहा है जोकि पहली सरकारों ने नहीं दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के हरिजन और बैकवर्ड भाई आज चौधरी बंसी लाल जी के हाथों में सुरक्षित हैं। उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने 1999-2000 के बजट में 22.67 करोड़ रुपये का घाटा होने के बावजूद भी कोई नया कर नहीं लगाया है। बजट में एक अच्छी बात यह भी है कि बजट घाटे को आर्थिक लचीलेपन व कर चोरी की रोकथाम तथा राजस्व की बकाया वसूली के जरिये पूरा किया जायेगा। इसमें कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया गया है। नये बजट में सरकार ने बिजली, सिंचाई, सड़कों और परिवहन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है और अन्य प्राथमिकताओं में कृषि एवं संबंधित सेवाओं तथा व्यावसायिक शिक्षा में विस्तार जैसे मुद्दे शामिल किये हैं। किसानों के लिये बिजली, सिंचाई, बीजों व उर्वरकों आदि पर सबसिडी जारी रखने का प्रावधान किसानों के लिये उत्साहवर्धक है। हरियाणा कृषि प्रधान राज्य होने के कारण सरकार ने किसानों का खास ध्यान बजट में रखा है। यह बजट समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इस बजट से किसान, व्यापारी, मजदूर, नौकरी पेशा व्यक्ति, समाज के हर ऊंचे व निम्न वर्ग के व्यक्ति यानी सभी को फायदा होगा। इस कर रहित बजट से समाज के हर वर्ग को राहत मिलेगी। इसके लिये मैं वित्त मंत्री जी को अपनी तरफ से और हरियाणा की जनता की तरफ से एक बार फिर बधाई देता हूं और मैं फिर से माननीय मुख्य मंत्री जी को एवं वित्त मंत्री जी को, उन अधिकारियों और कर्मचारियों को जिन्होंने इस बजट के बनाने में सहयोग दिया, बधाई देता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका भी धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री उपाध्यक्ष : श्री जसवन्त सिंह जी, आपका धन्यवाद कि आपने कुछ नई बातें सदन में रखीं।

श्री कपूर चन्द शर्मा (शाहबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने बजट पर चर्चा करने के लिये जो समय मुझे दिया है, उसके लिये मैं आपका आभार प्रकट करता हूं, धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, 3 फरवरी को यहां पर वर्ष 1999-2000 के लिये जो बजट प्रस्तुत किया गया है उसको ध्यान से सुनने, पढ़ने और मनन करने के पश्चात् मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि हरियाणा का यह कर रहित बजट एक संतुलित समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुये और कमजोर बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिये तैयार किया गया है। इसके लिये मैं हरियाणा के वित्त मंत्री श्री चरणदास जी तथा हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी एवं हरियाणा विकास पार्टी तथा भाजपा की गठबन्धन सरकार को बधाई देना चाहता हूं और उनका धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार से पहले जो भी सरकारें आईं उनमें से किसी ने भी बिजली की ओर ध्यान नहीं दिया जबकि बिजली की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी और आज भी बढ़ रही है लेकिन पिछली सरकारों ने सारे हरियाणा प्रदेश के अन्दर एक भी नया संयंत्र बिजली का नहीं लगाया। जो भी लाइनें और जो भी बिजली गांव-गांव, देहात-देहात में चौधरी बंसी लाल जी ने भेजी थी उसमें कोई भी विस्तार या विकास नहीं हुआ। बिजली का कोई भी नया संयंत्र नहीं लगाया गया जबकि बिजली की हा-हाकार मची हुई है। जब हम चुनावों के दौरान वोट मांगते थे तो हमारे सामने सबसे प्रमुख समस्या बिजली का मुद्दा था क्योंकि आज देश में बिजली की प्रधानता से सब काम हो रहे हैं। घर में जो भी काम हो, सिंचाई का काम हो, चारा काटने की मशीन हो, टी०वी०, फ्रिज, कपड़े धोने की मशीन, सिलाई की मशीन, दूध बिलौना, ये सब काम बिजली से हो रहे हैं और दिन-प्रतिदिन इसकी मांग बढ़ती ही जा रही है। इसीलिये आज बिजली की समस्या सबसे अधिक है। आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी ने 11 मई, 1996 को शपथ ग्रहण की थी उसी दिन से इन्होंने बिजली के काम को पूरा करने

के लिए बीड़ा उठाया था। बिजली के बारे में जो काम इन्होंने किए हैं उनका परिणाम आज हमारे सामने आ रहा है। यह परिणाम सन्तोषजनक हैं और जनता उनसे सन्तुष्ट है। इससे पहले हरियाणा प्रदेश में बिजली उत्पादन, प्रसारण और वितरण प्रणाली अव्यवस्थित थी। आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व वाली हविपा-भाजपा गठबंधन सरकार ने प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली देने की व्यवस्था की और प्रदेश की जनता को 24 घंटे बिजली देने के अपने वायदे को पूरा किया है। बिजली उत्पादन क्षेत्र में 1995-96 में कुल 863 मैगावाट बिजली की उत्पादन क्षमता थी लेकिन हमारी सरकार ने पिछले 32 महीनों में लगभग 1200 मैगावाट और बिजली उत्पादन करने के लिए ठोस उपाय किए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, 210 मैगावाट पानीपत तापीय बिजली संयन्त्र यूनिट-6, राष्ट्रीय तापीय विद्युत निगम का फरीदाबाद में 432 मैगावाट का गैस-आधारित बिजली संयन्त्र, निजी क्षेत्र में 300 मैगावाट की तरल-ईंधन क्षमता, पानीपत तापीय बिजलीघर में 270 मैगावाट बिजली उत्पादन की बढ़ौतरी और भाखड़ा बिजलीघरों का नवीकरण तथा कार्यक्षमता की अवधि बढ़ाना कुछेक ऐसी परियोजनाएं हैं जिन पर कार्य किया जा रहा है। हमारी सरकार द्वारा यमुनानगर में 500 मैगावाट वाले तापीय बिजली उत्पादन केन्द्र के लिए स्वतंत्र बिजली उत्पादक के चयन हेतु विश्व-निविदाएं आमन्त्रित की गई हैं। उपाध्यक्ष महोदय, वर्ष 1998-99 के दौरान पारेषण तथा वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने की प्रक्रिया में और तेजी लाई गई। रोहतक में एक नया 220 के०वी० वाला उपकेन्द्र, अम्बाला छावनी के औद्योगिक क्षेत्र में 66 के०वी० वाला उपकेन्द्र, धर्मगढ़, द्वारका एंथोन्था, माडल टाउन, रिवाड़ी में 33-33 के०वी० वाले 8 नए बिजली उप-केन्द्रों को शुरू किया गया है। इनके अतिरिक्त 220 के०वी० वाले 6 नए बिजली उप-केन्द्रों को, 132 के०वी० वाले 9 उप-केन्द्रों, 66 के०वी० वाले 4 उप-केन्द्रों और 33 के०वी० वाले 10 उप-केन्द्रों की क्षमता में संवर्धन किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, इस दिशा में किए गए भरसक प्रयत्नों के परिणाम अब नजर आने लगे हैं। गत वर्ष के दौरान प्रतिदिन 348 लाख यूनिट की बिजली उपलभ्यता के मुकाबले में इस वर्ष प्रतिदिन 371 लाख यूनिट बिजली की उपलभ्यता हुई, जोकि 6 प्रतिशत से अधिक वृद्धि रही। उपाध्यक्ष महोदय, हम तो अपने चुनावी वायदों को पूरा करने में लगे हुए हैं। हमने चुनावों के दौरान लोगों से जो वायदे किए थे उनमें से बहुत से वायदे पूरे भी कर दिए हैं और जो शेष वायदे हैं वे आने वाले दो वर्षों में पूरे कर देंगे। हमारी सरकार द्वारा जनता से किया गया कोई भी वायदा बाकी नहीं रहेगा। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में झांसा नगर में 33 के०वी० और डंगाली में 32 के०वी० सब स्टेशन स्वीकार हुए हैं जिन पर काम शुरु हो रहा है। जहां तक सिंचाई का सवाल है हमारे से पहले वाली सरकारों के समय में हरियाणा प्रदेश के अन्दर सिंचाई की सुचारू व्यवस्था नहीं थी।

उपाध्यक्ष महोदय, जून के महीने में आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी के साथ मैं भी अम्बाला के पास जनसुई हैड से कैथल तक गया था और उस समय नहरों का निरीक्षण किया गया था। उस समय पेहवा में सरस्वती ड्रेन के अन्दर बहुत बड़े-बड़े पेड़ खड़े थे और वह ड्रेन मिट्टी से भरी पड़ी थी। उस समय इन्होंने वहां के एक्सीयन और एस०डी०ओ० को बुलाया और कहा कि कितने दिन के बाद इस ड्रेन की सफाई होती है तो उन्होंने कहा कि हर पांच साल के बाद इसकी सफाई होती है। उस समय इन्होंने जनता से पूछा कि इस ड्रेन में जो पेड़ खड़े हैं ये कितने सालों से हैं। कोई कहता है 10 सालों से हैं और कोई कहता है 15 सालों से हैं। जब वे पेड़ 15 साल से हैं तो फिर उस ड्रेन की सफाई पांच साल में कैसे होती है और उसमें पानी कैसे जा सकता था ? नहरों की सफाई की तरफ हमारी सरकार द्वारा पूरा ध्यान दिया गया और उनकी सफाई की गई जिसके कारण आज हर नहर की टेल एंड पर पानी पहुंच रहा है। इस वर्ष बिजली में भी काफी अच्छा सुधार किया गया। मेरे क्षेत्र में जमींदारों को बिजली ठीक ढंग से मिल रही है। सिंचाई का पानी भी अच्छा मिला है वहां पर फसलें भी बहुत बढ़िया हुई हैं। बिजली

[श्री कपूर चन्द शर्मा]

में पहले से सुधार है पर्याप्त सुधार नहीं है किन्तु सुधार है। आने वाले समय में हम जमींदारों को पूरी बिजली देंगे जिससे जमींदारों को पानी मिलेगा। जब किसानों के ट्यूबवैल्ज चलेंगे तो किसान अपनी बिजाई और कटाई कर पायेंगे। जमींदारों को काम मिलेगा और मजदूरों को मजदूरी मिलेगी। आढ़तियों को आढ़त मिलेगी जिससे देश का उत्थान होगा यानी हमारे किसान हर प्रकार से उन्नत होंगे। हमारा यह कदम श्रेष्ठ है। हमारी सरकार हथनीकुण्ड बैराज का भी निर्माण कर रही है। ताजेवाला हैड वर्कस बहुत पुराना हो चुका था, उसके किनारे जरजर हो चुके थे। वहां पर हम ज्यादा पानी इकट्ठा नहीं कर सकते थे, इसलिए अब हथनीकुण्ड बैराज का निर्माण किया जा रहा है। इससे हरियाणा प्रदेश को और मेरे इलाके के लोगों का लाभ होगा। मुख्यमंत्री जब चुनाव से पहले मेरे क्षेत्र में आए थे तो उस वक्त इन्होंने दादूपुर नलवी नहर को बनाये जाने का आश्वासन दिया था। उस नहर के बनने का जनता बहुत ही उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही है मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि इस काम को सिरे चढ़ायें। **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह पदासीन हुए।)**

सभापति महोदय, मेरा कुरुक्षेत्र जिला सबसे ज्यादा पैदावार करने वाला जिला है। यदि जमींदारों को पूरा पानी मिले तो वे और अधिक फसल पैदा कर सकते हैं। इस वक्त भी हमारा जिला 3-3 फसल पैदा करता है। जीरी की फसल, कनक की फसल और सूरजमुखी की फसल पैदा करता है। इसके अलावा हमारे एरिया में आलू की फसल और गन्ने की फसल भी बहुत अधिक मात्रा में पैदा होती है। हमारी जमीन बहुत उपजाऊ है लेकिन वहां पानी की कमी है। हमारे यहां पर पानी की सतह काफी नीचे है। हमारे यहां शाहबाद के साथ मारकंडा नदी बह रही है। वहां पर जो पहले झील थी वह 5500 एकड़ जमीन में फैल चुकी है। पिछले दिनों हमने वहां का दौरा किया था। वहां पर 3000 एकड़ जमीन ऐसी है जिसमें केवल एक ही फसल होती है। मेरा सुझाव है कि सरकार उस जमीन को ऐक्वायर कर के वहां पर एक टैंक बना दे। इस टैंक के बनने से वहां पर पानी रोका जा सकेगा और जो पानी मारकंडा नदी का पंजाब में बेकार जा रहा था वह नहीं जायेगा और जो पानी इकट्ठा होगा उससे हमारे कुरुक्षेत्र जिले को साल भर पानी मिलता रहेगा। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)**

अध्यक्ष महोदय, अब मैं शिक्षा के बारे में कुछ बातें कहना चाहता हूं। हमारे शिक्षा मंत्री श्री रामबिलास शर्मा जी स्वयं प्रौफेसर हैं, हमारे अध्यक्ष प्रौफेसर हैं और हमारे उपाध्यक्ष महोदय भी प्रौफेसर हैं। इसके अलावा हमारे और कई मंत्री व विधायक भी अध्यापक आदि रहे हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि इन सभी का विशेष ध्यान शिक्षा की तरफ है। पिछले साल हरियाणा में 464 स्कूल अपग्रेड हुए थे। मेरे जिले में भी 14 स्कूल अपग्रेड हुए थे। इस समय विपक्ष के भाई हमारे सामने नहीं हैं। अशोक कुमार गाबा, मायना जी व जसविन्द्र सिंह आदि कह रहे थे कि हमारे एरिया में कोई स्कूल अपग्रेड नहीं हुए। मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगा कि पिछले साल पेहवा में 3, कुरुक्षेत्र में 5 और शाहबाद में 7 स्कूल अपग्रेड हुए थे। विपक्ष के भाई एक और एक को दो नहीं कहेंगे बल्कि तीन कहेंगे। यह उनकी ठीक बात नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, मई 1996 में इस सरकार के शपथ ग्रहण करने के बाद काम शुरू किया था तब से लेकर अब तक सड़कों की स्थिति को भी सुधारने का विशेष प्रयास किया है। जून के महीने में जनसुई हैड से मुख्य मंत्री बंसी लाल जी, राजस्व मंत्री श्री सूरजपाल जी और मैं पेहवा रैस्ट हाउस में गए। वहां पर जनता का खुला दरबार लगा। उस वक्त सभी की बातें सुनी गईं। वहां पर जनता ने मांग की कि पेहवा एक ऐसा स्थान है जहां पर हरियाणा और पंजाब के कोने-कोने से हजारों लोग प्रतिदिन आते हैं

क्योंकि यह एक धार्मिक तीर्थ स्थल है। पेहवा में चैत की अमावस पर बहुत भारी मेला लगता है और लाखों की संख्या में जनता यहां पर उपस्थित होती है। वहां पर लोगों ने कहा कि कुरुक्षेत्र से पेहवा तक सड़क बहुत खराब है, जर्जर है और उसमें गड्ढे पड़े हुए हैं तथा किसी भी सरकार ने इस सड़क की रिपेयर नहीं करवाई है। जसविन्द्र सिंह जी ने मांग की और चौधरी बंसी लाल जी ने उनकी मांग को स्वीकार किया और कुछ ही दिनों के बाद कुरुक्षेत्र से पेहवा तक की सडक को तैयार किया। उस सड़क पर कुछ नुक्स है जो कि मैं जानता हूं। ज्योतिसर के पास घग्गर नदी का सैलाब सड़क को रहने नहीं देता है, ओहार माजरा के पास भी निचाई है इसलिए सड़क वहां पर भी ठीक नहीं है। मुस्तापुर के पास भी सड़क में नुक्स है। यह सड़क डेढ़ से दो साल में एक-एक किलोमीटर तैयार हुई और आज इतनी बरसात हुई कि हमारे इलाके की कई सड़कें फिर से टूट गई हैं। इतना ही नहीं मेरी सरकार ने शाहबाद से लाडवा तक सड़क को नये सिरे से बनवाया तथा बराड़ा से शाहबाद तक भी नये सिरे से बनाया गया है। गांवों में पहुंचने के लिए जितने भी लिंक रोड्ज़ थे सब की रिपेयर की गई है और कुछ नयी सड़कें भी बनाई गई हैं। किन्तु इस बारिशों ने बनी हुई सड़कों को खराब कर दिया है। मुझे पूर्ण आशा है कि मार्च-अप्रैल से पहले जितनी भी सड़कें बरसात की वजह से खराब हुई हैं उन सब की रिपेयर हो जाएगी। पिछले दिनों हमारे पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर चौधरी कर्ण सिंह दलाल, नलवी में एक प्रोग्राम में गए थे और वहां की जनता ने तथा मैंने वहां पर रैस्ट हाउस में उनसे मिल कर यह मांग की थी कि मेरे हल्के की कुछ ऐसी सड़कें हैं जो कि बननी चाहिएं। उन्होंने सभी सड़कों को बनाना स्वीकार किया। मेरी सबसे पहली और विशेष मांग है कि शाहबाद रेलवे फाटक से खोल-इस्माईलाबाद जो सड़क जाती है उस पर रेलवे का फाटक पड़ता है। यह डबल रेलवे लाईन है और बिजली से चलने वाली गाड़ियां भी इस लाईन पर चलती हैं जिसके कारण फाटक आधा-घण्टा तक बन्द रहता है। अध्यक्ष महोदय, देहात से आने वाले कई मरीज़, कोई डिलिवरी केस हो या किसी को चोट आदि लग जाए और खून बह रहा हो अगर उसको फाटक पर आधा घण्टा रुकना पड़े तो उस पर क्या बीतेगी। सरकार से मेरी मांग है कि उस पुल के नीचे से पहले भी कच्चा रोड बना हुआ था अब भी वहां पर रोड बना दिया जाए जिससे कार, स्कूटर, साईकल, रेहड़ा आदि वाहन वहां से जा सकें और लोगों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो ताकि वे बीमार या चोट लगे हुए व्यक्ति को अस्पताल में ठीक ढंग से पहुंचा सकें। मेरी यह मांग है कि यह सड़क तुरन्त बननी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा विभाग से मेरा सम्बन्ध है। हरियाणा में शिक्षा के पाठ्यक्रम में चरित्र निर्माण के लिए, देशभक्ति निर्माण करने के लिए, अपने कर्त्तव्य का पालन करने के लिए अपने ऋषि-मुनियों और पूर्वजों के संस्कारों का हम ध्यान रखें। श्रीमद् भागवद् गीता, रामायण, सत्यार्थ प्रकाश, गुरु ग्रन्थ साहब और कुरान शरीफ जैसे ग्रन्थों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। इससे जनता को लाभ होगा और आने वाली पीढ़ियों को भी इससे लाभ होगा। चरित्र निर्माण के लिए कहा जाता था--

विद्या ददाति विनियम, विनय ददाति पात्रतम
पात्रता ददाति धनम धना धर्मसतया सुखम।

अर्थात् विद्या से नम्रता प्राप्त होती है, नम्रता से पात्रता प्राप्त होती है, पात्रता से धन प्राप्त होता है और धन से धर्म होता है। आज की विद्या पाश्चात्य संस्कृति और पाश्चात्य सभ्यता आज हमें यह सब नहीं सिखाती है। यही कारण है कि आज हमारा चरित्र दिन-प्रति-दिन गिरता जा रहा है। जब तक चरित्र नहीं होगा तब तक देश दृढ़ नहीं होगा। चरित्र होगा तो देश दृढ़ होगा। अपने कर्त्तव्य का पालन और भारतीय भूमि के प्रति हमारी आस्था होनी चाहिए। आज हम स्वतन्त्र हैं, आज़ाद हैं और यहां पर विधान सभा में बैठे हुए हैं, इस आज़ादी के लिए अनेकों शहीदों ने कुर्बानियां दी और फांसी के फंदे को चूमा तब

[श्री कपूर चन्द शर्मा]

जा कर यह दिन हमें देखने को मिला है। आज मेरे विपक्ष के भाई यहां पर नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, इस विधान सभा में बैठकर हमें अपने कर्त्तव्यों का पालन करना है। हमें सवा-डेढ़ लाख लोगों ने चुनकर भेजा है। उन्होंने हम में कुछ गुण देखे हैं और हमें उन गुणों को कायम रखना चाहिए। हमें न्याय की तरफ चलना चाहिए और सच्चाई का पालन करना चाहिए। असत्य बातों को यहां पर नहीं कहना चाहिए। मुझे एक वृतान्त याद आया। आजकल सती का रिवाज तो नहीं है पहले समय में जब राजा महाराजा होते थे जब उन पर आक्रमण होता था और कोई राजा या महाराजा मारा जाता था तो उसकी रानी अपनी इज्जत बचाने के लिए सती हो जाती थी। अध्यक्ष महोदय, उस समय एक स्त्री हुआ करती थी उसका नाम जलैला था। उसके घर के साथ अगर कभी किसी पड़ौस में कोई शादी, कोई बैंड या दूसरा कोई फंक्शन होता था तो वह अपने घर में बैठे-बैठे जला करती थी दूसरों की खुशी से ईर्ष्या किया करती थी। इसी तरह से हमारे विपक्ष के नेता हमारी तरक्की से, हमारी प्रशंसा से जलते हैं। आज बी०जे०पी० और एच०बी०पी० की जो छवि विकसित हो रही है उसको सहन नहीं कर सकते हैं इसलिए यहां पर वे इस तरह की बातें करते हैं। अध्यक्ष महोदय, एक बार सती का मेला था और गांव के सब लोग वहां पर गए। जब वे वहां से आ रहे थे तो किसी के गले में माला थी, किसी के पास बाजा था और दूसरी चीजें थी तो वह जलैला अपने घर के बाहर खड़ी थी। उसने पड़ौसन से पूछा की ये सब कहां से आ रहे हैं तो उस पड़ौसन ने बताया कि ये सती मेले से आ रहे हैं। उस जलैला ने कहा कि वह तो एक बार सती हुई है मैं तो रोज रोज सती होती हूं। हर रोज दूसरों की खुशी से जलती हूं। इसी तरह से विरोधी पक्ष के विचार हैं, भाव हैं। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के अभिभाषण पर यहां पर तीन दिन चर्चा चली और वे भाई घंटा-घंटा और सवा-सवा घंटा यहां पर उस चर्चा पर बोले। अध्यक्ष महोदय, आपने भी उनके प्रति नर्म रुख रखते हुए उनको बोलने का मौका दिया लेकिन वे अपनी आदतों से नहीं माने। अध्यक्ष महोदय, एक और एक तीन नहीं हो सकते हैं। आज भी अध्यक्ष महोदय, उनको आपने बड़ी ही उदारता से सदन में आने को कहा लेकिन वे यहां पर नहीं आए। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष का कर्त्तव्य है कि सुनो और सुनाओ लेकिन ये विपक्ष वाले सुनाते हैं, सुनते नहीं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं स्वास्थ्य मंत्री महोदया का ध्यान आयुर्वेद की तरफ दिलाना चाहूंगा। आज देश में आयुर्वेद पद्धति की अधिक मांग है, इच्छा है। इसकी इतनी दवाइयां तैयार नहीं होती जितनी की इनकी जनता में मांग है।

"धर्म बचे और धन बचे, सहज सुलभ उपाय,
साधो सेवा देश की, देशी औषध खाए।

अध्यक्ष महोदय, देशी औषध जो है किसी भी प्रकार से रिएक्शन नहीं करती है और समूल रोग को नष्ट करती है। हमारे यहां लिखा है :--

"कश्यधि रोगों रोगस्य, हेत्र भूतवः प्रसायमति,
न प्रसायमति चापयंतो हेतु अर्थम गुरुदेवज्य।

अध्यक्ष महोदय, बहुत से एलोपैथिक औषधियां ऐसी हैं जो एक रोग को खत्म करती हैं और दूसरे रोग को पैदा करती हैं। डाक्टर जो मलेरिया में गोली देते हैं उससे मलेरिया तो ठीक हो जाता है लेकिन फिर पीलिया हो जाएगा। जितनी भी ऐंटिसैप्टिक गोलियां देते हैं उससे टट्टियां लग जाएंगी। हमारी आयुर्वेदिक दवाई किसी तरह से भी रिएक्शन नहीं करती है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि आयुर्वेद की तरफ विशेष ध्यान दें। सरकार को आयुर्वेद के कालेज खोलने चाहिएं, आयुर्वेद की डिस्पैंसरियां भी

खोलनी जरूरी हैं जोकि बहुत ही कम हैं। अध्यक्ष महोदय, आयुर्वेद की दवाइयां सबसे सस्ती पड़ती हैं और मार्किट में सुलभ होती हैं। अध्यक्ष महोदय, इससे जनता को, गरीब आदमी को बहुत ही लाभ पहुंचा है। लेकिन जब हम यह औषधियां मंगवाते हैं तो इसके लिए टैंडर होते हैं और टैंडर फ्लोट से माल सही मिल नहीं सकता। चूंकि आयुर्वेद से मेरा संबंध है इसलिए मैं आपको बताना चाहता हूं कि सितोपलादि औषधि 280 रुपये से कम नहीं पड़ सकती।

श्री अध्यक्ष : वैद्य जी, इन औषधियों के बारे में स्वास्थ्य मंत्री महोदय को भी आप बताया करो।

श्री कपूर चन्द शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा था कि यह सितोपलादि औषधि 280 रुपये से कम पर नहीं मिलती लेकिन हमारे मंत्री महोदय ने यह 129 रुपये किलो के हिसाब से खरीदी है। अगर ऐसा होगा तो ये क्या काम करेंगे। इससे तो हमारी भी बदनामी होगी, आयुर्वेद की भी बदनामी होगी और सरकार की भी बदनामी होगी इसलिए मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि इन औषधियों को खरीदते समय अच्छी अच्छी कम्पनियों की दवाइयों का ध्यान रखना चाहिए और अच्छी दवाइयां ही लेनी चाहिएं। स्वास्थ्य मंत्री श्री ओ०पी० महाजन जी यहां पर बैठे हुए नहीं हैं लेकिन यह मेरा उनको सुझाव है। इसके अलावा ढांढसा गांव के प्राईमरी हैल्थ सैंटर की बिल्डिंग है, अध्यक्ष महोदय, वह बहुत पुरानी हो गयी है जिसके कारण वह लटक चुकी है इसलिए वहां पर बैठने के लिए भी जगह नहीं है। जब वहां पर बिल्डिंग का यह हाल है तो वहां लोगों को स्वास्थ्य क्या मिलेगा। वहां पर तो जान का खतरा है। इसलिए मैं सरकार से मांग करूंगा कि उस बिल्डिंग की रिपेयर होनी चाहिए उसका सुधार होना चाहिए। इसी तरह से झांसा गांव वालों ने एक बिल्डिंग तैयार की है वहां पर उसका फर्श लग चुका है, किवाड़ लग चुके हैं और वह बिल्डिंग कम्पलीट है इसलिए वहां पर भी एक हैल्थ सैंटर होना चाहिए यह मेरी सरकार से मांग है। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, कुछ और प्रश्न मैं अपने क्षेत्र से संबंधित आपके सामने रखना चाहता हूं। मेरा इलाका भी फल्ड से प्रभावित रहा है। शाहबाद विधान सभा क्षेत्र में लगभग 23 गांव यानी रावा, लाण्डी, बोरीचूट, सुलखनी, कलसानी, नलवी, ढोल, शांतिनगर, दामली, कल्याणा, भोकरमाजरा, भद्दीपुर, रायपुर, बसन्तपुर, अजरावर, रामनगर, गोरीपुर, नाहर माजरा, जैनपुर, सैनीमाजरा, मन्देहड़ी और बाबकपुर आदि ऐसे गांव हैं जो प्रति वर्ष बाढ़ के प्रकोप से प्रभावित रहते हैं जिसके परिणामस्वरूप वहां पर फसलों का नुक्सान होता है। यह बाढ़ वहां पर जोधा नाला और मारकंडा नदी से आती है। इस बारे में सरकार बताए कि इन गावों को बाढ़ से बचाने के लिए उस के पास क्या योजना है ? मेरी सरकार से मांग भी है कि इस समस्या की तरफ अतिरिक्त ध्यान दिया जाए और इन गावों को बाढ़ से बचाया जाए। मैं इस बारे में मुख्यमंत्री जी से भी मिला था इसलिए उनको इस बारे में पता है। अतः सरकार इस ओर ध्यान देकर हर साल होने वाले नुक्सान को खत्म करे और इन गांवों की सुरक्षा करे। वहां पर जान और माल की रक्षा की जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं अधिक समय न लेता हुआ वित्त मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने एक बहुत ही सुंदर, बहुत ही अच्छा बजट हरियाणा की जनता के हितों को देखते हुए इस सदन में प्रस्तुत किया है। इसके साथ ही मैं चौधरी बंसीलाल जी का भी धन्यवाद करता हूं कि उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी ने यहां पर एक कर रहित बजट पेश किया है। मैं इस बजट का अनुमोदन करता हूं, समर्थन करता हूं और पुनः सबका धन्यवाद करता हूं। जय भारत।

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण पाल गुज्जर) : धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम 3 फरवरी, 1999 को जो हरियाणा का बजट प्रस्तुत हुआ उसके लिए मैं वित्तमंत्री जी को और खास तौर से चौधरी बंसी लाल जी को बधाई देता हूं और उनका धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हरियाणा की जनता की भलाई के

[श्री कृष्ण पाल गुज्जर]

लिए एक अच्छा विकासोन्मुख बजट पेश किया। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि 11 मई, 1996 को जब चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में हविपा-भाजपा सरकार ने हरियाणा का कार्यभार संभाला उस समय हमें विरासत में जर्जर और टूटा-फूटा हरियाणा मिला था। उस समय बिजली नाम की चीज इस प्रदेश में नहीं थी, कहीं पर भी ट्रांफार्मर नहीं थे और यदि ट्रांसफार्मर थे तो तार नहीं थी। इसी तरह से शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल थे तो शिक्षक नहीं थे, शिक्षक थे तो स्कूल नहीं थे, स्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉक्टर थे तो दवाईयां नहीं थीं, अस्पताल नहीं थे। इसी तरह से कानून व्यवस्था की स्थिति खराब थी, महिलाओं की इज्जत के साथ सरेआम खिलवाड़ होता था और उनकी सुरक्षा का कोई उपाय नहीं था, कहीं पर भी किसी के जीवन पर कब आफत आ जाए कोई भरोसा नहीं था, जमीनों पर कब्जे होते थे। एक तरह से हरियाणा में जंगल राज था लेकिन सत्ता संभालने के बाद चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में इस सरकार ने हरियाणा के चहुमुखी विकास के लिए विभिन्न योजनाएं बनाई और उन्हीं योजनाओं के फलस्वरूप आज हरियाणा में चारों तरफ विकास के कार्य चल रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि हरियाणा के हर क्षेत्र में बिजली की खपत बढ़ी क्योंकि आबादी बढ़ी है, शहर बढ़े हैं, कारखाने बढ़े हैं, कालोनियां बढ़ी हैं। लेकिन उस अनुपात में हरियाणा में बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ा। आप जानते हैं कि जब बिजली की खपत बढ़ेगी और उत्पादन नहीं बढ़ेगा तो बिजली की हालत और बुरी हो सकती है और उसका खामियाजा हरियाणा की जनता को भी भुगतना पड़ेगा। हरियाणा में पिछले 20-25 सालों में बिजली के उत्पादन की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया जिसके फलस्वरूप हरियाणा में बिजली का संकट गहराता चला गया लेकिन चौधरी बंसी लाल जी के सत्ता संभालते ही हरियाणा में बिजली के सुधारीकरण के विभिन्न उपाय किए गए और आज उसी का नतीजा है कि फरीदाबाद में 432 मेगावाट, पानीपत में 110 मेगावाट की चार यूनिटों का सुधारीकरण, 210 मेगावाट की छठी यूनिट का काम चलना और हिसार में 25-25 मेगावाट के प्लांट लगने से बिजली के क्षेत्र में क्रान्ति आई और यह क्रान्ति चौधरी बंसी लाल जी लाए। **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक माननीय सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह पदासीन हुए।)** सभापति महोदय, आप जानते हैं कि बिजली के बगैर किसी भी प्रदेश के विकास की कल्पना नहीं हो सकती। बिजली होगी तो किसान के खेत को पानी मिलेगा, पानी मिलेगा तो किसान के खेत में फसल होगी, फसल पैदा होगी तो मंडी में जाएगी, मंडी में फसल जाएगी तो किसान के घर में पैसा आएगा, बिजली होगी तो कारखाने चलेंगे, कारखाने चलेंगे तो रोजगार मिलेगा और हरियाणा को राजस्व मिलेगा, राजस्व मिलेगा तो विकास पर खर्च होगा यानी बिजली होगी तो चारों तरफ से प्रदेश का चहुमुखी विकास होगा। बिजली के क्षेत्र में क्रान्ति लाने के लिए हरियाणा की जनता से चौधरी बंसी लाल जी ने जो चुनाव में वायदे किए थे कि 24 घंटे बिजली देंगे, वह वायदा जुलाई, 1999 से पूरा होने जा रहा है उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। सभापति महोदय, इसके अलावा सिंचाई के क्षेत्र में आप जानते हैं कि हरियाणा की नहरों की क्या हालत थी ? सारी नहरें गाद से भरी हुई थीं। दस-दस साल से नहरों में पेड़ों की कटाई नहीं हुई थी जिसकी वजह से टेल तक पानी नहीं पहुंचता था। लेकिन इस सरकार के आने के बाद नहरों की सफाई हुई, नई नहरें बनीं और इनमें से पेड़ों को हटाया गया जिससे हरियाणा के कृषि क्षेत्र में क्रान्ति आई और उसकी बदौलत 7 लाख एकड़ क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिली। सभापति महोदय, शिक्षा के क्षेत्र में मैं बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार के समय में जहां स्कूल थे वहां शिक्षक नहीं थे और जहां शिक्षक थे वहां स्कूल नहीं थे। परन्तु वर्तमान सरकार ने 7000-8000 अध्यापकों की नियुक्ति की है और 474 स्कूलों को अपग्रेड किया है। माननीय शिक्षा मंत्री महोदय श्री रामविलास शर्मा जी के नेतृत्व में शिक्षा विभाग ने जो उन्नति की है उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्हीं की बदौलत शिक्षा बोर्ड के रिजल्ट

पिछले परिणामों से अच्छे आये हैं। जहां तक कानून-व्यवस्था की बात है। पिछली सरकारों के समय में किसी की भी इज्जत सुरक्षित नहीं थी। न महिलाओं की, न अधिकारियों की, न किसानों की और न व्यापारियों की। उस समय निहत्थे किसानों पर सरेआम गोलियां चलाई जाती थीं। जब किसान अपने लिए बिजली-पानी की मांग करते थे तो सरेआम उन पर गोलियां चलाई जाती थीं। उद्योगपतियों से सरेआम पैसे लिये जाते थे। अगर वे पैसे नहीं देते थे तो उनके ट्रक खींच कर ले जाते थे। किसी भी उद्योगपति की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। माहवार उनसे लाखों रुपये वसूलते थे। लेकिन आज चौधरी बंसीलाल जी की सरकार में फरीदाबाद के लोग चैन की सांस ले रहे हैं। किसी भी उद्योगपति से चन्दे के रूप में एक पैसा भी नहीं लिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की सरकार में कभी चन्दे के नाम पर, कभी चुनाव के नाम पर और कभी कांग्रेस पार्टी के अधिवेशन के नाम पर पैसा बटोरा जाता था। एक बार सूरजकुण्ड के अधिवेशन के लिए कांग्रेस पार्टी वालों ने वहां के व्यापारियों से चन्दे की वसूली की थी उन्होंने कहा कि यदि चन्दे का पैसा दे दोगे तो बाद में हम ट्रक यूनियनों को खत्म कर देंगे। जब अधिवेशन खत्म हुआ तो वहां के उद्योगपति भजनलाल जी से मिले और उन्होंने उनसे कहा कि ट्रक यूनियन समाप्त कर दीजिए। तब चौधरी भजनलाल जी ने कहा था कि कौन सा वायदा, अधिवेशन खत्म तो पैसा हज्म, जाओ अपना काम करो। इस तरह से उस समय व्यापारियों और उद्योगपतियों को लानत दी जाती थी और बेइज्जत किया जाता था। लेकिन अब वहां के उद्योगपति आज चैन की सांस ले रहे हैं। कांग्रेस की सरकार में जब हुडा के प्लाट्स की नीलामी होती थी तो सरेआम अपने गुण्डों को वहां पर लाकर अपने चहेतों को सस्ते दामों में प्लाट दिये जाते थे। चाहे वे हुडा कैम्पलैक्स के प्लाट्स हों, चाहे एस०सी०ओ० के प्लाट्स हों। उस समय करोड़ों के प्लाट्स लाखों रुपये में दिये जाते थे। जब रक्षक ही भक्षक हो जाये तो वह प्रदेश कैसे चल सकता है ? फरीदाबाद में उस समय सरेआम गुण्डागर्दी, डकैती और लूटमार होती थी। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) आज चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व की सरकार में फरीदाबाद में कोई भी ऐसा आदमी नहीं मिलेगा जो यह कह सके कि मेरी जमीन पर जबरदस्ती कब्जा है या हुडा के प्लाट्स की नीलामी जबरदस्ती की गई है यह सरकार की कार्यकुशलता और कार्य प्रणाली का परिणाम है। अध्यक्ष महोदय, उस समय की सरकार में नौकरियां योग्यता के आधार पर न देकर सिफारिश के आधार पर दी जाती थीं जिसकी वजह से हाई कोर्ट ने भी कई नौकरियां रद्द की। हुडा के प्लाट्स के बारे आप को मालूम ही है कि अपने हाथों अपने चहेतों को प्लाट्स लुटाये जाते थे और 5000 रुपये गज के प्लाट 100 रुपये गज के हिसाब से अपने चहेतों को दिये जाते थे और इस प्रदेश की जनता की खून पसीने की कमाई को दोनों हाथों से लूटा जाता था। लेकिन जब से चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में यह सरकार बनी है, तब से इस प्रदेश में भ्रष्टाचार का एक भी उदाहरण देखने को नहीं मिला है। किसी मंत्री या किसी और आदमी को हुडा के प्लॉट की स्वैच्छिक कोटे से अलॉटमैंट नहीं की गई है। यह भ्रष्टाचार को रोकने के लिए एक बहुत बड़ा कदम है। विपक्ष के भाई कह रहे थे कि नौकरियों में हेराफेरी होती है। मैं उनसे बताना चाहता हूं कि चाहे अध्यापकों की भर्ती की बात है, चाहे पुलिस की भर्ती की बात है या चाहे हरियाणा के स्टॉफ सिलैक्शन कमीशन द्वारा भर्ती की बात है, सभी नौकरियों का रिकार्ड कंप्यूटराइज्ड है जिसको दस साल तक कोई भी देख सकता है। आज हरियाणा में नौकरियां योग्यता के आधार पर दी जाती हैं, सिफारिश व पैसे के बलबूते पर नहीं। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। जब विपक्ष के भाई बोल रहे थे तो मैंने उनसे पूछा था कि पिछली सरकारों ने नौकरियों में हमेशा ही अलग-अलग क्षेत्रों के साथ भेदभाव क्यों किया है ? उस समय हर जिले को नौकरियों में प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाता था। इसका अकेला आदमपुर हल्का एक उदाहरण है, जिसके नौजवानों को हरियाणा के आधे हिस्से की नौकरियां प्रदान की गई हैं तथा बाकि आधे हिस्से में हरियाणा की सारी जनता को रखा गया है। परिणामस्वरूप

[श्री कृष्ण पाल गुज्जर]

आज आदमपुर हल्के से 26,000 नौजवान सरकारी नौकरियों में हैं। जब यह अन्याय हो रहा था तो उस समय किसी ने भी इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज नहीं उठाई थी। लेकिन चौधरी बंसी लाल की सरकार ने सभी को बराबर का प्रतिनिधित्व दिया है, किसी क्षेत्र विशेष के साथ कोई भेदभाव नहीं किया है। इसलिए यह सरकार भलाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, हमें सड़कें जर्जर हालत में मिली थीं। पिछली सरकारों ने न कोई नई सड़कें बनवाईं और न ही सड़कों की कोई मरम्मत करवाई। लेकिन इस सरकार ने इस कार्य के लिए 400 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान रखा है जिससे 65 किलोमीटर के एरिया की नई सड़कें बनाई जाएंगी और 2520 किलोमीटर एरिया की सड़कों की मरम्मत की जाएगी यानी हरियाणा प्रदेश में अब सड़कों के क्षेत्र में भी क्रांति हो रही है। हरियाणा के हर गांव में बिजली, सड़कें पहुंचाना, हस्पतालों, शिक्षा इत्यादि का प्रबंध चौधरी बंसी लाल जी की ही बदौलत हुआ था। आज फिर हरियाणा की बागडोर उनके हाथों में आने के बाद हरियाणा का नाम हिन्दुस्तान में उसी तरह चरम सीमा पर है जैसे कि पहले उनके शासनकाल में हुआ करता था। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हरियाणा प्रदेश में सड़कों के क्षेत्र में दुबारा से क्रांति होगी और नई सड़कें बनाने व पुरानी सड़कों की मरम्मत का कार्य जल्द ही पूर्ण होगा।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं परिवहन के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा। हरियाणा में हरियाणा रोडवेज की 3801 बसें हैं। हम ने अपने चुनावी वायदों में संकल्प लिया था कि हम सहकारी समितियों के माध्यम से बेरोजगार नौजवानों को रूट्स परमिट्स देकर उनको रोजगार मुहैया करवाएंगे। हम बहुत जल्दी ही 418 मार्गों के लिए 699 रूट्स परमिट्स बेरोजगार नौजवानों को प्रदान करने जा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, जन-स्वास्थ्य के क्षेत्र में वर्ष 1998-99 के दौरान, 550 गांवों में पेयजल आपूर्ति बढ़ाकर 40 से 55 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक करने का प्रस्ताव था तथा इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अंतर्गत 29.60 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई थी। दिसम्बर, 1998 तक 340 गांवों में जल आपूर्ति 40 से 55 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक बढ़ा दी गई है और वर्ष 1999-2000 के दौरान 550 और गांवों में जल आपूर्ति बढ़ाकर 40 से 55 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक किए जाने का प्रस्ताव है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य की योजना में 30 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है।

अध्यक्ष महोदय, परिवहन विभाग में हमें लगभग 60 करोड़ रुपए प्राप्त हुए जिन में से 56 प्रतिशत तो पांचवे वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू होने के उपरांत कर्मचारियों को दिए हैं।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश में वर्ष 1998 में डेंगू रोग फैलने की कोई सूचना नहीं है। पहले हरियाणा में डेंगू रोग फैला था लेकिन माननीय स्वास्थ्य मंत्री इस के लिए प्रशंसा के पात्र हैं कि 1998 में एक भी केस डेंगू का नोटिस में नहीं आया है। मलेरिया के केसिज़ में वर्ष 1997 की तुलना में 1998 के दौरान 82.7 प्रतिशत् की कमी आई है। "पल्स पोलियो कार्यक्रम" राज्य में बहुत अच्छे ढंग से चल रहा है तथा दिसम्बर, 1998 में हमारी 110 प्रतिशत् उपलब्धि थी। इस कार्यक्रम को चलाने के लिए हमारे प्रदेश का भारत में चौथा स्थान है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जनता के लिए जगह-जगह पर स्वास्थ्य केन्द्र खोले हैं और इनमें दवाईयों का इंतजाम किया है। इसी तरह से चौकीदारों का चौकीदारी भत्ता 100/- रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये और स्वतन्त्रता सेनानियों की पैंशन 1000/-

रुपये से बढ़ाकर 1400/- रुपये कर दी गई है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने किसानों को भी गन्ने का भाव 95/- रुपये प्रति क्विंटल दिलवाया है। सर, इस तरह से हम देखते हैं कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने अपनी योजनाओं के द्वारा हर क्षेत्र का विकास किया है। अध्यक्ष महोदय, जब चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की सत्ता संभाली थी उस समय हरियाणा की हालत बहुत खराब थी लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने बड़े ही धैर्य से अपनी योजनाओं पर अमल किया और हरियाणा प्रदेश में बड़ी तेजी से विकास के काम शुरू किये। हमें विश्वास है कि बहुत जल्दी हरियाणा अपनी पहले वाली स्थिति में पहुंच जायेगा। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप भी जानते हैं कि आज हरियाणा के साथ लगते प्रदेशों की अर्थव्यवस्था बहुत खराब है लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बहुत सुधार किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं अंत में श्री चरण दास शोरेवाला जी को एक कर रहित बजट पेश करने के लिए बधाई देता हूं और साथ में हरियाणा प्रदेश के मुख्य मंत्री महोदय को भी बधाई देता हूं कि उनके नेतृत्व में वित्त मंत्री महोदय ने बहुत ही अच्छा बजट पेश किया। धन्यवाद।

बैठक का समय बढाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the House be extended for 15 minutes.

Voices : Yes.

Mr. Speaker : Time of the House is extended with the consent of the House for 15 minutes.

वर्ष 1999-2000 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, बड़े दुख की बात है कि मेरे विपक्ष के भाई यहां हाऊस में नहीं बैठे हैं। सदन में दो पक्ष होते हैं, एक सत्ता पक्ष और दूसरा विपक्ष। सदन को चलाने की जिम्मेवारी इन दोनों ही पक्षों की होती है। जिस तरह का व्यवहार मेरे विपक्ष के भाईयों का यहां हाऊस में रहा है उससे न हाऊस का फायदा हुआ है और न ही जनता का। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई मसल पावर के द्वारा इस हाऊस को चलाना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, आपने तो सिर्फ विपक्ष के 9 सदस्यों को ही सस्पैंड किया था लेकिन उनके बाकी के 26 सदस्य तो अपने विचार इस हाऊस में रख सकते थे। किन्तु वे भी हाऊस को छोड़कर चले गये। उन्होंने अपने हल्के की कोई भी बात नहीं कही, जबकि हम उनकी बातों को सुनने के लिए तैयार थे। अध्यक्ष महोदय, हमने कल भी और परसों भी उनको कहा था कि वे अपनी बात कहें लेकिन उन्होंने अपनी बातें नहीं कहीं। आपने भी इस बारे में उनसे कहा था लेकिन उन्होंने किसी की भी बात नहीं मानी तो हम क्या कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाईयों ने कहा कि हम सदन को चलने नहीं देंगे लेकिन इस तरह की बात तो कोई भी सदन सहन नहीं करेगा। आज कांग्रेस के सदस्य सदन में आये थे और उनमें से 4-5 भाईयों ने अपने विचार भी रखे। स्पीकर साहब, आपने और हमने भी उनसे प्रार्थना की थी कि वे डिबेट में हिस्सा लें, मगर यदि वे अपनी मर्जी से चले गये तो सदन, हम और आप इसमें क्या करें ? अध्यक्ष महोदय, अगर मेरे विपक्ष के भाई ऐसा करेंगे तो इससे किसी को भी लाभ होने वाला नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आपने 26 सदस्यों को बोलने की इजाजत दी थी लेकिन यदि वे भी इस हाऊस में बोलने के लिए नहीं आये तो उनका हम क्या करें ? उनका इलाज न आपके पास है और न हमारे पास है। मेरे कहने का मतलब यह है कि उनका इलाज किसी के पास भी नहीं है। वे तो जनता को यह कहकर आये थे कि हम जाते ही सरकार को तोड़

[श्री बंसी लाल]

देंगे। अध्यक्ष महोदय, अगर उनके पास सरकार तोड़ने की शक्ति थी तो एक घंटे में मेरा भाषण समाप्त हो जाता और वे सरकार तोड़ देते। लेकिन वास्तविकता तो यह है कि उनके पास सरकार तोड़ने की शक्ति ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी भाईयों का इस तरह का कंडैक्ट ठीक नहीं था। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद सदन से बाहर श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने प्रैस वालों को यह भी कहा कि अभी तो हरियाणा का ऐनुवल बजट प्लानिंग कमीशन से डिसकस नहीं हुआ है और बगैर उससे डिसकस हुए 14.00 बजे बजट सदन में कैसे पेश कर सकते हैं ? अध्यक्ष महोदय, पिछले साल हमने इसी सदन में जुलाई में बजट पास किया था जबकि प्लानिंग कमीशन से हमने ऐनुवल बजट 9-9-98 को डिसकस किया था। प्लानिंग कमीशन वाले हमें तारीख देते रहे और आगे सरकाते रहे। इसलिये जो बजट हमने जुलाई में पास किया उसे सितम्बर में जाकर प्लानिंग कमीशन ने हमारे साथ डिसकस किया। अध्यक्ष महोदय, इस साल की जो हमारी ऐनुवल प्लान प्रोपोजल्ज हैं वह हमने प्लानिंग कमीशन को भेज दी है और हमारे सैक्रेटरी (प्लानिंग डिपार्टमैंट) की उनसे डिसकशन भी हो गई है। यहां तक कि उनका टैलीग्राम भी आ गया है जिसमें लिखा है कि—

> "Planning Commission has received the letter No. ESA (Plg.)-99/1626 dated 27-1-1999 from the Financial Commissioner and Secretary (Plg. Deptt.), Govt. of Haryana conveying the decision of the State Government regarding the size of their Annual Plan 1999-2000 to be Rs. 2300 crore.
>
> Since no meeting between Deputy Chariman, Planning Commission and Chief Minister of the State regarding finalisation of the size of Annual Plan 1999-2000 of Haryana has been held so far."

The Planning Commission has noted this. They received our proposals. Our Finance Secretary has talked to them and we will go on talking to them. हो सकता है कि वे महीने या दो महीने में डिसकस कर लें क्योंकि पिछले साल भी प्लानिंग कमीशन ने ही लेट डिसकस किया था। उससे पहले भी जब कांग्रेस की सरकार थी तो 1996-97 का बजट फरवरी में पास हो गया था जबकि प्लानिंग कमीशन से अक्तूबर में जाकर डिसकस हुआ था। प्लानिंग कमीशन अपने हिसाब से काम करता है। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड-वाइड मार्किट में रिसैसेशन आई हुई है और भारत सरकार की इन्कम के भी समीकरण बदल रहे हैं इसलिये ऐनुवल प्लान तो डिसकस करने में टाईम लगेगा। हमारे सामने ऐसी अनेकों मिसालें हैं कि बजट पहले पास हुआ और उसके कई-कई महीने बाद प्लानिंग कमीशन से ऐनुवल प्लान डिसकस हुआ। इसलिए विपक्ष के साथी इस तरह की जो बातें करते हैं वे जानबूझ कर करते हैं लेकिन उन भाईयों को यह पता नहीं कि आगे कांस्टीच्यूएंसी के लोग उनसे यह बात भी पूछेंगे कि आपको हमने असैम्बली में हमारी तकलीफें बताने के लिये भेजा था तो आप वहां क्या करके आये ? परन्तु वे इस बात को भूल गये हैं। हम तो चाहते हैं कि वे आयें और बजट की डिसकशन में हिस्सा लें। हमने परसों भी कहा, कल भी कहा और आज भी कांग्रेस वालों को कहा लेकिन वे अपने आप चले गये तो फिर हम क्या कर सकते हैं ? अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि कांग्रेस की सरकार में आप, हम और भाई गम विलास जी भी जब विपक्ष में बैठते थे तो श्री कर्ण सिंह दलाल को उन्होंने सस्पैन्ड कर दिया था उस समय हम एक बार तो वाक-आऊट करके चले गये थे लेकिन फिर वापिस आकर सदन में बैठ गये थे और हमने पूरी डिबेट में हिस्सा भी लिया था और सदन खत्म होने तक हमने

हिस्सा लिया था। जबकि वे भाई कहते हैं कि हमारी कंडीशन पर हाउस चलेगा तो इस तरह से किसी आदमी के कहने की कंडीशन पर हाउस नहीं चल सकता। अध्यक्ष महोदय, फाईनेंस मिनिस्टर साहब तो 8 तारीख को जवाब देंगे।

शोक प्रस्ताव

मुख्य मंत्री (श्री बंसीलाल) : अध्यक्ष महोदय, अब मैं सदन एडजर्न होने से पहले एक शोक प्रस्ताव आपकी अनुमति से पेश करता हूं।

Shri Ashok Kumar Jain, a Media Personality.

> "This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Ashok Kumar Jain, a media personality, on February 4, 1999.
>
> He was born on March 5, 1934. Besides being Chairman of Bennett Coleman and Company Limited which publishes The Times of India group of newspapers, Shri Jain was the Managing Trustee of the Bharatiya Jnanpith. Shri Jain played an active role in several fields of endeavour. At various times he served as the President, Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry, Indian National Committee of the International Chamber of Commerce and Industry.
>
> In his death, the country has lost an eminent media personality, a prominent businessman and a philanthropist. This House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family."

अध्यक्ष महोदय, मैं तो श्री अशोक कुमार जैन को जब मैं पार्लियामैंट्री कमेटीज का चेयरमैन रहा, तब से जानता हूं। मैं दो साल कमेटी औन पब्लिक अंडरटेकिंग्ज का चेयरमैन रहा और तीन साल कमेटी औन एस्टिमेट्स का चेयरमैन रहा। श्री अशोक कुमार जैन उस वक्त इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के चेयरमैन थे। उस समय मुझे उनको एग्जामिन करने का मौका भी मिला। वे हमारे सामने कमेटी में दो-तीन बार आए। उनके दिमाग में बिल्कुल क्लैरिटी थी। यह नहीं कि वे खाली अपने ही ट्रस्ट की बात या इंडस्ट्रीज के इंट्रस्ट की बात करते थे बल्कि देश के इंट्रस्ट की बात भी वह बहुत सोच समझ कर कहते थे। हम उनकी वैल्यू समझते थे। हम उनकी बात की इज्जत करते थे। मैं सदन से प्रार्थना करता हूं कि इस शोक प्रस्ताव को पास कर दिया जाए।

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : स्पीकर साहब, सदन के माननीय नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है मैं उसका समर्थन करता हूं। श्री अशोक कुमार जैन की भारत के पत्रकारिता जगत में और टाईम्ज औफ इंडिया ग्रुप में एक अहम भूमिका रही। वे एक परोपकारी जीव थे। उनकी पत्रकारिता जगत में, एक प्रतिभा थी, एक मानदण्ड था तथा उनकी विशिष्टता थी। आज एक ऐसे समाजसेवी, पत्रकारिता जगत को जीवित रखने वाले और पत्रकारिता के स्तर को स्थापित करने वाले महान आदमी का निधन हुआ है। मैं और मेरी पार्टी उनको श्रद्धांजलि देते हैं और उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रस्तुत करते हैं।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, दिवंगत श्री अशोक कुमार जैन के बारे में विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने जो अपने विचार व्यक्त किए हैं मैं भी अपने आपको उनकी भावनाओं के साथ सम्मिलित करता हूं। श्री अशोक कुमार जैन पत्रकारिता जगत में एक विशेष स्थान रखते थे। वे एक महान मानवतावादी थे। उनके निधन से हम सभी को बड़ा भारी आघात पहुंचा है। मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि परमात्मा उनकी आत्मा को शांति दे और उनके परिवार को इस भारी क्षति को वहन करने की शक्ति प्रदान करे। मैं शोक संतप्त परिवार को इस सदन की भावना को सम्प्रेषित कर दूंगा। अब मैं सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करता हूं कि वे दिवंगत आत्मा के सम्मान में श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट अपने स्थानों पर खड़े हो कर मौन धारण करें।

(इस समय दिवंगत आत्मा के सम्मान में सदन के सदस्यों ने खड़े हो कर दो मिनट का मौन धारण किया)

Mr. Speaker : Now the House stands adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 8th February, 1999.

*14.10 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 8th February, 1999.)

30901–H.V.S.–H.G.P., Chd.